door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 291 | गुवाहाटी | बुधवार, 22 मई, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

यूके : मरीजों को संक्रमित खून चढ़ाने के मामले में पीएम सुनक ने मांगी माफी पेज 2
बराक घाटी में ही सीयूईटी परीक्षा केंद्र बनाने की मांग की : अभाविप पेज 3
आईएनडीआई गठबंधन में 20 लाख करोड़ के घोटालेबाज एक साथ : पीएम पेज 5
टी-20 विश्वकप में भारतीय टीम की राह आसान नहीं पेज 7

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

सुप्रभात

दुसरो के कल्याण से बढ़ कर, दुसरा और कोई नेक काम और धर्म नहीं होता।

– ईश्वर चंद्र विद्यासागर

केंद्र में पहली बार ऐसी सरकार है, जिसने महिलाओं के सम्मान की चिंता की : मोदी

वाराणसी (हि.स.)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि काशी में राजपाठ तो बाबा विश्वनाथ चलाते हैं लेकिन व्यवस्था माता अन्नपूर्णा चलाती हैं। भोजपुरी में उन्होंने कहा कि पहली बार है नामांकन अपने माई (हीरा बेन) के उपस्थिति के बिना कइले हइं। मां गंगा ही हमरी माई हईं। प्रधानमंत्री मोदी मंगलवार को सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के खेल मैदान में भाजपा महिला मोर्चा की ओर से आयोजित मातृशक्ति सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन में 25 हजार से अधिक जुटी मातृशक्ति की भीड़ को देख प्रधानमंत्री ने कहा कि इतनी सारी मातृ शक्ति की मौजूदगी मुझे अभिभूत कर रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि चुनावी व्यस्तता के बावजूद बनारस को लेकर निश्चिंत रहता हूं। आप सब संभाल लेती हैं। इस गर्मी में स्वास्थ्य का ध्यान रखिये। आपको घरों, गांवों में जाना होता है, पानी खूब पीजिये। बिना खाए घर से मत निकलिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि महिलाएं पिछले दस साल में पहली बार सरकार की नीतियों से लेकर निर्णय तक में केंद्र में आई हैं। यही भारत की सक्सेस स्टोरी का फैक्टर है। पहली बार केंद्र में ऐसी सरकार आई है, जिसने महिलाओं के सम्मान की चिंता की है। उन्हें इज्जत घर दिए। इसके लिए विपक्षी दल मजाक उड़ाते हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के बिना जब घर नहीं चलता तो देश कैसे चल जाता। ये बात पिछली सरकार को समझ -शेष पृष्ठ दो पर

देश में सामने आया कोरोना का नया वेरिएंट केपी.1 और केपी.2

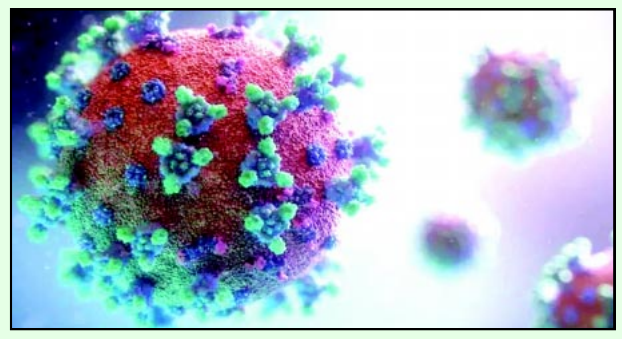

नई दिल्ली। सिंगापुर में कहर बरपाने वाला कोविड का नया वेरिएंट केपी.2 और केपी.1 अब भारत में भी अपने पैर पसारने लगा है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, केपी.2 के 290 मामले और केपी.1 के 34 मामले भारत में सामने आए हैं। हालांकि, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के एक सूत्र ने बताया कि ये सभी जेएन1 के सब-टाइप हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि कोविड के नए वेरिएंट से अस्पताल में भर्ती होने और गंभीर मामलों में कोई वृद्धि नहीं हुई है। सूत्र ने कहा कि कोविड के नए वेरिएंट केपी.2 और केपी.1 के मामले सामने आने से घबराने की कोई जरूरत नहीं है। मामलों में वृद्धि से चिंता की कोई बात नहीं है। उत्परिवर्तन तीव्र गति से होता रहेगा और यह सार्स-कोव2 जैसे वायरस का प्राकृतिक व्यवहार है। सूत्र ने आगे कहा कि इनसाकोग निगरानी संवेदनशील है और किसी भी नए प्रकार के उद्भव को पकड़ने में सक्षम है और वायरस के कारण बीमारी की गंभीरता में किसी भी बदलाव का पता लगाने के लिए अस्पतालों से संरचित तरीके -शेष पृष्ठ दो पर

मिथुन चक्रवर्ती के रोड शो पर हमला

कोलकाता (हि.स.)। मेदिनीपुर में मंगलवार को अभिनेता व भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती के रोड शो पर हमला हुआ है। कार्यक्रम के दौरान तृणमूल कार्यकर्ताओं पर बोतलें फेंकने का आरोप लगा है। भाजपा का आरोप है कि घटना पुलिस के सामने हुई। मंगलवार सुबह मिथुन चक्रवर्ती भाजपा उम्मीदवार अग्निमित्रा पॉल के समर्थन में रोड शो कर रहे थे। यह रोड शो मेदिनीपुर कलक्ट्रेट जंक्शन से केरानिटोला तक किया जाना था। मार्ग पर शेखपुरा रोड के पास तृणमूल समर्थक पोस्टर-बैनर के साथ भाजपा के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। तृणमूल का यह प्रदर्शन युवा नेता अबीर अग्रवाल के नेतृत्व में चल रहा था। जैसे ही भाजपा का जुलूस वहां पहुंचा, दोनों -शेष पृष्ठ दो पर

ईसी के खिलाफ गौहाटी हाई कोर्ट जाएगी कांग्रेस

एजल। मिजोरम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एमपीसीसी) ने कहा कि वह चुनाव आयोग के खिलाफ गौहाटी हाई कोर्ट जाएगी। प्रदेश कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर अन्य राज्यों में चुनावी ड्यूटी में तैनात करीब 1047 पुलिस कर्मियों के मतदान की सुविधा नहीं देने का आरोप लगाया है। कांग्रेस का कहना है कि राज्य में 19 अप्रैल को हुए लोकसभा चुनाव में यह पुलिस कर्मी मतदान करने में विफल रहे। बताया जाता है कि कांग्रेस ने 13 मई को ही प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को पत्र लिखकर कहा था कि वह पुलिस कर्मियों का मतदान कराने के लिए उचित कदम उठाएं। कांग्रेस का कहना है कि उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश में चुनाव ड्यूटी में लगने के कारण मतदान नहीं कर पाए, क्योंकि चुनाव आयोग ने -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

कोलकाता आकर लापता हुए बांग्लादेश के एक सांसद

कोलकाता (हि.स.)। बांग्लादेश से इलाज कराने के लिए कोलकाता आए एक सांसद लापता हो गए हैं। कोलकाता में बांग्लादेश उप उच्चायोग के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, बांग्लादेश के सांसद अनवारुल अजीम अनार 12 मई को इलाज के लिए कोलकाता पहुंचने के बाद 13 मई से लापता हैं। मंगलवार -शेष पृष्ठ दो पर

सिसोदिया का आचरण लोकतांत्रिक सिद्धांतों के साथ बड़ा विश्वासघात : एचसी

नई दिल्ली। आबकारी नीति घोटाला से जुड़े भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मनीष सिसोदिया को बड़ा झटका लगा है। दिल्ली हाईकोर्ट ने दोनों ही मामले में नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी है। जमानत देने से इनकार करने के निर्णय को सिसोदिया ने चुनौती दी थी। याचिकाएं खारिज करते हुए हाईकोर्ट -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस भूल गई है मूल संविधान : मुख्यमंत्री शर्मा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 21 मई को कहा कि कांग्रेस भारत के मूल संविधान को भूल गई है क्योंकि सबसे पुरानी पार्टी इसके लघु *लाल* संस्करण पर केंद्रित थी। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा से संविधान का पॉकेटबुक संस्करण प्राप्त करने के बाद उन्होंने कांग्रेस और संभवत: कम्युनिस्ट पार्टियों पर कटाक्ष किया। खेड़ा ने 20 मई को डॉ. शर्मा को एक पत्र लिखकर संविधान के बारे में उनकी कथित अपमानजनक टिप्पणियों के लिए उनकी आलोचना की थी। कांग्रेस नेता ने असम के -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य सरकार ने ढॉलपुर में फिर से शुरू किया बेदखली अभियान

दरंग। असम सरकार ने सोमवार को लगभग 400 बंगाली मूल के मुस्लिम परिवारों को बेदखल कर दिया और दरंग जिले के सिपाझार में ब्रह्मपुत्र नदी के बीच में एक सैंडबार, ग्रेटर ढॉलपुर चार के आसपास के अस्थायी घरों पर बुलडोजर चला दिया। ये वही परिवार हैं जिनके घर सितंबर 2021 में एक हिंसक बेदखली अभियान में तोड़ दिए गए थे, जिसके दौरान सरकारी अनुमान के अनुसार 1,418 घर, 48 दुकानें और तीन मस्जिदें तोड़ दी गईं थीं। निवासियों का अनुमान था कि लगभग 7,000 लोग बेघर हो गए। 23 सितंबर, 2021 को सिपाझार में असम पुलिस द्वारा बेदखली का विरोध कर रहे ग्रामीणों पर गोलियां चलाने के बाद दो नागरिकों की भी मौत हो गई थी। सोमवार को, दरंग में अतिरिक्त उप राजस्व आयुक्त ने स्क्रॉल को बताया कि जो लोग 2021 में क्षेत्र -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर : भूमि संसाधन विभाग ने कुकी उग्रवादी समूह के खिलाफ दर्ज कराया मामला

इंफाल। मणिपुर भूमि संसाधन विभाग ने उग्रवादी समूह कुकी नेशनल फ्रंट (सैन्य परिषद) के खिलाफ राज्य में दो विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी बढ़ाने के लिए मुकदमा दर्ज कराया है। भूमि संसाधन विभाग के अवर सचिव मंगोलजाओ कामेई की शिकायत पर इंफाल पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। कामेई ने शिकायत में कहा कि राज्य में स्थित थांगजिंग पहाड़ी पर कुकी नेशनल फ्रंट (सैन्य परिषद) ने साइन बोर्ड लगाकर इसे थांगजिंग के नाम से वर्णित किया। यह मणिपुर के स्थानों के नाम अधिनियम 2024 -शेष पृष्ठ दो पर

रामकृष्ण मिशन में हमला करने वालों पर मामला दर्ज

सिलीगुड़ी (हि.स.)। जलपाईगुड़ी रामकृष्ण मिशन में घुसकर अपराधियों द्वारा बंदूक दिखाकर साधु संन्यासियों को डराने और तोड़फोड़ की घटना में बंगाल पुलिस ने अजीबो गरीब कदम उठाया है। हमला करने वाले अपराधियों के खिलाफ कमजोर धाराओं में केस दर्ज किया गया है, जबकि मिशन के साधुओं के खिलाफ गैर जमानती धाराओं के तहत केस दर्ज हुआ है। वह भी ऐसी धाराएं लगाई गई हैं जिनमें संन्यासियों को अग्रिम जमानत भी नहीं मिलेगी। मिशन के कुछ सन्यासी सिलीगुड़ी में *सेवक हाउस* नामक मकान में रहते हैं। गत रविवार आधी रात के बाद करीब पैंतीस लोग असलहा लेकर मिशन आश्रम में घुस आए थे। भिक्षुओं पर हमला किया गया है। उनके साथ मारपीट -शेष पृष्ठ दो पर

भूकंप के 150 झटकों से दहला इटली

मिलान। दक्षिणी इतालवी बंदरगाह शहर के पश्चिम में एक सक्रिय ज्वालामुखी में भूकंप का केंद्र होने के कारण भूकंप के 150 झटके महसूस किए गए। 4.4 तीव्रता के इन भूकंप झटकों के बाद एहतियात के तौर पर सैंकड़ों इमारतों और नेपल्स के पास एक महिला जेल को खाली करा लिया गया जिससे सैकड़ों निवासियों को टेंट या कारों में सोने के लिए मजबूर होना पड़ा। सोमवार शाम आए भूकंप के बाद किसी के घायल होने और केवल मामूली क्षति की सूचना नहीं है। -शेष पृष्ठ दो पर

यह चुनाव संविधान और आरक्षण बचाने की लड़ाई है : खड़गे

यमुनानगर (हि.स.)। अंबाला और कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र के उम्मीदवारों के समर्थन में मंगलवार को जगाधरी की अनाज मंडी में इंडी गठबंधन की जनसभा को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संबोधित किया। उन्होंने इस चुनाव को संविधान और आरक्षण बचाने की लड़ाई बताया। कांग्रेस प्रमुख खड़गे ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि देश में आईटी क्षेत्र में क्रांति और पंचायती राज जैसे कानून लाने का काम स्वर्गीय राजीव गांधी ने किया। राजीव गांधी की सरकार ने ही देश में वोट देने के लिए तय आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष किया। आजादी के बाद पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने कई सरकारी संस्थानों का निर्माण किया, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने उन संस्थानों को अपने बड़े-बड़े धन्ना सेठों को बेच -शेष पृष्ठ दो पर

तस्करी के शिकार 300 भारतीयों ने कंबोडिया में किया विद्रोह

विशाखापत्तनम। कंबोडिया में भारतीय मानव तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। आंध्र प्रदेश पुलिस ने इस मामले को लेकर मंगलवार को कहा कि 20 मई को लगभग 300 भारतीयों ने कंबोडिया में अपने आकाओं के खिलाफ *विद्रोह* किया। तस्करों के विरोध के कारण उनमें से अधिकांश को विदेश में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने कहा कि बंदरगाह शहर और उसके आसपास के लगभग 150 युवा एक साल से कंबोडिया में फंसे हुए हैं, जहां उन्हें चीनी संचालकों द्वारा साइबर अपराध और पोंजी घोटाले को अंजाम देने के लिए मजबूर किया जा रहा है। विशाखापत्तनम के पुलिस -शेष पृष्ठ दो पर

नई स्टडी में खुलासा

दुनिया में बढ़ते तापमान से टेंशन में हैं 91 फीसदी भारतीय

नई दिल्ली। जलवायु परिवर्तन और दुनिया में बढ़ता तापमान ये ऐसी हकीकतें हैं जिन्हें चाह कर भी झुठलाया नहीं जा सकता। आंकड़े भी इसकी तस्दीक करते हैं। गर्मी खुद इस साल नए रिकॉर्ड बना रही है। विश्व बैंक ने तो भारत को सबसे अधिक जलवायु जोखिम वाली आबादी वाले देश के रूप में पहचाना है। भारत में इस समय लोग चिलचिलाती गर्मी के बीच लोकसभा चुनाव के लिए वोट भी डालने जा रहे हैं। लेकिन बावजूद इसके जलवायु परिवर्तन चुनावी एजेंडे पर हावी नहीं हुई है। अगर हावी होती तो भाषणों में इस मुद्दे पर नेता बोल रहे होते जैसे वो बाकी कई दूसरे मुद्दों पर बोलते हुए दिखते हैं। लेकिन एक नेशनल लेवल पर की गई स्टडी के मुताबिक आम भारतीय भी इस बात को मानते हैं कि जलवायु में आते बदलाव लोगों के जीवन को प्रभावित कर रहे हैं। देश में लोग बढ़ते तापमान को लेकर चिंतित है। करीब 91 फीसदी लोगों का मानना है कि ग्लोबल वार्मिंग अब वर्तमान हो चुका है और ये चिंता का विषय है। सितंबर-अक्टूबर 2023 के दौरान ये स्टडी की गई है। रिपोर्ट, क्लाइमेट चेंज इन द इंडियन माइंड, 2023, येल प्रोग्राम ऑन क्लाइमेट चेंज कम्युनिकेशन और -शेष पृष्ठ दो पर

ईरान पहुंचा राष्ट्रपति रईसी का पार्थिव शरीर, दर्शनों के लिए उमड़े लाखों लोग

तेहरान। हेलिकॉप्टर क्रैश में मारे गए ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी का पार्थिव शरीर ईरान पहुंचा तो उनके अंतिम दर्शनों के लिए लाखों लोगों का हजूम उमड़ पड़ा। रविवार को हुए इस हादसे में रइसी और विदेश मंत्री अब्दुल्लाहियान सहित 9 लोगों की मौत हो गई थी। जैसे ही पार्थिव शरीर ट्रक में पहुंचा तो गार्डस और भीड़ ने फूल बरसाए प्रार्थनाएं पढ़ी। पार्थिव शरीर पहुंचने का फुटेज भी सामने आया है जिसमें अपने प्रिय नेता को को विदाई देने के लिए उमड़ी लाखों लोगों की भीड़ को देखा जा सकता है। राष्ट्रपति के पार्थिव शरीर के -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

यूके : मरीजों को संक्रमित खून चढ़ाने के मामले में पीएम सुनक ने मांगी माफी

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने सरकार को सौंपी गई एक जांच रिपोर्ट में राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) पर देश में 1970 के दशक में मरीजों को संक्रमित खून चढ़ाने के प्रकरण को दबाने का आरोप लगाए जाने के बाद सोमवार को माफी मांगी। जांच समिति के अध्यक्ष सर ब्रायन लैंगस्टाफ द्वारा इस मुद्दे पर अपना कड़ा फैसला सुनाए जाने के कुछ घंटों बाद संसद के निचले सदन *हाउस ऑफ कॉमन्स* में सुनक ने कहा कि जांच में उल्लिखित *विफलताओं और इनकार* के रवैये के बाद यह ब्रिटेन के लिए शर्म का दिन है। ब्रिटेन में संक्रमित रक्त प्रकरण की जांच में सोमवार को पाया गया कि अधिकारियों और लोक स्वास्थ्य सेवा ने जानकारी रहने के बावजूद हजारों मरीजों को संदूषित रक्त के जरिये जानलेवा संक्रमण कराया। माना जाता है कि ब्रिटेन में, 1970 के दशक से लेकर 1990 के दशक के शुरुआती वर्षों तक एचआईवी या हेपटाइटिस से संक्रमित रक्त आधान करने से करीब 3,000 लोगों की मौत हुई। इस प्रकरण को 1948 से ब्रिटेन की सरकार संचालित राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) के इतिहास में सबसे घातक आपदा माना जाता है। सुनक ने पीड़ितों और उनके परिवारों को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे यह समझना लगभग असंभव लगता है कि यह कैसा महसूस हुआ होगा... मैं दिल से और स्पष्ट रूप से माफी मांगना चाहता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि मौजूदा और 1970 के दशक की हर सरकार की ओर से, मुझे वास्तव में खेद है। उन्होंने सभी पीड़ितों को मुआवजा देने की पुष्टि की। पूर्व न्यायाधीश लैंगस्टाफ ने आपदा को टालने में नाकाम रहने के लिए तत्कालीन सरकारों और चिकित्सा पेशेवरों की आलोचना की है। उन्होंने पाया कि आपदा को छिपाने के लिए जानबूझकर प्रयास किए गए और सरकारी अधिकारियों द्वारा सबूत नष्ट करने के साक्ष्य हैं। लैंगस्टाफ ने कहा कि यह आपदा एक दुर्घटना नहीं थी। संक्रमण इसलिए हुए कि प्राधिकार-चिकित्सक, रक्त सेवा प्रदाता और तत्कालीन सरकारों ने मरीजों की सुरक्षा को प्राथमिकता नहीं दी। प्रभावित हुए ज्यादातर लोग *हेमोफिलिया* से ग्रसित थे। इसके चलते रक्त में थक्का बनना कम हो जाता है। 1970 के दशक में मरीजों को नया उपचार दिया गया जिसे ब्रिटेन ने अमेरिका से अपनाया था। कुछ प्लाज्मा, कैदियों सहित ऐसे लोगों का था जिन्हें रक्त के एवज में भुगतान किया गया था। जांच रिपोर्ट के अनुसार, करीब 1,250 लोग रक्स्राव की समस्याओं से ग्रसित थे जिनमें 380 बच्चे थे। ये लोग एचआईवी वाले रक्त आधान करने से संक्रमित हुए थे। उनमें से तीन-चौथाई की मौत हो गई, जबकि 5,000 लोग *हेपटाइटिस सी* से ग्रसित हो गए जो एक प्रकार का यकृत संक्रमण है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस बीच, रक्त आधान करने पर करीब 26,800 अन्य लोग भी हेपटाइटिस सी से संक्रमित हुए।

थानेश्वर बोड़ो के घर पहुंचे मंत्री केशव महंत

कामरूप (हिंस)। असम सरकार के स्वास्थ्य मंत्री मंगलवार को रंगिया के गरका स्थित दिवंगत पूर्व मंत्री थानेश्वर बोड़ो के घर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने दिवंगत मंत्री की इकलौती बेटी और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। असम गण परिषद (अगप) पूर्व मंत्री के निधन के मद्देनजर सार्वजनिक श्रद्धांजलि के साथ एक स्मारक सभा भी आयोजित करेगी। स्वास्थ्य मंत्री केशव महंत ने रंगिया अगप कार्यालय पहुंचकर कार्यकर्ताओं से चर्चा की। इस दौरान कमलपुर निर्वाचन क्षेत्र से पूर्व अगप विधायक सत्यब्रत कलिता भी मौजूद रहे। यह स्मृति सभा 30 मई को रंगिया के प्रगति संघ के बाकरी में होगी। मंत्री केशव महंत ने कहा कि दिवंगत मंत्री की स्मृति को यादगार बनाने के लिए अगप इस बारे में सोचेगी।

ढेकियाजुली में गांजा और हेरोइन के साथ चार गिरफ्तार

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिले के ढेकियाजुली में भारी मात्रा में गांजा और हेरोइन जब्त किया गया। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि ढेकियाजुली थाना अंतर्गत राक्षसमारी में 20 किलो 600 ग्राम गांजा पकड़ा गया। दो स्कूटर सवारों विक्की दास और अब्दुल मलिक का पीछा करके उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। वे राक्षसामारी-चपाई रोड पर पुलिस की नाका चेकिंग से बचकर भागने की कोशिश रहे थे। स्कूटर की तलाशी के दौरान पुलिस ने 20 किलो 600 ग्राम गांजा बरामद किया। वहीं दूसरी ओर, पुलिस ने ढेकियाजुली के केहेरूखंदा में मोहम्मद रफीक अली और रुस्तम अली के पास से 59 कंटेनरों में रखे गए 84 ग्राम हेरोइन जब्त किए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सीमेंट लदे ट्रक से तस्करी कर लाई जा रही अवैध अंग्रेजी शराब जब्त

गोलाघाट (हिंस)। शराब तस्कर आए दिन नए-नए तरीके अपनाकर अपने काम को अंजाम दे रहे हैं। इसी कड़ी में सीमेंट लेकर जा रहे ट्रक से अवैध तरीके से अंग्रेजी शराब की तस्करी का मामला सामने आया है। शराब को पड़ोसी राज्य अरुणाचल प्रदेश की राजधानी इटानगर से नगालैंड की व्यावसायिक राजधानी डिमापुर तक तस्करी करने की कोशिश करते समय गोलाघाट जिला के बोकाखात थानांतर्गत नुमलीगढ़ में पकड़ा गया। आबकारी विभाग के सूत्रों ने आज बताया है कि अरुणाचल प्रदेश में निर्मित एवं बिक्री के लिए जारी शराब की अवैध तरीके से तस्करी कर रहे एक ट्रक को नुमलीगढ़ में एक चेकपॉइंट पर पकड़ा गया। शराब को सीमेंट लेकर जा रहे ट्रक के अंदर बड़े ही शातिराना तरीके से ले जाया जा रहा था। आबकारी विभाग ने गुप्त सूचना के आधार पर एक ट्रक (एनएल-01ए-5393) की तलाशी ली। शराब को सीमेंट की बोरियों के बीच छुपाकर अरुणाचल प्रदेश से अवैध तरीके से तस्करी की जा रही थी। सूत्रों ने बताया है कि ट्रक की नुमलीगढ़ में चेकपॉइंट पर तलाशी ली गयी, सीमेंट की बोरियों के बीच से शराब के कार्टून को बरामद किया गया। फिलहाल आबकारी विभाग ने शराब को जब्त करने के साथ ही ट्रक एवं ड्राइवर को अपनी कस्टडी में लेकर जांच शुरू कर दिया है।

बिजली की चपेट में आने से एक की मौत

नलबाड़ी (हिंस)। नलबाड़ी जिले के मुकालमुआ के बामुंदीटारी इलाके में बिजली की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार आज परेश सोनारी (35) नामक व्यक्ति अपने घर की छत पर टीन लगाने के लिए चढ़ा हुआ था। टीन घर के ऊपर से गुजरने वाली बिजली के तार से जा लगी। जिसकी वजह से परेश सोनारी की मौके पर ही मौत हो गयी। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची मुकालमुआ पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नलबाड़ी भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

नेतन्याहू के साथ इजराइल और हमास नेताओं के गिरफ्तारी वारंट जारी किया जाए : आईसीसी

हेग (हि.स.)। इजराइल पर हमास के हमले के बाद जवाबी कार्रवाई में हजारों लोगों की मौत और नरसंहार मामले में अंतर्राष्ट्रीय अपराध अदालत (आईसीसी) ने बड़ा कदम उठाते हुए प्रधानमंत्री नेतन्याहू समेत इजराइली और हमास नेताओं के खिलाफ मानवता के खिलाफ अपराध करने पर गिरफ्तारी वारंट जारी करने को कहा है। यह मांग आईसीसी के मुख्य अभियोजक करीम खान ने सोमवार को पिछले सात महीने के युद्ध के दौरान इन नेताओं के कृत्यों के संबंध में गिरफ्तारी वारंट का अनुरोध किया है। करीम खान ने कहा कि उनका मानना है कि नेतन्याहू, उनके रक्षा मंत्री योव गैलेंट और हमास के तीन नेताङ्क्येह्या सिनवार, मोहम्मद दीफ और इस्माइल हनियेह-गाजा पट्टी एवं इजराइल में युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए जिम्मेदार हैं। खान ने इजराइली कार्रवाइयों के बारे में एक बयान में कहा कि गाजा की नागरिक आबादी के खिलाफ अन्य हमलों और सामूहिक दंड के साथ ही युद्ध की एकविधि के रूप में भुखमरी का इस्तेमाल करने का असर साफ तौर पर नजर आता है। उन्होंने कहा कि इनमें कुपोषण, निर्जलीकरण, गहन पीड़ा और शिशुओं, अन्य बच्चों और महिलाओं सहित फलस्तीनी आबादी में हुई मौतें भी शामिल हैं।

करीमगंज में करंट लगने से व्यक्ति की मौत

करीमगंज (हिंस)। करीमगंज में करंट लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। उधर, इस घटना में पति को बचाने के प्रयास में गंभीर रूप से घायल हुई पत्नी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह दर्दनाक हादसा आज करीमगंज जिले के सरगोला क्षेत्र के बरकतपुर गांव में हुआ। जानकारी के अनुसार विजय राय अपने घर में मोबाइल फोन को चार्ज में लगाया था। लेकिन, चार्जर के लीकेज रहने की वजह से बिजली के तार से वह सट गया। जिसे देखकर पति को बचाने की कोशिश में उनकी पत्नी टीना राय भी घायल हो गईं। इसी दौरान विजय राय की मौके पर ही मौत हो गई। फिलहाल टीना रॉय का करीमगंज अस्पताल में ईलाज चल रहा है। घटना को लेकर पूरे गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है।

पृष्ठ एक का शेष

केंद्र में पहली...

नहीं आई। प्रधानमंत्री ने कहा कि 60 वर्षों तक कांग्रेस और सपा की सरकारों ने महिलाओं की उपेक्षा की। महिला आरक्षण का विरोध किया। इंडी गंठबंधन पूरा महिला विरोधी है। उत्तर प्रदेश में पहले जंगल राज था। बहन-बेटियों का घर से निकलना मुश्किल था। मोदी ने कहा कि जब सपा की सरकार आती है तो महिलाओं का जीना दूभर हो जाता है। बेटियों को सुरक्षा के डर से पढ़ाई छोड़कर घर पर बैठना पड़ता था। सपा वाले बेशर्मी से कहते थे लड़के हैं लड़कों से गलती हो जाती है। आज सपा के लड़के गलती करके दिखाएं, योगी सरकार उनका वो हाल करेगी जो उन्होंने सोचा भी नहीं होगा। हर-हर महादेव, नमो नमो, जय श्री राम के उद्घोष के बीच महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी ई-कार्ट पर खड़े होकर महिला कार्यकर्ताओं की दीर्घा से होते हुए मंच पर पहुंचे। कार्ट पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी सवार रहे। भाजपा महिला मोर्चा की लोकसभा प्रभारी अर्चना मिश्रा, मीना चौबे, भाजपा महिला मोर्चा की क्षेत्रीय अध्यक्ष नम्रता चौरसिया, महानगर अध्यक्ष कुसुम सिंह पटेल, जिलाध्यक्ष विनीता सिंह, निर्मला सिंह पटेल के अगुवाई में महिलाओं ने प्रधानमंत्री पर गुलाब की पंखुड़ियों की बारिश की।

देश में सामने ...

से नमूने भी लिए जाते हैं। भारतीय सार्स-कोव-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम (इनसाकोग) द्वारा संकलित आंकड़ों से पता चला है कि केपी.1 के 34 मामले सात राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पाए गए हैं, जिनमें से 23 मामले पश्चिम बंगाल से दर्ज किए गए हैं। जबकि अन्य राज्यों में – गोवा (1), गुजरात (2), हरियाणा (1), महाराष्ट्र (4) राजस्थान (2) और उत्तराखंड (1), मामले सामने आए हैं। आंकड़ों के मुताबिक, केपी.2 के 290 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें सबसे ज्यादा 148 मामले महाराष्ट्र में दर्ज किए गए हैं। अन्य राज्य और केंद्र शासित प्रदेश हैं दिल्ली (1), गोवा (12), गुजरात (23), हरियाणा (3), कर्नाटक (4), मध्य प्रदेश (1), ओडिशा (17), राजस्थान (21), उत्तर प्रदेश (8), उत्तराखंड (16) और पश्चिम बंगाल (36)। सिंगापुर में एक नई कोविड-19 लहर देखी जा रही है। यहां 5 से 11 मई तक 25,900 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं, जिसमें केपी.1 और केपी.2 सिंगापुर में दो-तिहाई से अधिक मामले हैं। विश्व स्तर पर, प्रमुख कोविड-19 वैरिएंट अभी भी जेएन.1 और इसके सब-टाइप हैं, जिनमें केपी.1 और केपी.2 शामिल हैं। केपी.1 और केपी.2 कोविड-19 वेरिएंट के एक समूह से संबंधित हैं। वैज्ञानिकों ने उनके उत्परिवर्तन के तकनीकी नामों के आधार पर, *एफएलआईआरटी* उपनाम दिया है। एफएलआईआरटी में सभी स्ट्रेन जेएन.1 वैरिएंट के वंशज हैं, जो ओमिक्रॉन वैरिएंट की एक शाखा है। केपी.2 को विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निगरानीधीन वैरिएंट के रूप में वर्गीकृत किया गया था।

मिथुन चक्रवर्ती के ...

पार्टियों के समर्थकों के बीच गाली-गलौज और नोकझोंक हो गई। देखते ही देखते तृणमूल समर्थकों ने भाजपा के जुलूस पर बोतलें फेंकनी शुरू कर दीं। माहौल को देखते हुए मिथुन चक्रवर्ती के रोड शो को रोक दिया गया। स्थिति संभालने के लिए पुलिस ने दोनों पक्षों को हटाया। उल्लेखनीय है कि अगले शनिवार को मेदिनीपुर केंद्र पर लोकसभा चुनाव के छठे चरण में मतदान होना है। विधायक जून मालिया मेदिनीपुर लोकसभा सीट से तृणमूल प्रत्याशी हैं। वहीं, भाजपा ने यहां विधायक अग्निमित्रा पाल को मैदान में उतारा है। दोनों कलाकार हैं और दोनों विधायक हैं।

कांग्रेस भूल गई ...

मुख्यमंत्री को संविधान का एक पॉकेटबुक संस्करण भी भेजा ताकि वे इसे पढ़ें और इसे हमेशा अपने हैंडबैग में रखें। डॉ. शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के साथ जवाब दिया। उन्होंने कहा कि धन्यवाद, मिस्टर खेरा। हालांकि, क्या आप कृपया मुझे भारतीय संविधान की एक मूल प्रति भेज सकते हैं, जिसमें शांतिनिकेतन के नंदलाल बोस और उनकी टीम द्वारा बनाई गई कलाकृति शामिल है, जो हमारी समृद्ध विरासत और सांस्कृतिक विरासत को दर्शाती है? मैंने सुना है कि कांग्रेस संविधान की मूल प्रति को पहले ही भूल चुकी है और लाल पॉकेटबुक संस्करण में अधिक रुचि रखती है।

राज्य सरकार ने ...

से विस्थापित हुए थे, उन्हें ढॉलपुर से लगभग 40 किलोमीटर दूर दलगांव में भूमि के एक निर्दिष्ट हिस्से में स्थानांतरित करने के लिए कहा गया था। अधिकारी ने सोमवार की बेदखली को कथित तौर पर अतिक्रमण की गई सरकारी जमीन को खाली करने के लिए *आवधिक* बेदखली अभियान का हिस्सा बताया। खबरों के अनुसार, यह जमीन गोरुखुटी कृषि परियोजना के लिए निर्धारित की गई है। इसमें सिपाझार राजस्व मंडल अधिकारी रीतिमणि दास के हवाले से कहा गया है कि 620 परिवारों को दलगांव में स्थानांतरित होने के लिए कहा गया था, लेकिन वे आदेशों के बावजूद स्थानांतरित नहीं हुए। सोमवार को 397 परिवारों के घर तोड़ दिए गए। 36 वर्षीय ड्राइवर वहाब अली ने सोमवार को 2021 के बाद दूसरी बार अपना घर खो दिया। उन्होंने स्क्रॉल को बताया कि टिन की छत के नीचे उनका घर, एक अर्थ-मूविंग मशीन द्वारा ढहा दिया गया था। अली ने कहा कि कल मेरे भाइयों के पांच घर भी ध्वस्त कर दिए गए। हमने उनके पुराने घर के ध्वस्त टिन और बांस के अवशेषों से इन अस्थायी अस्थायी आश्रयों का निर्माण किया। हमने कल रात पूरी रात खुले आसमान के नीचे बिताई। अली ने यह भी दावा किया कि उन्हें पर्याप्त पूर्व सूचना नहीं दी गई थी। उन्होंने कहा कि उन्होंने (जिला अधिकारियों ने) हमें शनिवार को सूचित किया और सोमवार को बुलडोजर लेकर आए। जिला अधिकारियों ने निवासियों को आधे घंटे के भीतर खुद को नष्ट करने और जमीन खाली करने की धमकी दी। जिन लोगों ने जिला अधिकारियों के निर्देशों का पालन नहीं किया, उन पर जेसीबी [बुलडोजर] से बुलडोजर चला दिया गया।

मणिपुर : भूमि संसाधन...

और मणिपुर प्राचीन ऐतिहासिक स्मारक और पुरातत्व स्थल और अवशेष अधिनियम 1976 का उल्लंघन है। थांगजिंग ऐतिहासिक महत्व की पहाड़ी है। कला एवं संस्कृति विभाग चूड़चंद्रपुर खौपम संरक्षित वन के अधीन आने वाले इस स्थल को प्रासंगिक अधिनियमों के अधीन संरक्षित स्थल घोषित कर रखा है। शिकायत में आपराधिक साजिश, धार्मिक मान्यताओं का अपमान कर धार्मिक भावनाओं को तोड़ दो विभिन्न समूहों में दुश्मनी बढ़ाने का भी आरोप लगाया गया है। यह मामला चूड़चंद्रपुर के खौपम थाने में स्थानांतरित कर दिया गया है।

रामकृष्ण मिशन में ...

की गई और आश्रम से निकाल दिया गया। इतना ही नहीं, पांच भिक्षुओं और सुरक्षा गार्डों को भी कथित तौर पर किडनैप किया गया और न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन से सटे इलाके में छोड़ दिया गया। घटना का खुलासा सोमवार को हुआ। रामकृष्ण मिशन की ओर से सोमवार शाम पांच बजे भक्तिनगर थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी गई। मुख्य आरोपितों की सूची में प्रदीप रॉय नाम के शख्स का नाम है। वह सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है और स्थानीय हलकों में भू माफिया के तौर पर कुख्यात है। मिशन द्वारा शिकायत दर्ज करने के ठीक एक घंटे बाद, प्रदीप रॉय ने उसी भक्तिनगर थाने में जवाबी शिकायत दर्ज कराई। सवाल उठता है कि मिशन में हमले के मुख्य आरोपित प्रदीप राय को थाने जाने के बाद भी गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया? इस बीच एक और सनसनीखेज बात पता चली है। पुलिस ने मिशन की ओर से दर्ज करायी गई प्राथमिकी के तहत प्रदीप रॉय के खिलाफ कमजोर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। इसके विपरीत, प्रदीप रॉय की शिकायत के आधार पर रामकृष्ण मिशन सन्यासियों के खिलाफ गैर-जमानती मामला दर्ज किया गया है। प्रदीप राय ने आरोप लगाया कि मिशन डेढ़ एकड़ जमीन हड़पने की कोशिश कर रहा है। दूसरी और मिशन का दावा है कि उक्त जमीन उन्हें जलपाईगुड़ी निवासी सुनील कुमार राय नामक व्यक्ति ने दान में दी थी। आरोपित प्रदीप रॉय के खिलाफ धारा 457 जमानती 427 (जमानती), 325 (जमानती) 379 गैर जमानती, 506 (जमानती) धारा लगी है। हमलावर बंदूक लेकर गए थे लेकिन आर्म्स एक्ट नहीं लगाया गया है। आसानी से जमानत या अग्रिम जमानत हो सकती है। प्रदीप की शिकायत के आधार पर मिशन के सन्यासियों के खिलाफ धारा 447 (जमानती), 188 (जमानती), 506 (जमानती), 3(1)(जी)(आर)(एस) गैर जमानती धारा लगी है। यह बहुत ही कठिन धारा है, जिसमें जिसकी जांच डीएसपी रैंक के अधिकारी द्वारा की जाती है। इसमें सजा छह महीने से पांच साल तक है। इस धारा के तहत कोई अग्रिम जमानत नहीं मीलेगी परिणामस्वरूप आरोपित मिशन सन्यासियों को जमानत नहीं मिलेगी।

भूकंप के 150 ...

इटली के आईएनजीवी नेशनल जियोफिजिक्स के ज्वालामुखीविज्ञानी ग्यूसेप डी नताले ने कहा कि यह भूकंप फिलेग्रेन फील्ड्स के आसपास दर्ज इतिहास में सबसे शक्तिशाली था, जो टायरानियन सागर के पास प्राचीन ज्वालामुखी केंद्रों का एक विशाल क्षेत्र है, जो नेपल्स और उसके उपनगरों के पश्चिमी इलाकों को कवर करता है। पॉज्जुओली उपनगर में एक महिला जेल से लगभग 140 कैदियों को बाहर निकाला गया, जबकि अधिकारी क्षति की जांच कर रहे हैं। आरएआई स्टेट टीवी ने बताया कि संरचनात्मक जांच के लिए एक दर्जन अपार्टमेंट इमारतों को भी खाली करा लिया गया, जिससे लगभग 40 परिवार विस्थापित हो गए। रात भर में करीब 150 छोटे झटकों ने आबादी को खतरे में डाल दिया। कम से कम 500 लोग नागरिक सुरक्षा एजेंसी द्वारा बनाए गए तंबू शहरों में सोए, जबकि अन्य कारों में रहे। लोगों द्वारा क्षेत्र से भागने की कोशिश के कारण बड़े यातायात जाम की सूचना मिली। बता दें कि फ्लेग्रेअन फील्ड के आसपास का क्षेत्र भूकंपीय और ज्वालामुखीय दोनों रूप से सक्रिय है। 2006 के बाद से सतह को 1.3 मीटर (4.3 फीट) ऊपर धकेल दिया गया है, जो 1984 में पिछली बड़ी घटना से पहले की तुलना में अधिक है, लेकिन डी नटले ने इस बात पर जोर दिया कि यह भविष्यवाणी करना असंभव है कि विस्फोट या मजबूत भूकंप कब आ सकता है।

यह चुनाव संविधान...

दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ऊंचे पद पर बैठकर कहते है कि आपकी संपत्ति कांग्रेस बेच देगी और दूसरों को दे देगी। मोदी झूठों के सरदार हैं। अब यह चुनाव मोदी और जनता के बीच में है। हम जनता की मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी ने हर साल दो करोड़ नौकरियां देने का वादा झूठा किया। उन्होंने कहा कि हम किसानों को एमएसपी के कानून की गारंटी देते हैं। उन्होंने कहा कि अग्निपथ योजना पर गलत फैसला लेकर मोदी सरकार ने युवाओं के भविष्य के साथ धोखा किया है। उन्होंने कहा कि हमारे घोषणा पत्र में गरीब, दलित, आदिवासी और अन्य सभी वर्ग के लिए लाभकारी घोषणाएं की हैं। मोदी हमारे घोषणा पत्र को मुस्लिम लीग का बताते हैं। उन्होंने कहा कि आरक्षण और संविधान बचाने की लड़ाई में आप और हम सभी मिलकर लड़ रहें है, इसे बचा कर रहेंगे। जनसभा में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा और प्रदेशाध्यक्ष उदयभान ने भी कांग्रेस के घोषणा पत्र की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने अंबाला और कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्रों से पार्टी के उम्मीदवारों के लिए वोट करने की अपील की। इस मौके पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य नासिर हुसैन, कांग्रेस महिला अध्यक्ष अलका लांबा भी पहुंचे। बड़ी संख्या में पूर्व मंत्री, विधायक, नेता और कार्यकर्ता भी शामिल रहें।

तस्करी के शिकार ...

आयुक्त ए रविशंकर ने कहा कि तस्करी करके लाए गए इन भारतीयों ने कंबोडिया के जिनबेई और कंपाउंड, सिहानोकविले में बड़े पैमाने पर दंगे कराए, जो कथित तौर पर साइबर अपराध का केंद्र है। शंकर ने एक विज्ञप्ति में कहा कि कई लोगों ने विशाखा सिटी पुलिस के व्हाट्सएप नंबरों पर फोन किया और वीडियो भेजे। कल (सोमवार) लगभग 300 भारतीयों ने कंबोडिया में अपने आकाओं के खिलाफ बड़े पैमाने पर विद्रोह किया। वहीं, 18 मई को, विजाग पुलिस ने चुक्का राजेश, एस कोंडाला राव और एम ज्ञानेश्वर राव को मानव तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया था, जो भारत के युवाओं को सिंगापुर में डेटा एंट्री नौकरियों के लिए लुभाते थे, लेकिन वास्तव में साइबर अपराध को अंजाम देने के लिए उन्हें कंबोडिया में भेज देते थे।

ईसी के खिलाफ ...

कोई व्यवस्था नहीं की थी। पार्टी का कहना है कि उन्होंने पुलिस कर्मियों के मतदान के लिए गौहाटी हाई कोर्ट की एजल पीठ में जनहित याचिका दायर की है, ताकि मतगणना से पहले पुलिस कर्मियों को मतदान करने को मिले। अधिकारियों ने बताया कि इन पुलिस कर्मियों को सुविधा केंद्रों में अपने मताधिकार का प्रयोग करना था, लेकिन राज्य से उनकी रवानगी से पहले ऐसी व्यवस्था नहीं हो पाई थी। चूंकि तब तक क्षेत्र के प्रत्याशी ही तय नहीं हुए थे। लिहाजा उन्होंने चुनाव आयोग से दो बार अपील की थी, जिसे उसने ठुकरा दिया है।

दुनिया में बढ़ते तापमान...

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय मतदान एजेंसी सेंटर फॉर वोटिंग ओपिनियन एंड ट्रेंड्स इन इलेक्शन रिसर्च, जिसे सी वोटर भी कहा जाता है ने मिलकर की है। रिपोर्ट का मकसद ये जानना था कि जलवायु परिवर्तन को लेकर लोगों के बीच कितनी जागरूकता है, कितने लोगों इस पर नीति का समर्थन करते हैं। सर्वे में शामिल 59 प्रतिशत लोगों ने इस मुद्दे को *बहुत चिंतित* कैटेगरी में डाला है। यह गर्म होती धरती की वजह से समस्याएं झेल रहे लोगों के बीच तत्काल कदम उठाने की भावना की तरफ इशारा करता है। भारत में बहुत से लोग (52 प्रतिशत) इससे इत्तेफाक रखते हैं कि ग्लोबल वार्मिंग बढ़ने की मुख्य वजह मानवीय गतिविधियां ही हैं। जबकि 38 प्रतिशत का मानना है कि यह मुख्य रूप से प्राकृतिक पर्यावरणीय परिवर्तनों के कारण होता है। 1 फीसदी ही लोगों ने माना कि इसका कोई और कारण हो सकता है और 2 प्रतिशत को पता नहीं था। लगभग 53 प्रतिशत भारतीयों का मानना है कि वे पहले से ही ग्लोबल वार्मिंग से प्रभावित हो रहे हैं। लगभग एक-तिहाई भारतीयों (34 प्रतिशत) को मौसम संबंधी आपदाओं जैसे अत्यधिक गर्मी, सूखा, समुद्र-स्तर में बढोतरी, बाढ़ की वजह से पहले ही विस्थापित हो चुके हैं या ऐसा करने पर विचार कर रहे हैं। 60 प्रतिशत लोगों का मानना है कि इससे कई और गंभीर हीटवेव चलेंगी, 57 फीसदी का कहना है कि पौधों और जानवरों की प्रजातियों के विलुप्त होने का भी खतरा भी बढ़ेगा। सूखा और पानी की कमी होगी। गंभीर चक्रवात, अकाल और भोजन की कमी भी बड़े स्तर पर होगी। उनके यह भी मत है कि कहीं न कहीं यह बदलाव उनके रोजगार और जेब पर चोट कर रहे हैं। यही वजह है कि 74 फीसदी लोग इस बात से सहमत दिखे कि ग्लोबल वार्मिंग को सीमित करने से आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। 78 प्रतिशत भारतीयों के अनुसार, भारत सरकार को ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के लिए और अधिक प्रयास करना चाहिए। केवल 10 प्रतिशत का मानना है कि सरकार ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के लिए पर्याप्त प्रयास कर रही है, जबकि 9 प्रतिशत का मानना है कि सरकार को इस मुद्दे के समाधान के लिए *कम* या *बहुत कम* प्रयास करना चाहिए।

ईरान पहुंचा राष्ट्रपति...

आगमन की प्रत्याशा में पारंपरिक ईरानी संगीत और प्रार्थनाएं गाई गईं। सर्वोच्च नेता ने *ईरान के प्रिय लोगों के प्रति अपनी संवेदनाएं* व्यक्त कीं और आदेश दिया कि राष्ट्रपति रईसी के सम्मान में बुधवार को सभी व्यवसाय बंद रहेंगे। संस्कार में उच्च पदस्थ आईआरजीसी कमांडर भी शामिल हुए। इस बीच ईरानी स्टूडेंट्स न्यूज एजेंसी ने ईरानी उपराष्ट्रपति के हवाले से जानकारी दी कि ईरान के उपराष्ट्रपति मोहसिन मंसूरी ने कहा है कि राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के पार्थिव शरीर को गुरुवार को पूर्वोत्तर शहर मशहद में दफनाया जाएगा। श्री मंसूरी ने कहा कि शोक समारोहों में भाग लेने के लिए विभिन्न प्रांतों में लोगों द्वारा लगातार अनुरोधों को ध्यान में रखते हुए, ईरानी शिक्षा मंत्रालय ने मंगलवार से शुक्रवार तक सभी छात्रों की परीक्षाओं को रद्द कर दिया है। ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामनेई ने सोमवार को इस घटना पर पांच दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की। राष्ट्रपति रायसी अजरबैजान गणराज्य के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव के साथ एक बांध का उद्घाटन करने के लिए रविवार सुबह पूर्वी अजरबैजान प्रांत की यात्रा पर थे। यह दुर्घटना उस समय हुई जब राष्ट्रपति रायसी वापस लौट रहे थे और घना कोहरा छाये रहने से हेलिकॉप्टर की हार्ड लैंडिंग हुई। रईसी के हेलीकॉप्टर में सवार सभी सदस्यों की मौत हो गई।

कोलकाता आकर लापता...

को बांग्लादेश उच्चायोग की ओर से बताया गया है कि बांग्लादेश की सत्तारूढ़ अवामी लीग के सदस्य अनार, बारानगर में एक दोस्त के घर पर रह रहे थे। 13 मई को वह किसी से मिलने के लिए निकले जिसके बाद से लापता हैं। कोलकाता में बांग्लादेश उप उच्चायोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि वह इलाज के लिए 12 मई को कोलकाता आए थे और शहर के उत्तरी इलाके बारानगर में अपने दोस्त के घर पर रह रहे थे। 13 मई को, वह किसी से मिलने गया लेकिन वापस नहीं लौटा। उसके दोस्त ने बाद में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। अधिकारी ने कहा कि हालांकि अनार पिछले आठ दिनों से लापता हैं, लेकिन उसके फोन से परिवार के सदस्यों को संदेश भेजे गए थे कि वह नई दिल्ली के लिए रवाना हो गया है। उन्होंने कहा कि उसका कोई पता नहीं है। हम पुलिस और अधिकारियों के संपर्क में हैं।

सिसोदिया का आचरण...

ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि सिसोदिया का आचरण लोकतांत्रिक सिद्धांतों के साथ बड़ा विश्वासघात है। अदालत ने कहा कि यह मामला मनीष सिसोदिया द्वारा सत्ता के गंभीर दुरुपयोग और विश्वास के उल्लंघन को दर्शाता है। यह भी कहा कि मामले में एकत्र की गई सामग्री से पता चलता है कि सिसोदिया ने अपने लक्ष्य के अनुरूप सार्वजनिक फीडबैक तैयार करके उत्पाद शुल्क नीति बनाने की प्रक्रिया को विकृत कर दिया। अदालत ने कहा कि सिसोदिया ने नीति निर्माण में हेरफेर करने की कोशिश की और उनके द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट को नकार दिया। अदालत ने पाया कि सीबीआई मामले में जमानत के लिए सिसोदिया ट्रिपल टेस्ट पास नहीं कर सके, क्योंकि वह अपने द्वारा इस्तेमाल किए गए दो फोन पेश करने में विफल रहे हैं। ऐसा दावा किया गया है कि वे क्षतिग्रस्त हो गए थे। कोर्ट ने कहा कि सिसोदिया द्वारा सुबूतों के साथ छेड़छाड़ की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। निर्णय सुनाते हुए न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने कहा कि सिसोदिया एक प्रभावशाली व्यक्ति हैं और उपमुख्यमंत्री रहने के दौरान उनके पास 18 मंत्रालयों की जिम्मेदारी थी। इस मामले में कई गवाह लोक सेवक हैं और उन्होंने आवेदक के खिलाफ बयान दिए हैं। ऐसे में गवाहों को प्रभावित करने की कोशिश की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। वहीं, अदालत ने सिसोदिया को हर हफ्ते अपनी पत्नी से मिलने की अनुमति के मामले पर राहत दी और कहा कि ट्रायल कोर्ट का उन्हें ऐसा करने की अनुमति देने वाला आदेश जारी रहेगा। सीबीआई व ईडी के साथ ही सिसोदिया की लंबी जिरह सुनने के बाद अदालत ने 14 मई को निर्णय सुरक्षित रख लिया था। एक तरफ जहां ईडी ने यह कहते हुए याचिका का विरोध किया था कि आने वाले दिनों में मामले में आम आदमी पार्टी (आप) व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आरोपित बनाया जाएगा। इसके बाद ईडी ने हाल ही में निचली अदालत में आरोप पत्र दाखिल कर आप व केजरीवाल को आरोपित भी बनाया है।

बराक घाटी में ही सीयूईटी परीक्षा केंद्र बनाने की मांग की : अभाविप

गुवाहाटी (हिंस)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की असम प्रदेश इकाई ने मंगलवार को राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के निदेशक को एक ईमेल कर मांग की है कि असम की बराक घाटी के छात्रों का बराक में ही पर्याप्त संख्या में सामान्य विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) परीक्षा केंद्रों की व्यवस्था की जाए। असम की बराक घाटी में तीन जिले कछार, करीमगंज और हैलाकांदी आते हैं। इन जिलों के सभी कॉलेज सिलचर (कछार) में स्थित असम विश्वविद्यालय का हिस्सा हैं, जो एक केंद्रीय विश्वविद्यालय है। वर्तमान में असम विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी कॉलेजों में प्रवेश के लिए सीयूईटी परीक्षा अनिवार्य कर दी गई है, लेकिन जिस क्षेत्र में बड़ी संख्या में कॉलेज हैं, वहां सिलचर में सीयूईटी परीक्षा के लिए केवल एक ही परीक्षा केंद्र है। इसके अलावा अगरतला (त्रिपुरा), मेघालय और गुवाहाटी में बंगाली और ईवीएस के परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। अभाविप ने अपने पत्र में कहा है कि सीयूईटी परीक्षा के लिए छात्रों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। अभाविप ने राष्ट्रीय परीक्षण

एजेंसी के निदेशक को पत्र भेजकर बराक घाटी में पर्याप्त परीक्षा केंद्र की व्यवस्था करने और सिलचर में बंगाली और ईवीएस से संबंधित परीक्षाएं आयोजित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए मांग की गई है। अभाविप के प्रांत मंत्री हेरोल्ड मोहन ने कहा कि बराक घाटी में पर्याप्त परीक्षा केंद्र न होने के कारण इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में छात्रों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, विशेष रूप से आर्थिक रूप से पिछड़े छात्रों को दूसरे क्षेत्रों में परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। अभाविप ने इस संबंध में अधिकारी से मांग की है कि बराक घाटी में पर्याप्त परीक्षा केंद्र स्थापित करें जिससे छात्रों के लिए सुविधाजनक रहे।

हजारों लीटर देसी शराब को आबकारी विभाग और पुलिस ने किया नष्ट

शिवसागर (हिंस)। शिवसागर जिले के गौरीसागर इलाके में आमगुड़ी और इसके आस-पास में पुलिस और आबकारी विभाग ने संयुक्त रूप से अभियान चला कर भारी मात्रा में देसी शराब को नष्ट किया। आबकारी विभाग ने मंगलवार को बताया कि आमगुड़ी के उत्तर घरफलिया, न आली चुक, डिफू आदि इलाके में पुलिस की मदद से चलाए गए अभियान के दौरान हजारों लीटर देसी शराब को जब्त कर नष्ट किया गया। आबकारी विभाग ने बताया कि यह अभियान आने वाले समय में भी जारी रहेगा। ज्ञात हो कि शिवसागर जिले के आमगुड़ी इलाके में शराब के नशे में धूत बेटे द्वारा अपनी मां की हत्या किए जाने के बाद इलाके के लोगों ने अवैध शराब भट्ठियों के खिलाफ अभियान चलाने का आबकारी विभाग से अनुरोध किया था। इसके बाद इलाके में पुलिस की मदद से आबकारी विभाग ने अभियान चलाया।

आएनाखाल चाय बागान में मनाई गई *मुलुक चलो* आंदोलन की 103वीं वर्षगांठ

हैलाकांदी (हिंस)। बराक घाटी के आएनाखाल चाय बागान में *मुलुक चलो* आंदोलन की मंगलवार को 103वीं वर्षगांठ मनाई गई। वरिष्ठ समाजसेवी घनश्याम पांडेय की अध्यक्षता में आएनाखाल नृत्य घर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दीप प्रज्ज्वलन और प्रतीक चिह्न पर पुष्प अर्पित कर मंचासीन अतिथियों और अन्य लोगों ने वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। शहीदों की आत्मा की शांति के लिए एक मिनट मौन भी रखा गया। इस मौके पर वरिष्ठ समाजसेवी रूपनारायण राय ने आंदोलन के बारे में लोगों को जानकारी दी। कार्यक्रम आयोजक मंडल के सदस्य राजेंद्र पांडेय एवं राजकुमार भर ने शहीदों को अपने वक्तव्य से श्रद्धांजलि दी। वरिष्ठ पत्रकार और समाजसेवी दिलीप कुमार ने कहा कि अंग्रेजों ने बांग्लादेश के चांदपुर में चरगोला वैली के निहत्थे श्रमिकों, बच्चों, औरतों को घेरकर अंधाधुंध गोलीबारी की,

पद्मा नदी का पानी निर्दोष लोगों के खून से लाल हो गया। जलियांवाला बाग कांड से भी भयंकर कांड हुआ। 21 मई, 1921 को घटित मुलुक चलो आंदोलन को इतिहासकारों ने जलियांवाला बाग कांड के समान घटना बताया है। उन्होंने कहा कि भावी पीढ़ी को इस घटना के बारे में जागरूक करने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्थानीय शिक्षाविद भारत भूषण चौहान ने मुलुक चलो आंदोलन के शहीदों को स्मरण किया। सभाध्यक्ष घनश्याम पांडेय ने कहा कि शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले के कथन के तहत जन जागरण के लिए प्रयास जारी रहना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन कोइया के सामाजिक कार्यकर्ता रामकुमार नुनिया ने किया। समारोह में मनोज कुमार रुद्रपाल, सियाराम चौहान, सत्यनारायण तेली, विष्णु भर, संतोष राय, शिवकुमार नुनिया, रामलाल भर, बलिराम नुनिया, किशन कोल आदि शामिल थे।

मेघालय में 609 ग्राम हेरोइन जब्त

शिलांग (हिंस)। मेघालय में 609 ग्राम हेरोइन जब्त किया गया। जिसका बाजार मूल्य 5.5 करोड़ रुपए आंका गया है। मेघालय में मंगलवार को पुलिस ने यह हेरोइन गुप्त सूचना के आधार पर पूर्वी जयंतिया हिल्स जिले के लुमचुंग में छापेमारी के दौरान एक सूमो वाहन के गुप्त कक्ष से जब्त की। पुलिस ने सिलचर से शिलांग जा रहे एक सूमो वाहन की तलाशी के दौरान इसे पकड़ने में कामयाबी हासिल की। पूर्वी जयंतिया हिल्स जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और एएनटीएफ बलों द्वारा चलाए गए एक संयुक्त अभियान में, सुमोखाना से हेरोइन से भरे 58 प्लास्टिक की साबुनदानी बरामद किए गए। इन साबुनदानी में कुल 609 ग्राम हेरोइन भरा हुआ था। पुलिस ने बताया कि प्रतिबंधित हेरोइन की तस्करी के आरोप में शिलांग मंडलीटिंग के लाल बियाकदिक बैफेई नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। टाटा सूमो और एक मोबाइल फोन भी जब्त किए गये। ज्ञात हो कि मेघालय में नए डीजीपी इदाशिसा नोंगरांग के कार्यभार संभालने के एक दिन बाद ड्रग्स के खिलाफ यह पहली बड़ी सफलता है। मेघालय के निवर्तमान डीजीपी डॉ. एलआर बिश्नोई 19 मई को अवकाश प्राप्त कर चुके हैं।

पूसीरे अपने *गो-ग्रीन* मिशन को हासिल करने को अग्रसर

स्थापित संयंत्रों के माध्यम से 6747 केडब्ल्यूपी सौर ऊर्जा का उत्पादन

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय रेल की नीति के अनुरूप पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) वर्ष 2030 तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में निरंतर अग्रसर हो रहा है। जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को और अधिक कम करने के प्रयास में, पूसीरे इस जोन में स्थित सेवा भवनों एवं अन्य प्रतिष्ठानों में रूफ-टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर अधिक से अधिक हरित ऊर्जा के उत्पादन के लिए विभिन्न प्रकार के कदम उठा रहा है। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची दे ने आज बताया है कि *गो-ग्रीन* मिशन के तहत, पूसीरे के अधीन 146 स्टेशनों और अन्य सेवा भवनों में अप्रैल, 2024 तक 6747 किलो वाट पीक (केडब्ल्यूपी) उत्पन्न करने वाले सोलर रूफ टॉप पैनल लगाए जा चुके हैं, जिससे 47.05 लाख यूनिट बिजली की बचत होगी। असम, पश्चिम बंगाल, बिहार, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय और

नगालैंड राज्य में सेवा भवन और अन्य प्रतिष्ठान रूफ टॉप पैनलों द्वारा सौर ऊर्जा उत्पादन में योगदान देने वाली सूची में हैं। मंडलों में कटिहार, अलीपुरद्वार, रंगिया, लमडिंग और तिनसुकिया द्वारा अपने दैनिक उपयोग के लिए क्रमशः 657 केडब्ल्यूपी, 426 केडब्ल्यूपी, 925 केडब्ल्यूपी, 1035 केडब्ल्यूपी और 207 केडब्ल्यूपी सौर ऊर्जा का उत्पादन किया जा रहा है। गुवाहाटी में पूसीरे का मुख्यालय परिसर भी 1497 किलोवाट के साथ बिजली उत्पादन प्रक्रिया में योगदान दे रहा है। न्यू बंगाईगांव और डिब्रूगढ़ के दो कारखानों में भी 1000-1000 केडब्ल्यूपी क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए गए हैं। हाल ही में संपन्न वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान, असम, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल के 18 स्टेशनों और अन्य सेवा भवनों में 609 केडब्ल्यूपी उत्पन्न करने वाले सोलर रूफ टॉप पैनल लगाए गए हैं। अलीपुरद्वार, रंगिया और लमडिंग मंडलों में क्रमशः 20, 220 और 369 स्थानों पर सोलर रूफ टॉप बिजली उत्पादन पैनल लगाए गए हैं। अलीपुरद्वार मंडल के अधीन धुपगुड़ी एवं फालाकाटा, लमडिंग मंडल के अधीन अगरतला एवं सबरूम और रंगिया मंडल के अधीन धलाईबिल, निज चतिया, निज बरगां, सरभोग, पातिलादह, बिजनी, धूपधरा, रंगजुली एवं शिंगरा जैसे प्रमुख रेलवे स्टेशनों को सौर पैनलों से लैस किया गया है। पूसीरे अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सौर ऊर्जा के अधिकतम उपयोग हेतु प्रतिबद्ध है। इससे स्टेशनों और अन्य सेवा भवनों के रोजमर्रा की बिजली जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। पर्यावरण के अनुकूल होने के अलावा, इससे रेलवे के अत्यधिक व्यय और देश की विदेशी मुद्रा की बचत होती है।

लावारिस कुत्तों, पालतू जानवरों के लिए चलाया गया मुफ्त टीकाकरण अभियान

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के पशु चिकित्सा विभाग के सहयोग से अरुणाचल डॉग एंड कैट रेस्क्यू टीम ने आज राजधानी क्षेत्र के निर्जुली क्षेत्र में आवारा कुत्तों और पालतू जानवरों के लिए मुफ्त एंटी रैबीज टीकाकरण अभियान चलाया। पूरे दिन लावारिस कुत्तों और पालतू जानवरों सहित लगभग 70 पालतू जानवरों का टीकाकरण किया गया। टीकाकरण अभियान के दौरान मीडिया से बात करते हुए अरुणाचल डॉग एंड कैट रेस्क्यू के संस्थापक, तरूण जामोह ने बताया कि यह अभियान लोगों को कुत्तों के काटने के बारे में जागरूक कराने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था, क्योंकि इटानगर में कुत्तों के काटने के बारे में गलते संदेश फैलने के बाद लोग बहुत चिंतित हैं और दहशत में हैं। दुर्व्यवहार और जानवरों की हत्या की खबरें भी फैल रही हैं। कुत्ते के काटने का मामला सामान्य है, लेकिन कुत्तों के काटने की घटनाओं के अवलोकन के अनुसार, विशेष रूप से राजधानी में यह देखा गया कि सभी काटने की घटनाएं लावारिस कुत्तों की नहीं थीं, क्योंकि ज्यादातर घटनाओं में पालतू कुत्ते शामिल थे। लावारिस कुत्तों के बारे में गलत तरीके से फैल रही खबरें ऐसी घटनाओं की संख्या में वृद्धि ने नागरिकों में दहशत पैदा कर दी है, जो सोशल मीडिया पर कुत्तों के काटने की तस्वीरें और वीडियो के प्रसार से और भी बढ़ गई हैं। उन्होंने कहा कि नागरिकों में मनोविकृति के बढ़ते डर को देखते हुए पालतू जानवरों की तरह ही लावारिस जानवरों का टीकाकरण किया जा रहा है। उन्होंने आम लोगों से जानवरों की सामूहिक हत्या को रोकने की भी अपील की। साथ ही कहा कि कई कानून हैं जिनके तहत अपराधियों के खिलाफ आरोप लगाए जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि वे लावारिस कुत्तों को हटाने के अभियान की योजना बना रहे हैं, लेकिन आवास की समस्याओं के कारण उन्हें इस अभियान को चलाने में देरी हो रही है।

एसएसबी ने अवैद्य लकड़ी समेत भूटानी शराब को जब्त किया

कोकराझाड़ (विभास)। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), रानीगुली के बाह्य सीमा चौकी टुकड़ाबस्ती को मिली गुप्त सूचना के आधार पर सीमा चौकी टुकड़ाबस्ती भारत-भूटान पिलर संख्या-162/2 से लगभग 9.5 किलोमीटर भारत की ओर सामोदिशा के जंगल क्षेत्र में एसएसबी के द्वारा सर्च अभियान चलाया गया, इस दौरान भारी मात्रा में अवैध रूप से लकड़ी काट कर जंगल में ही रखे पाए गए। कटी हुई लकड़ी को जब्त किया गया, जो कि लगभग 160 सीएफटी थी। जब्त किए गए लकड़ी का वन विभाग रूनीखाता को अग्रिम कार्रवाई हेतू सूपुर्द कर दिया गया। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल लगातार भारत-भूटान सीमा पर भारतीय वन क्षेत्रों में गस्ती एवं चौकसी के कारण तस्करों की अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने में सफल हुई है। वहीं दूसरी ओर एक अन्य अभियान चलाकर सीमा चौकी दादगिरी के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय भारत-भूटान सीमा स्तंभ संख्या-169/5 से

20 मीटर भारत की ओर भारत-भूटान गेट के पास वाहन चेकिंग के दौरान भूटान से भारत की ओर आ रहे वाहन बैगनार (रजिस्ट्रेशन न. एएस-26-बी-5935) को संदेहात्मक तौर पर रोक कर वाहन चालक से पूछताछ व चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान उक्त वाहन में भूटानी ब्लैक माउन्टेन व्हिस्की-24 बोतल एवं सुपर स्ट्रांग बियर-96 बोतल पाया गया। जब मदिरा से संबंधित दस्तावेज की मांग की गई तो वाहन चालक किसी प्रकार के दस्तावेज चेकिंग टीम को प्रस्तुत नहीं कर पाया। वाहन चालक की पहचान नाम-सुविराम बारी, पिता-डोमीन बारी, उम्र 26 वर्ष, ग्राम- शमथाईबारी, पोस्ट-गुरूवशा, थाना-सीडली, जिला-चिरांग, (असम) के रूप में की गई। वहीं आज दिनांक 21/05/2024 को बाह्य सीमा चौकी टुकड़ाबस्ती को मिली गुप्त सूचना के आधार पर सीमा चौकी टुकड़ाबस्ती भारत-भूटान पिलर संख्या-152 से लगभग 100 मीटर भारत की ओर नजदीक सुपर मार्केट सरलपारा एरिया के जंगलों में सर्च अभियान चलाया गया, जिसमें जंगलों में तस्करों द्वारा छुपाया गया भूटानी ब्लैक माउन्टेन व्हिस्की-42 बोतल एवं सुपर स्ट्रांग बियर-46 बोतल को जब्त किया गया। तदोपरांत उक्त भूटानी मदिरा को जब्त किया गया, जब्त की गई अवैध मदिरा व वाहन सहित चालक को लैंड कस्टम ऑफिस हातीसार में अग्रिम कार्रवाई हेतु सुपूर्द किया गया। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के द्वारा लगातार चलाए गए प्रचालन गतिविधियों के कारण भारत-भूटान सीमा पर तस्करों की अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगा है।

होजाई में मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

होजाई (निसं)। हाल ही में घोषित हाई स्कूल और उच्चतर माध्यमिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को आज होजाई विधानसभा क्षेत्र के शिंगरीबस्ती गांव पंचायत में सम्मानित किया गया। बैठक शिंगरी बस्ती गांव पंचायत के कार्यालय में आयोजित की गई थी। जहां बैठक का आयोजन क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता राहुल डे,के नेतृत्व में आयोजन की गई थी। उक्त सम्मानित सभा मे मुख्य अतिथि के रूप में होजाई जिला के अपराध नियंत्रण शाखा, होजाई जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) उपस्थित रहे पल्लव तामुली तथा होजाई जिला परिषद के पूर्व सभनेत्री रमाबाला देवी व लमडिंग जिला परिषद के पूर्व सदस्य रिपन चंद्र दास, पंचायत सचिव जमीर उद्दीन व पंचायत के

अन्य सदस्य उपस्थित रहे। उक्त सम्मानित सभा मे कुल 105 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। वही शंकरदेव जूनियर कॉलेज से 90 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले क्षेत्र के पांच उत्कृष्ट विद्यार्थियों को गोमोचा और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। पंचायत के विद्यार्थियों एवं वरिष्ठ नागरिकों को फुलाम गामोछा देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन क्षेत्र के युवक राहुल दे ने किया।

टैक्स बार एसोसिएशन, गुवाहाटी ने आयकर विभाग के आउटरीच कार्यक्रम में लिया भाग

गुवाहाटी। टैक्स बार एसोसिएशन, गुवाहाटी ने आयकर भवन, गुवाहाटी में आयोजित *चैरिटेबल ट्रस्ट, एनजीओ और नॉट फॉर प्रॉफिट ऑर्गनाइजेशन* पर आउटरीच कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर, श्री मनीष कनौजिया, आयकर आयुक्त (छूट), कोलकाता; और श्री बुभूति कर्माकर, आयकर अधिकारी (छूट), गुवाहाटी उपस्थित थे और उन्होंने प्रतिभागियों को चैरिटेबल ट्रस्ट, एनजीओ और नॉट फॉर प्रॉफिट संगठन के पंजीकरण से संबंधित विभिन्न आयकर प्रावधानों के बारे में बताया। वक्ताओं ने प्रतिभागियों के प्रश्नों का भी उत्तर दिया। टैक्स बार एसोसिएशन, गुवाहाटी के अध्यक्ष एडवोकेट ब्रजेश कुमार शर्मा ने आयकर आयुक्त (छूट), कोलकाता मनीष कनौजिया को सम्मानित किया। कार्यक्रम में एसोसिएशन के 20 से अधिक सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। आज जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में एसोसिएशन के सचिव सीए गोपाल सिंघानिया ने कहा कि विभाग द्वारा विभिन्न हितधारकों के साथ इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन विभिन्न वैधानिक प्रावधानों के सामंजस्य और उनके उचित कार्यान्वयन की दिशा में एक स्वागत योग्य कदम है।

पचास विशेष रूप से सक्षम लोगों को 50 व्हीलचेयर वितरित

गुवाहाटी। रोटरी क्लब ऑफ गुवाहाटी लुइत व सहयोगी रोटरी लुइत ट्रस्ट की ओर से आज मानव सेवा की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य संपादित किया गया। दोनों संस्थाओं की ओर से आज आरजी बरुवा रोड स्थित श्रद्धांजलि कानन में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान 50 विशेष रूप से सक्षम लोगों को 50 नि:शुल्क व्हीलचेयर प्रदान की गई। क्लब के इस महत्वाकांक्षी परियोजना में मुख्य अतिथि के रूप में प्राइड ईस्ट एंटरटेनमेंट्स प्रा. लि. की सीएमडी रिनिकी भुइयां शर्मा उपस्थित थी। इस मौके पर रिनिकी भुइयां शर्मा ने रोटरी लुइत और लुइत ट्रस्ट की विभिन्न गतिविधियों और परियोजनाओं को सराहा। उन्होंने दुनिया भर में जरूरतमंद लोगों के लाभ के लिए रोटरी इंटरनेशनल द्वारा किए जाने वाले कार्यों की भी प्रशंसा की। उन्होंने रोटरी क्लब ऑफ गुवाहाटी लुइत को अपनी शुभकामनाएं दीं। क्लब के भविष्य के प्रयासों और उन्हें सर्वोत्तम संभव

समर्थन का आश्वासन भी दिया। इस दौरान श्रीमती भुइयां को रोटरी लुइत की पिन स्वस्तिका जैन द्वारा भेट कर उन्हें क्लब की मानद सदस्यता दी गई। मुख्य अतिथि ने व्यक्तिगत रूप से उन लाभार्थियों को व्हीलचेयर सौंपी जो राज्य के विभिन्न स्थानों से अपनी व्हीलचेयर लेने आए थे। विशेष रूप से सक्षम लाभार्थियों और उनके परिवार के सदस्यों के मुस्कुराते चेहरों को देखकर उपस्थित क्लब के सदस्य काफी प्रोत्साहित दिखें। इस मौके पर मंच पर मुख्य अतिथि श्रीमती भुइयां के अलावा रोटरी लुइत के अध्यक्ष अमित अजितसरिया, रोटरी गुवाहाटी लुइत ट्रस्ट के चेयरमैन राजीव जैन, व्हीलचेयर डिस्ट्रीब्यूशन परियोजना के चेयरमैन अजय केजरीवाल मौजूद थे। इस अवसर पर रोटरी लुइत के अध्यक्ष अमित अजितसरिया ने कहा कि क्लब और ट्रस्ट नियमित रूप से गुवाहाटी और आसपास के ग्रामीण इलाकों में विभिन्न सेवाएं समय समय पर आयोजित करती रहती है। इनमें नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर, जरूरतमंद लोगों के लिए नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था आदि करते हैं। स्कूलों में छात्राओं के लिए शौचालयों के नवीनीकरण/निर्माण, हमारे प्रोजेक्ट-हैप्पी स्कूल के तहत स्कूल सुविधाओं के नवीनीकरण/निर्माण के क्षेत्र में एक और प्रमुख जोर दिया गया है। अब तक गुवाहाटी में 5 स्कूलों को नए डेस्क और बेंच, शुद्ध पानी, छात्र-छात्राओं के लिए शौचालय ब्लॉक, कक्षाओं की पेंटिंग, खेल उपकरण प्रदान करना, पुस्तकालय की स्थापना आदि देकर हैप्पी स्कूल में बदल दिया गया है। इस कार्यक्रम में गुवाहाटी के विभिन्न क्लबों से बड़ी संख्या में रोटेरियन और गणमान्य लोग मौजूद थे, जिन्होंने इस परियोजना को शुरू करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देकर क्लब की मदद की। उन्होंने आगे कहा कि रोटरी क्लब ऑफ गुवाहाटी लुइत में हम अपने समुदाय के जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए हाथ बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारे पास कई आगामी परियोजनाएं हैं। जैसे कुछ और हैप्पी स्कूल और बस स्टेंड में महिला शौचालय का निर्माण आदि जिन्हें जल्द ही शुरू किया जाएगा।

संपादकीय

विमर्श पर सवार होकर जनता का मन जीतने की कोशिश

पांचवे चरण के मतदान के साथ ही लोकसभा चुनाव अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गए हैं। देश का जनादेश 4 जून को सबके सामने होगा। लेकिन प्रत्येक चरण के मतदान के साथ ही राजनीतिक दलों ने अपने स्तर पर व्याख्या करके और अनुमान लगाकर, अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। लोकसभा चुनाव-2019 की भाँति ही कांग्रेस एवं कम्युनिस्टों के ईको-सिस्टम ने इस बार भी ऐसा वातावरण बनाने का प्रयास किसा है कि भाजपा चुनाव हार रही है। बदलाव के लिए जनता ने मन बना लिया है। हालांकि जनता के मन में क्या है, यह किसी को पता नहीं है। यह भी सच है कि कुछ हद तक वातावरण दिख रहा है, तो वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के समर्थन में दिख रहा है। यह और बात है कि दीवार पर लिखे इस सच को अनेक राजनीतिक विश्लेषक पढ़ नहीं पा रहे हैं। ये लोग चुनाव का विश्लेषण अलग ही दृष्टिकोण से कर रहे हैं। प्रारंभिक चरणों में मतदान प्रतिशत के कम रहने और शेयर बाजार में गिरावट इत्यादि घटनाओं को सत्ता परिवर्तन का सूचक मानकर कांग्रेस एवं उसके समर्थक उत्साहित हैं। कांग्रेस नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन को लगने लगा है कि जिस तरह चुनावों में स्थानीय और सामाजिक समीकरण हावी हो रहे हैं उससे भाजपानीत गठबंधन राजग बहुमत के आंकड़े से दूर रह जाएगा और तब विपक्षी गठबंधन अपने सहयोगी दलों के साथ सरकार बनाने का दावा कर सकता है। राजग और आईएनडीआईए से बाहर के दलों ने भी तमाम चुनावी संभावनाओं का आकलन करते हुए अपनी पैंतरेबाजी शुरु कर दी है। भाजपा के 400 पार नारे के समानांतर यह चर्चा भी स्थापित कर दी गई कि क्या भाजपा और राजग बहुमत का आंकड़ा 272 तक पहुंच पाएंगे या 240-250 तक आकर रुक जाएगी या 200 से कुछ ज्यादा आते-आते गाड़ी फंस जाएगी। यानी भाजपा के 370 और 400 पार के मुकाबले विपक्ष का विमर्श भी जोर पकड़ गया है। इस विमर्श ने विपक्ष के नेताओं को यह हौसला दे दिया कि राहुल गांधी ने भाजपा के लिए 150, अखिलेश यादव ने 143, अरविंद केजरीवाल ने 230, ममता बनर्जी ने 240 जैसे आंकड़े देने शुरु कर दिए। विपक्ष के नेता नये-नये आंकड़े और परिकल्पनाएं लेकर आगे आ रहे हैं। जिनके पीछे कोई ठोस आधार नहीं है, केवल उनके द्वारा अपने इको-सिस्टम के सहयोग से खड़ा किया गया विमर्श है। वहीं, भाजपा के नेतृत्व को उम्मीद है कि उसे सरकार बनाने लायक बहुमत आसानी से मिल जाएगा। उसकी लड़ाई सिर्फ अपनी सीटें बढ़ाने की है। गृहमंत्री अमित शाह ने स्पष्ट तौर पर कह चुके हैं कि भाजपा को चार चरणों में ही बहुमत प्राप्त हो चुका है। अब तो भाजपा के कार्यकर्ता 400 पार के अपने लक्ष्य के लिए परिश्रम कर रहे हैं। किसके अनुमान सच साबित होंगे, यह तो 4 जून को ही सामने आ सकेगा। लेकिन मतदान प्रतिशत और शेयर बाजार में गिरावट जैसी घटनाओं को सत्ता परिवर्तन का संकेत वही मान सकता है, जिसकी पकड़ जमीन पर ढीली हो गई हो। शेयर बाजार की गिरावट को आधार बनानेवाले इस तथ्य को किस तरह देखते हैं कि बाजार फिर से अपने रिकॉर्ड स्तर पर लौट आया है? वर्तमान समय में बड़ी संख्या में राजनेता एवं राजनीतिक विश्लेषकों के अनुमान गलत साबित होते हैं क्योंकि वे विशेष चश्मा चलाकर निर्वाचन के मैदान में उठ रहे संकेतों को देख रहे होते हैं। चुनाव परिणाम को समझने के लिए जनता की नब्ज पर हाथ रखना आवश्यक है। इस मामले में भाजपा ही सबसे आगे दिखायी देती है।

देश का जनादेश 4 जून को सबके सामने होगा। लेकिन प्रत्येक चरण के मतदान के साथ ही राजनीतिक दलों ने अपने स्तर पर व्याख्या करके और अनुमान लगाकर, अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। लोकसभा चुनाव-2019 की भाँति ही कांग्रेस एवं कम्युनिस्टों के ईको-सिस्टम ने इस बार भी ऐसा वातावरण बनाने का प्रयास किसा है कि भाजपा चुनाव हार रही है। बदलाव के लिए जनता ने मन बना लिया है। हालांकि जनता के मन में क्या है, यह किसी को पता नहीं है। यह भी सच है कि कुछ हद तक वातावरण दिख रहा है, तो वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के समर्थन में दिख रहा है। यह और बात है कि दीवार पर लिखे इस सच को अनेक राजनीतिक विश्लेषक पढ़ नहीं पा रहे हैं। ये लोग चुनाव का विश्लेषण अलग ही दृष्टिकोण से कर रहे हैं। प्रारंभिक चरणों में मतदान प्रतिशत के कम रहने और शेयर बाजार में गिरावट इत्यादि घटनाओं को सत्ता परिवर्तन का सूचक मानकर कांग्रेस एवं उसके समर्थक उत्साहित हैं। कांग्रेस नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन को लगने लगा है कि जिस तरह चुनावों में स्थानीय और सामाजिक समीकरण हावी हो रहे हैं उससे भाजपानीत गठबंधन राजग बहुमत के आंकड़े से दूर रह जाएगा और तब विपक्षी गठबंधन अपने सहयोगी दलों के साथ सरकार बनाने का दावा कर सकता है।

दुनिया में मुस्लिम आबादी बढने का है, जिसका असर यूरोप समेत दुनिया के अधिकांश देशों में देखा जा रहा है

भारत में जनसंख्या असंतुलन की समस्या

डा. अश्विनी महाजन

रिपोर्ट के अनुसार 1950 से लेकर 2015 तक कुल जनसंख्या में बहुसंख्यक हिंदू आबादी की हिस्सेदारी में 7.82 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि मुस्लिम आबादी की हिस्सेदारी में 43.15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि कई अन्य देशों में भी, जहां बहुसंख्यक आबादी गैर-मुस्लिम थी, उसकी हिस्सेदारी में कमी आई है और अल्पसंख्यक आबादी जो मुस्लिम है, की हिस्सेदारी बढ़ी है।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (पीएमईएसी) द्वारा हाल ही में जारी की गई रिपोर्ट के अनुसार 1950 से लेकर 2015 तक कुल जनसंख्या में बहुसंख्यक हिंदू आबादी की हिस्सेदारी में 7.82 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि मुस्लिम आबादी की हिस्सेदारी में 43.15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि कई अन्य देशों में भी, जहां बहुसंख्यक आबादी गैर-मुस्लिम थी, उसकी हिस्सेदारी में कमी आई है और अल्पसंख्यक आबादी जो मुस्लिम है, की हिस्सेदारी बढ़ी है। यह प्रवृत्ति म्यांमार और नेपाल में भी देखी गई। पाकिस्तान और बांग्लादेश में जहां मुस्लिम खुद बहुसंख्यक हैं, उनकी हिस्सेदारी बढ़ी है। यानी सवाल अल्पसंख्यकों की आबादी बढने का नहीं, बल्कि दुनिया में मुस्लिम आबादी बढने का है, जिसका असर यूरोप समेत दुनिया के अधिकांश देशों में देखा जा रहा है। अगर बात सिर्फ भारत की करें तो जहां 1950 में हिंदुओं की आबादी का हिस्सा 84.68 प्रतिशत था, वो 2015 तक घटकर सिर्फ 78.06 प्रतिशत रह गया, जबकि इसी दौरान मुस्लिम आबादी का हिस्सा 1950 में 9.84 प्रतिशत से बढक़र 2015 में 14.09 प्रतिशत हो गया। गौरतलब है कि भारत की कुल जनसंख्या 1951 में 36.1 करोड़ से बढक़र 2015 में 132.29 करोड़ हो गई और इसी तरह हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई समेत सभी समुदायों की आबादी में भी बढ़ोतरी हुई है। लेकिन खास बात यह है कि मुस्लिम आबादी की वृद्धि दर अन्य सभी जातीय समूहों से ज्यादा रही है। जबकि, हिंदू आबादी 1951 में 30.57 करोड़ से बढक़र 2001 में 82.75 करोड़ हुई (यानी 2.0 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर), मुस्लिम आबादी 3.55 करोड़ से बढक़र 13.8 करोड़ हो गई (2.75 प्रतिशत की भारी वार्षिक वृद्धि दर), सिखों की जनसंख्या 0.69 करोड़ से बढक़र 1.94 करोड़ हो गई और ईसाइयों की जनसंख्या 0.83 करोड़ से बढक़र 2.41 करोड़ हो गई, यानी 50 वर्षों में क्रमशः 2.09 प्रतिशत और 2.15 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर। कुछ लोगों का तर्क है कि पिछले दो दशकों में मुस्लिम जनसंख्या वृद्धि की गति धीमी हो गई है।

हालांकि, यह सच है कि 2001 से 2015 के बीच विभिन्न जातीय समूहों की जनसंख्या वृद्धि दर में गिरावट आई है, लेकिन मुस्लिम जनसंख्या वृद्धि अभी भी अन्य धार्मिक समूहों से बहुत आगे है। हम देखते हैं कि वर्ष 2001 और 2015 के बीच हिंदुओं, मुसलमानों, सिखों और ईसाइयों की जनसंख्या वृद्धि दर क्रमशः 1.61, 2.17, 1.68 और 1.82 रही। इस रिपोर्ट से सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में यह नैरेटिव फैलाया जा रहा है कि भारत में अल्पसंख्यकों, खास तौर पर मुसलमानों को दबाया और सताया जाता है, लेकिन आंकड़े इस नैरेटिव को पूरी तरह से नकारते हैं। भारत की जनसांख्यिकी में सामान्य परिवर्तन : गौरतलब है कि भारत में 1951 में कुल प्रजनन दर 5.9 थी, जो 1981 में घटकर 4.80 और 2011 में 2.56 हो गई। हाल ही में आए आंकड़ों के अनुसार 2024 में भारत में कुल प्रजनन दर 2.12 तक पहुंच गई है। गौरतलब है कि जनसांख्यिकी सिद्धांत के अनुसार जब किसी देश की कुल प्रजनन दर 2.1 से नीचे गिरती है, तो उस देश की जनसंख्या कुछ समय बाद घटने लगती है। इसलिए प्रजनन दर का 2.12 तक पहुंचना जनसंख्या के लिए खतरे की घंटी है। पिछले कुछ समय से भारत में कुल प्रजनन दर में लगातार गिरावट के कारण अब यह स्पष्ट होता जा रहा है कि हम ऐसी स्थिति में पहुंच चुके हैं, जहां से कुछ समय बाद वास्तविक जनसंख्या में कमी आनी शुरू हो जाएगी। गौरतलब है कि चीन में ऐसी स्थिति पहले ही आ चुकी है। यूरोप के कई देश भी इसी स्थिति से गुजर रहे हैं। अफ्रीका के बाद भारत भी उन चंद देशों में शामिल है, जहां जनसंख्या में वृद्धि हो रही है, लेकिन अब भारत में भी जनसंख्या में कमी आने की आशंका जताई जा रही है। लेकिन ऐसे में पीएमईएसी की रिपोर्ट यह भी संकेत देती है कि भले ही आने वाले समय में कुल जनसंख्या में कमी आएगी, लेकिन उसमें भी हिंदुओं की जनसंख्या, जो पहले से ही आनुपातिक रूप से कम हो रही है, इसमें निरपेक्ष रूप में भी कमी होनी शुरू हो सकती है, जबकि मुस्लिम जनसंख्या में वृद्धि जारी रहेगी। हम कह सकते हैं कि हिंदू जनसंख्या के नुकसान की भरपाई मुस्लिम जनसंख्या में वृद्धि से होगी।

शिक्षित वर्ग की जनसंख्या में गिरावट की संभावना : जनगणना और अन्य रिपोर्टों से पता चलता है कि निरक्षर और कम शिक्षित महिलाओं में कुल प्रजनन दर 2011 में 3.17 रही। लेकिन स्नातक या उससे ऊपर की महिलाओं में प्रजनन दर जो 1991 में 1.62 थी, 2011 में घटकर 1.40 रह गई और अभी भी इसमें और गिरावट की पूरी संभावना है। इसी तरह, स्नातक से कम शिक्षित अन्य महिलाओं में भी प्रजनन दर अपेक्षाकृत कम होती है। यदि हम शिक्षा के मामले में विभिन्न धार्मिक समूहों की तुलना करें, तो यह स्पष्ट है कि मुस्लिम समुदाय अभी भी हिंदुओं की तुलना में कहीं अधिक पिछड़ा हुआ है और इसलिए संभावना है कि मुस्लिम आबादी में वृद्धि जारी रहेगी, जबकि हिंदू आबादी में गिरावट आ सकती है। उल्लेखनीय है कि 2001 की जनगणना के अनुसार हिंदुओं में साक्षरता दर 65.8 प्रतिशत थी, जबकि मुसलमानों में यह केवल 59.1 प्रतिशत थी। अगर हम उच्च शिक्षा की बात करें तो हम देखते हैं कि 2001 में 18 से 25 वर्ष की आयु वर्ग में मुस्लिम समुदाय में स्नातक और अधिक शिक्षित लोगों की संख्या केवल 6.7 प्रतिशत थी, जबकि हिंदुओं में यह 12.5 प्रतिशत थी। शिक्षा और कुल प्रजनन दर के बीच संबंधों को देखते हुए, हम सहज रूप से कह सकते हैं कि कम शिक्षित मुस्लिम महिलाएं अधिक बच्चों को जन्म देती हैं, जबकि अधिक शिक्षित महिलाओं में प्रजनन दर कम होती है। यानी मुस्लिम आबादी में वृद्धि और हिंदू आबादी में कमी को हिंदुओं और मुसलमानों के बीच शिक्षा के स्तर में अंतर से भी समझाया जा सकता है। संतुलन कैसे लाया जाए : एक आम धारणा है कि मुसलमान अपनी परंपराओं, दर्शन और धार्मिक मान्यताओं के कारण बड़े परिवार रखते हैं। अतीत में गरीब हिंदू भी यह मानते थे कि बच्चे भगवान की देन हैं, लेकिन अधिकांश मुसलमान अपने आर्थिक और शैक्षिक पिछड़ेपन के कारण अभी भी उसी पर विश्वास करते हैं (यानी बच्चे अल्लाह की देन हैं)। हमने देखा है कि आर्थिक समृद्धि, शैक्षिक विकास और चिकित्सा विज्ञान में प्रगति और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के साथ, जन्म दर, मृत्यु दर और जनसंख्या की प्राकृतिक वृद्धि दर सभी में कमी आ रही है। विभिन्न धार्मिक समूहों में शैक्षिक और आर्थिक मानकों में अंतर भी विभिन्न जातीय समूहों में प्रजनन दर और जनसंख्या वृद्धि में अंतर को स्पष्ट करता है। जनसंख्या असंतुलन को ठीक करने की आवश्यकता है। जनसंख्या संतुलन के लिए निम्नलिखित कुछ सुझाव हो सकते हैं : सबसे पहले, हमारी आबादी, विशेष रूप से मुस्लिम आबादी को शैक्षिक रूप से उन्नत करने की तत्काल आवश्यकता है। इससे कुल प्रजनन दर और इसलिए जनसंख्या वृद्धि दर को कम करने में मदद मिल सकती है। दूसरा, अभी भी एक संभावना हो सकती है कि जब तक हम उच्च शिक्षा मानकों तक नहीं पहुंच जाते, या उसके बाद भी धार्मिक मान्यताओं और मनोविज्ञान के कारण जनसंख्या में वृद्धि जारी रहे, इससे निपटने के लिए हम जनसांख्यिकीय लक्ष्यों को प्राप्त करने और सार्वजनिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए राजकोषीय प्रोत्साहन और हतोत्साहन का उपयोग कर सकते हैं। तीसरा, पिछले कुछ समय से जनसंख्या नीति पर बहस चल रही है। जनसंख्या संतुलन प्राप्त करने और आर्थिक, शैक्षिक तथा सामाजिक मानकों के दृष्टिकोण से भविष्य की जनसंख्या को उन्नत करने के लिए जनसंख्या नीति महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

दृष्टि कोण

चुनाव परिणामों की निराधार अटकलें

पांचवें चरण के तहत सोमवार को आठ राज्यों और केंद्रशासित क्षेत्रों की 49 लोकसभा सीटों पर वोट डाले गये, इसके बाद दो ही चरण की वोटिंग शेष रह जाएगी। शेष रहे दो चरणों के चुनाव पर पूरे देश की निगाहें लगी हुई हैं और जैसे-जैसे चुनाव सम्पन्नता की ओर बढ़ रहे हैं, राजनीतिक दलों की आक्रामकता अब चुनाव परिणामों को लेकर फिजूल की अटकलों के रूप में देखने को मिल रही है। वैसे तो तीन चरणों के बाद ही चुनाव परिणामों से जुड़ी अटकलें पर सारे चुनावी परिदृश्य बन रहे हैं। आम मतदाता की जरूरतों से जुड़े मुद्दों पर सार्थक बहस करने की बजाय चुनाव नतीजों की भविष्यवाणियों में चुनाव परिदृश्यों को भटकाने की कुचेष्ठाएं हो रही है, यह लोकतंत्र के इस महानुष्ठान को धुंधलाने का दूषित प्रयास है। चुनाव परिणामों को लेकर हो रही इन चर्चाओं से जहां आम मतदाता भ्रमित हो रहा है, वही देश के शेयर बाजारों में गिरावट की स्थितियां आर्थिक असंतुलन का कारण बन रही है। राजनीतिक दलों की सोची-समझी रणनीति के तहत चुनाव परिणामों की संभावनाएं व्यक्त करना, अटकले एवं कयास लगाना चुनावी परिदृश्यों को भटकाने की कोशिशें हैं, इसमें राजनीतिक विश्लेषण और उनके निष्कर्ष भी कहीं-न-कहीं ऐसा वातावरण बना रहे हैं, जिससे मतदाता को लुभाया जा सके, भटकाया जा सके या गुमराह किया जा सके। कांग्रेस हो या भाजपा और अन्य दल सभी चुनाव परिणाम की अटकलों पर ध्यान लगाये हुए हैं, वे ऐसी अतिश्योक्तिपूर्ण घोषणाएं करते हुए जीत के दावे कर रहे हैं, जिससे मतदाता द्वंद्व की स्थिति में हैं। राजनीतिक दलों ने राष्ट्र के जरूरी एवं बुनियादी मुद्दें को तवज्जों न देकर राजनीतिक अपरिपक्वता का ही परिचय दिया है। दिक्कत यह है कि सभी पार्टियां अपने दल या गठबंधन की जीत को सुनिश्चित बताते हुए इस तरह के विश्लेषण और निष्कर्ष निकाल रहे हैं जो सत्यता से दूर हैं। ऐसे निष्कर्ष अतीत में कई बार गलत साबित हो चुके हैं। 2014 में नरेंद्र मोदी की अगुआई में भाजपा को ऐसी जीत मिली, जिससे देश में तीन दशक बाद किसी पार्टी ने अपने बहुमत

वाली सरकार बनाई। 2019 में पार्टी ने उससे भी बड़ी जीत हासिल की। लेकिन 2019 में भी चुनाव नतीजों से पहले शेयर बाजार लड़खड़ाते नजर आ रहे थे एवं विपक्षी दल भाजपा के हार की भविष्यवाणी कर रहे थे। 2014 में भी कई विश्लेषक उत्तरप्रदेश की कई सीटों पर मुस्लिम मतदाताओं के कथित ध्रूवीकरण का हवाला देते हुए खास तरह के चुनाव नतीजों की भविष्यवाणी कर रहे थे, जो गलत साबित हुए। ऐसी ही भविष्यवाणियां इस बार भी बढ़-चढ़ कर हो रही है, लेकिन इस बार के चुनाव परिणाम अप्रत्याशित होने वाले हैं, चौंकाने एवं चमत्कृत करने वाले होंगे। निश्चित ही चुनाव परिणामों से जुड़ी अटकलों का शेष रहे दो चुनाव चरणों पर व्यापक प्रभाव पड़ता हैं। पहले तीन चरणों के कम मतदान को सत्तापक्ष के समर्थक मतदाताओं के उत्साह में कमी का संकेत बताया जा रहा है तो महाराष्ट्र और बिहार जैसे राज्यों में एनडीए के सहयोगी दलों की वोट ट्रांसफर करने की क्षमता पर सवाल उठाए जा रहे हैं। जहां तक वोटरों के उत्साह में कमी की बात है तो अव्वल तो चुनाव आयोग के अंतिम आंकड़ों के मुताबिक वोट प्रतिशत का अंतर काफी कम रह गया है, दूसरी बात यह कि वोट न देने वालों में किस पक्ष के समर्थक ज्यादा हैं, इसे लेकर परस्पर विरोधी दावे किए जा रहे हैं जिनकी सचाई 4 जून को ही सामने आएगी। लेकिन चुनाव परिणामों को लेकर विरोधाभासी अटकलों का असर मतदाता पर पड़ता ही है। समूचे देश की बात करें तो इस पर लगभग आम राय है कि इन चुनावों में कोई लहर नहीं है। कई चुनाव विशेषज्ञों के अनुसार 2019 के चुनाव में पुलवामा में हुई घटनाओं और उसके बाद बालाकोट में जो हुआ उसके बाद देश भर में राष्ट्रीय सुरक्षा की लहर दौड़ गई थी। इस बार सोचा गया था कि श्रीराम मन्दिर के उद्घाटन का व्यापक असर होगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। विकास का मुद्दा अवश्य मतदाता के दिमाग में रहा है। फिर भी अगर किसी एक नेता के पक्ष में मतदाताओं की पसंद मुखरता से सामने आ रही है तो वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही हैं। सवाल है कि क्या यह मुखरता वोट में भी परिणत होगी? जवाब के लिए 4 जून का इंतजार करना बेहतर होगा। अनेक चुनाव विश्लेषण बताते हैं कि 1999 और 2004 में कम मतदान प्रतिशत से भाजपा को फायदा हुआ, लेकिन 2014 में अधिक मतदान से लाभ हुआ। लेकिन विश्लेषक मतदान प्रतिशत और अंतिम परिणामों के बीच स्पष्ट संबंध बताने में विफल हैं। बाज़ार के इस उतार चढ़ाव के बीच निवेशक लोकसभा चुनाव में कुछ चरणों के कम मतदान प्रतिशत को लेकर चिंतित हैं। वे चुनाव परिणाम के बारे में अनिश्चितता पाले हुए हैं।

कुछ अलग

'आलाकमान' की फटकार

कांग्रेस आलाकमान का चरित्र और रवैया 'सामंती सिंड्रोम' से कम नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने पश्चिम बंगाल के सबसे अनुभवी, दिग्गज और जनाधारी नेता अधीर रंजन चौधरी को फटकार कर खारिज कर दिया, क्योंकि उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ टिप्पणी कर दी थी। खडग़े ने ममता की तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस के 'इंडिया' गठबंधन के साथ संबंधों की कुछ व्याख्या की और अधीर रंजन पर बोले-'वह फैसला लेने वाला कोई नहीं है। पार्टी आलाकमान तय करेगा।' बंगाल के कार्यकर्ता खडग़े की चेतावनी से नाराज हो गए और कांग्रेस अध्यक्ष की तस्वीरों पर स्याही पोत दी। बंगाल में सिर्फ अधीर रंजन की 'बहरामपुर' सीट ही बची है, जो कांग्रेस की विजयी सूची में दर्ज है। उसके अलावा, कांग्रेस-वाममोर्चा के साझा खाते में भी 'शून्य' ही दर्ज है। अधीर रंजन चौधरी निवर्तमान लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता रहे हैं। यह पद 'नेता प्रतिपक्ष' के लगभग समान ही था। खडग़े भी राज्यसभा में 'नेता प्रतिपक्ष' हैं। दोनों ही नेता कांग्रेस की शीर्षस्थ संस्था 'कांग्रेस कार्यसमिति' के सदस्य हैं। यह दीगर है कि खडग़े कांग्रेस के निर्वाचित अध्यक्ष हैं, लेकिन क्या आलाकमान के मायने ये होते हैं कि आप समकक्ष नेता को बेमानी और खारिज करार दें? कांग्रेस आलाकमान की यह संस्कृति ही देश ने इस कदर खारिज की है कि पार्टी को चुनाव-प्रचार में लगातार पाखंड खेलने पड़ रहे हैं कि यदि मोदी सरकार ही तीसरी बार सत्ता में आई, तो देश का संविधान बदल दिया जाएगा। लोकतंत्र समाप्त किया जा सकता है और आम चुनाव अब कभी नहीं कराए जाएंगे। 'एक देश, एक नेता' का भी दुष्प्रचार किया जा रहा है। क्या दुनिया के सबसे बड़े, स्थापित लोकतांत्रिक देश भारत में ऐसी स्थितियां संभव हैं? जनता बखूबी जानती है कि ऐसे ढेरों भ्रम फैलाए जा रहे हैं। कमोबेश 4 जून को देश का जनादेश सार्वजनिक हो जाएगा। बहरहाल ममता बनर्जी ने बयान दिया था कि यदि केंद्र में गैर-भाजपा और 'इंडिया' गठबंधन की सरकार बनती है, तो तृणमूल कांग्रेस दिल्ली में उसे बाहर से समर्थन देगी। इस पर कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने ममता को 'अवसरवादी नेता' करार दिया। ममता 'इंडिया' गठबंधन के संस्थापकों में थीं, लेकिन पश्चिम बंगाल में 'इंडिया' के खिलाफ चुनाव में उतरीं। कांग्रेस-वाममोर्चा के साथ सीटों का बंटवारा नहीं हो सका, लिहाजा ममता ने अकेले ही चुनाव लडऩे की घोषणा की थी। तृणमूल कांग्रेस राज्य की सभी 42 लोकसभा सीटों पर अकेले ही चुनाव लड़ रही है। यकीनन भाजपा के खिलाफ 'इंडिया' को बड़ा नुकसान हुआ है। अधीर रंजन ने ममता बनर्जी को यहां तक 'अवसरवादी' माना है कि यदि बंगाल में भाजपा अच्छी-खासी सीटें जीत गई और केंद्र में भी भाजपा-एनडीए को बेहतर जनादेश मिल गया, तो ममता भाजपा के साथ भी जा सकती हैं। दोनों के बीच 'घनिष्ठ संबंधों' की तरह मिलीभगत है। ममता ने अभी जो बयान दिया था, उसके अगले दिन ही उन्होंने अपने शब्दों में संशोधन किया और कहा कि तृणमूल कांग्रेस भी 'इंडिया' का हिस्सा है। समग्रता में देखा जाए, तो 'इंडिया' के कथित घटकों के बीच, जमीनी स्तर पर, जो रूखापन, कटुता और हिंसा चुनाव के दौरान देखी गई है, उसने तमाम राजनीतिक गणनाओं को बिगाड़ दिया है। तृणमूल कांग्रेस अपने वर्चस्व के लिए राजनीति करती रही है, जबकि बंगाल में कांग्रेस और वाममोर्चा अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं।ये तमाम स्थितियां 'इंडिया' गठबंधन पर सवाल करती हैं। खडग़े को भी इसका एहसास होगा।

देश दुनीया से

खालिस्तानियों का चुनाव लडऩा, स्वागत और सतर्कता दोनों जरूरी

अमृतपाल ने कई महीनों तक इस संगठन के मंच से सिख युवाओं के मनों में खालिस्तानी व अलगाववादी विष भरा परन्तु अजनाला में थाने पर हमले के आरोप में उसे साथियों सहित गिरफ्तार कर डिब्रूगढ़ जेल भेज दिया गया। केवल अमृतपाल ही नहीं अमृतसर में शिवसेना के नेता सुधीर सूरी की हत्या करने वाला संदीप सिंह, दिवंगत प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के हत्यारे बेअंत सिंह का बेटा सरबजीत सिंह खालसा भी इस चुनाव में ताल ठोक चुके हैं। इसी वर्ग में शामिल अपने भडक़ाऊ भाषणों के चलते चर्चा में रहने वाले अकाली दल (अमृतसर) के अध्यक्ष सिमरनजीत सिंह मान खुद संगरूर की सीट से चुनाव लड़ रहे हैं और वे वहां से वर्तमान सांसद भी हैं। उनके दल के अन्य उम्मीदवार खुशहाल सिंह मान, बलदेव सिंह, अमृतपाल सिंह चंद्रा, मनिन्द्रपाल सिंह क्रमशः आनन्दपुर साहिब, फरीदकोट, लुधियाना व पटियाला से चुनाव मैदान में हैं।

लोकसभा चुनावों के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत असम की डिब्रूगढ़ जेल में बन्द खालिस्तानी अलगाववादी अमृतपाल के खडूर साहिब से नामांकन पत्र दाखिल करने की देशभर में चर्चा है। अमृतपाल दिल्ली की सीमा पर चले किसान आंदोलन के एक नेता दीप सिद्धू के अलगाववादी संगठन 'वारिस पंजाब दे' का सर्वेसर्वा है और यह पद उसने सिद्धू की सडक़ दुर्घटना में हुई मौत के बाद प्राप्त किया। अमृतपाल ने कई महीनों तक इस संगठन के मंच से सिख युवाओं के मनों में खालिस्तानी व अलगाववादी विष भरा परन्तु अजनाला में थाने पर हमले के आरोप में उसे साथियों सहित गिरफ्तार कर डिब्रूगढ़ जेल भेज दिया गया। केवल अमृतपाल ही नहीं अमृतसर में शिवसेना के नेता सुधीर सूरी की हत्या करने वाला संदीप सिंह, दिवंगत प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के हत्यारे बेअंत सिंह का बेटा सरबजीत सिंह खालसा भी इस चुनाव में ताल ठोक चुके हैं। इसी वर्ग में शामिल अपने भडक़ाऊ भाषणों के चलते चर्चा में रहने वाले अकाली दल (अमृतसर) के अध्यक्ष सिमरनजीत सिंह मान खुद संगरूर की सीट से चुनाव लड़ रहे हैं और वे वहां से वर्तमान सांसद भी हैं। उनके दल के अन्य उम्मीदवार खुशहाल सिंह मान, बलदेव सिंह, अमृतपाल सिंह चंद्रा, मनिन्द्रपाल सिंह क्रमशः आनन्दपुर साहिब, फरीदकोट, लुधियाना व पटियाला से चुनाव मैदान में हैं। पूर्व आईपीएस अधिकारी सिमरनजीत मान खालिस्तान के पक्ष में केवल अपने देश में ही नहीं बल्कि दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में भारत के खिलाफ विषवमन करते रहे हैं। आखिर इतने सारे खालिस्तानी अलगाववादियों का चुनाव लडऩा किस बात का संकेत है? क्या यह खालिस्तानी आतंक की वैचारिक पराजय है या अलगाववादियों की नई कोई रणनीति। इसीलिए जहां इसका स्वागत किया जाना बनता है वहीं सावधान रहने की भी अत्यन्त आवश्यकता है। असल में खालिस्तान एक विकृत सोच है जिसका जन्म विदेशी पोषण और सिख पंथ की मनमाफिक व्याख्या के अवैध सम्बन्धों से हुआ। इस सोच से न केवल पंजाब में हजारों की संख्या में निर्दोषों को जान गंवानी पड़ी बल्कि देश-विदेश में सिखों की छवि को आघात भी पहुंचा। किसी समय विकास की दौड़ में देश में सबसे आगे दौड़ता दिख रहा पंजाब दो दशकों चले आतंकवाद के दौर में हांफने लगा। खालिस्तान पंजाब के सीने पर ऐसे जख्म का नाम बन चुका है जो रह-रह कर रिसना शुरू कर देता है। चाहे पंजाब के अलगाववादी चुनाव तो लड़ रहे हैं परन्तु अभी तक ये तत्व भारतीय संविधान व यहां के दस्तावेजों को नकारते रहे हैं। अमृतपाल तो यहां तक कहता रहा है कि उसके लिए भारतीय पासपोर्ट तो केवल हवाई यात्रा का दस्तावेज मात्र है। देश की एकता-अखण्डता व सम्प्रभुता को चुनौती देने वाले खालिस्तानी अगर भारतीय संविधान की मर्यादा के अन्तर्गत चुनाव लड़ते हैं तो इस परिवर्तन का स्वागत होना चाहिए। भारतीय संविधान की परिधि में रह कर अलगाववादी तत्व संसद में कुछ भी मांग उठाते हैं तो इसका स्वागत होना चाहिए। स्वागत इसलिए क्योंकि

यह भारतीय सार्वभौमिकता और लोकतंत्र की जीत और खालिस्तानी अलगाववाद की सैद्धान्तिक पराजय होगी। ऐसा नहीं कि देश में किसी अलगाववादी संगठन या व्यक्ति ने पहली बार चुनाव लड़ा हो या इस तरह के संगठनों से सरकारों ने समझौते न किए हों। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में ही असम में सक्रिय आतंकी संगठन यूनाइटेड लिब्रेशन फ्रण्ट आफ असम (उल्फा), नागालैण्ड में सक्रिय रहे अलगाववादी संगठन नार्थ ईस्ट सोस्लिट आफ नागालैण्ड (एनएससीएन), पिपुल्स डेमोक्रेटिक साउंसिल आफ कार्बी, कार्बी, लॉंगरी नोर्थ ईस्ट हिल्स लिब्रेशन फ्रण्ट, कार्बी पिपुल्स लिब्रेशन फ्रण्ट, कुकी लिब्रेशन फ्रण्ट, यूनाइटिड पुपिल्स लिब्रेशन फ्रण्ट सहित अनेक आतंकी व अलगाववादी संगठन विभिन्न समझौतों के तहत देश की मुख्यधारा में शामिल हो चुके हैं। पूर्वोत्तर ही क्यों खुद पंजाब व जम्मू-कश्मीर में बहुत से पूर्व आतंकियों का भी प्रत्यक्ष व गुप्त रूप से पुनर्वास किया जा चुका है। अगर अलगाव व आतंक का मार्ग छोड़ कर कोई भटका हुआ नागरिक देश की मुख्यधारा में शामिल होना चाहे तो उसका स्वागत होना चाहिए। इस मार्ग पर चलने वालों को यह भान भी होना चाहिए कि आतंकवाद का मार्ग किसी समस्या का समाधान नहीं, यह देश विभिन्न विचारधाराओं, विविध आस्थाओं का पुष्पगुच्छ है, हां पर किसी को हिंसा व देश को तोडऩे का अधिकार नहीं दिया जा सकता। देश को तोडऩे की बात करने वालों को पहले भारत से टूट कर अलग हुए पाकिस्तान, बंगलादेश, अफगानिस्तान, म्यांमार की हालत देखनी चाहिए कि वहां के लोग किस तरह नारकीय जीवन व्यतीत करने को विवश हैं। इस मामले में सतर्क रहने की भी आवश्यकता है, क्योंकि कहीं चुनावों के माध्यम से अलगाववादी व आतंकी शक्तियां एकजुट होने का प्रयास करती हैं तो इसे सफल नहीं होने देना चाहिए। सांसद सिमरनजीत मान इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं, वो संसद में संविधान की शपथ भी लेते हैं और देश को तोडऩे का भी सपना देखते हैं। हाल ही में उन्होंने सार्वजनिक तौर पर कहा था कि वे खालिस्तानी तत्वों को विदेश में शरण दिलवाने का काम करते हैं। वे अब तक पचास हजार खालिस्तानी तत्वों को विदेश में राजनीतिक शरण दिलवा चुके हैं और हर केस के पैंतीस हजार रूपये की फीस लेते हैं। सांसद बनने के बाद अगर खालिस्तानी अपने पद का दुरुपयोग करते हैं और विदेशों में भारत को बदनाम करते हैं तो इसको भी रोका जाना चाहिए। ज्ञात रहे कि जब कोई भारतीय सांसद अपने लैटरहैड पर किसी खालिस्तानी तत्व को पीड़ित बताता है और भारत से उसकी जान का खतरा बताता है तो इससे इस की पुष्टि हो जाती है कि भारत में यह लोग सुरक्षित नहीं। पंजाब में लोग येन, केन प्रकारेण विदेश जाने को ललायित रहते हैं और वे इस तरह के झूठे लैटरहैडों से भी परहेज नहीं करते। ऐसा करते हुए शार्टकट से विदेश जाने के चाहवान भूल जाते हैं कि उनके इस कदम से देश की कितनी बदनामी होती है। देशविरोधी शक्तियों के कुप्रचार को कितना प्रोत्साहन मिलता है? इसलिए पंजाब के अलगाववादियों के चुनाव लडऩे के मामले को पूरी सतर्कता से लेने की जरूरत है।

आप का नजरीया

चुनाव की भाषा

चुनाव की भाषा में अमर्यादित होती परिपाटी और सियासी उच्चारण में तार-तार होता हिमाचली चरित्र। मंडी की गलियों से शुरू हुआ उम्मीदवारों का भाषायी उन्माद अंत आते-आते पूरे प्रदेश में सिरफिरा हो गया। भाषा और भाषण में अंततः राजनीतिक कंगाली का आलम यह है कि कोई विपक्ष की खिल्ली उड़ा रहा है, तो कहीं सत्ता को कोसने की शब्दावली में जहर भरा है। जो भी हो, भाषा ने हमारी चारित्रिक पहचान डुबो दी है। बावजूद इसके पहली बार हर उम्मीदवार जनता से अपने संवाद की नजदीकी के लिए, स्थानीय बोली में विमर्श पैदा करने की कोशिश में जुटा है। शुरुआती दौर में कंगना ने मंडी की बेटी बनने के लिए स्थानीय बोली में शब्द, स्थानीय पहरावे में रंग और खानपान में विविधता चुनी, तो विक्रमादित्य सिंह ने संभ्रांत उच्चारण से नीचे उतर कर स्थानीय संवाद की कशिश पैदा की। इसे आश्चर्य की दृष्टि से देखें या कांगड़ा-चंबा में कांग्रेसी उम्मीदवार आनंद शर्मा के पहाड़ी प्रयास की तारीफ करें कि इस कद्दावर नेता ने स्थानीय शब्दों को चुनाव में बिलोल दिया। पहली बार हिमाचल अपनी स्थानीयता और पहाड़ीपन की पोशाक पहने चल रहा है, तो हर उम्मीदवार से भाषायी उम्मीदें बढ़ गई हैं। चाहे केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर हों या कोई और, भाषायी सेतु पर चुनाव ने जुबान खोली है। ऐसे में चुनाव की महफिल में हिमाचल के भाषायी सरोकार सामने आ रहे हैं। भले ही अभी बोलियों में हस्ताक्षर हो रहे हैं, लेकिन धीरे-धीरे पक रहा संवाद एक दिन हिमाचल के परिचय में संपूर्ण भाषा का महत्त्व जानेगा। ऐसे में हिमाचली भाषा के तमाम स्रोतों से लांघते लोकसभा चुनाव से यह अपेक्षा की जा सकती है कि आइंदा नेताओं की सर्वमान्यता में प्रदेश को एक प्रतिष्ठित व स्वीकार्य भाषा की जरूरत है। भले ही आज की तारीख में बघाटी, सिरमौरी, कहलूरी, कांगड़ी, चंबयाली, मंडयाली, कुल्लवी व कुछ अन्य बोलियां अपनी-अपनी सतह पर संवाद पैदा कर रही हैं, लेकिन एक दिन बोलियों से आगे निकल कर हिमाचल का स्वाभिमान अपने लिए और अपनी पहचान के लिए राज्य स्तरीय भाषा के खाके को मजबूत करेगा। कम से कम लोकसभा का वर्तमान चुनाव यह शर्त सामने रख रहा है। यह दीगर है कि बोलियों के बीच बोल बिगड़ रहे हैं। सांस्कृतिक तौर पर भी हिमाचल को अपनी चुनावी ताकत का इजहार करते हुए यह सुनिश्चित करना होगा कि पहाड़ की अस्मिता के लिए केंद्र की सत्ता से हमारे अधिकारों की अपेक्षा क्या है। जल, जंगल और जमीन के अलावा पहाड़ की जवानी के प्रति केंद्र के सरोकार लोकसभा चुनाव में परिलक्षित होने चाहिएं। विस्थापन के कई अधूरे पन्ने और पंजाब पुनर्गठन से जुड़े हिमाचली अधिकार पुनः चुनाव में उतरे नेताओं की भाषा में आत्मसम्मान खोज रहे हैं। हिमाचल की भाषा में पंजाब पुनर्गठन से जुड़े अधिकारों का अनुवाद आज तक नहीं हुआ। हम दिल्ली से गुजारिश करते-करते लखनवी अंदाज से बाहर नहीं निकलते, जबकि सरहद पर हमारे नौजवानों की भाषा में पहाड़ी बलिदान का पूरा-पूरा शब्दकोष न जाने कब से देश स्वीकार कर चुका है। जिंदगी के हर मोड़ पर तथा राष्ट्रीय भावना के हर संयोग पर हिमाचल ने हमेशा वही अर्थ समझा जो देश की सार्वभौमिकता व अस्तित्व के लिए लाजिमी है, लेकिन प्रदेश की अपनी जरूरतों की खातिर ऐसी भाषा अस्तित्व में नहीं आई जो प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर सके।

अनजाने में भारतीय सीमा पार कर आई महिला पाकिस्तानी सेना के हवाले

पुंछ (हिंस)। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) की एक 45 वर्षीय महिला को हिरासत में लिए जाने के दो दिन बाद मंगलवार को पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास पाकिस्तानी सेना को सौंप दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि वह अनजाने में भारतीय सीमा पार कर आई थी। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान के कोटली जिले के सखी नाथ गांव की मूल निवासी नसीम फातमा को भारतीय सेना ने शनिवार देर रात राजौरी जिले के नौशेरा सेक्टर के पुखेरनी गांव से हिरासत में लिया था। इसके बाद भारतीय सेना ने अपने पाकिस्तानी समकक्षों से संपर्क स्थापित किया और महिला को आज दोपहर चाकन-दा-बाग सीमा पर पाकिस्तानी सेना को सौंप दिया गया। इस मौके पर दोनों पक्षों के नागरिक अधिकारी मौजूद थे।

आईएनडीआई गठबंधन में 20 लाख करोड़ के घोटालेबाज एक साथ : पीएम

पटना (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के मोतिहारी और महाराजगंज लोकसभा क्षेत्रों में भाजपा उम्मीदवारों राधामोहन सिंह और जनार्दन सिंह सिग्रीवाल के पक्ष में मंगलवार को चुनावी जनसभाओं को संबोधित करते हुए आईएनडीआई गठबंधन पर जमकर प्रहार किया। महाराजगंज में उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार का पता है यह गठबंधन। इनके नेताओं में तीन बातें एक जैसी हैं। कम्युनल, जातिवाद और परिवारवाद। गठबंधन में 20 लाख करोड़ के घोटालेबाज एक साथ हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने गारंटी देते हुए कहा कि आपके लिए दिन-रात मेहनत करुंगा। पहले से भी ज्यादा मेहनत करूंगा। मुझे आपके और आपके बच्चों के भविष्य के लिए विकसित बिहार बनाना है। विकसित भारत बनाना है। उन्होंने कहा कि कल ही पांचवें चरण का चुनाव पूरा हुआ है। पहले चरण में आईएनडीआई गठबंधन पस्त हो गया था। इसके बाद के तीन चरणों में इंडी गठबंधन पूरी तरह परास्त हो गया। पीएम ने

कहा कि जो लोग चांदी का चम्मच लेकर पैदा होते हैं उन्हें पता नहीं कि गरीबी क्या होती है। मैंने सुना है कि यहां कोई घूम-घूमकर कह रहा है कि चार जून के बाद मोदी को बेड रेस्ट होगा। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि मोदी तो क्या देश के किसी भी नागरिक के जीवन में बेड रेस्ट की नौबत नहीं आनी चाहिए। जंगलराज के वारिस से और अपेक्षा भी क्या की जा सकती है। जैसे-जैसे चार जून पास आ रहा है, मोदी के लिए आईएनडीआईए वालों की गालियां और बद्दुआओं की संख्या बढ़ती ही जा रही है। इनसे बर्दाश्त नहीं हो रहा कि मोदी को देश की जनता अगले पांच साल के लिए फिर चुनने जा रही है। मोदी ने कहा कि जिन्होंने बिहार को जंगलराज दिया। नौजवानों को पलायन दिया। परिवारों को गरीबी दी। बिहार के लोगों को मारा-तड़पाया। माताओं-बहनों का जीवन बर्बाद किया। जो लोग आकंठ भ्रष्टाचार में डूबे हैं, जिन्हें अदालत ने घोटाले का दोषी साबित किया है, इन लोगों की आंखों में मोदी चौबीस घंटे खटकता है लेकिन इनकी लाख कोशिशों के बाद भी मैं आपकी सेवा में डटा रहूंगा। पीएम ने कहा कि गरीब से गरीब मां-बाप भी हमेशा चाहता है कि जाने के बाद बच्चों को विरासत में कुछ देकर कर जाएं। मोदी एक ऐसा इंसान है जिसकी अपनी कोई विरासत नहीं है। मेरे लिए तो आप ही मेरी विरासत हैं। आप ही मेरे वारिस हैं। मेरा और कोई वारिस नहीं है। इसलिए मुझे आपका और आपके बच्चों का उज्ज्वल भविष्य बनाने के लिए अपने आप को खपा देना है। इसलिए आपके गांव आपका आशीर्वाद मांगने आया हूं। आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए केंद्र में फिर एक बार मजबूत सरकार चाहिए।

देश को बांटने के लिए हुआ है इंडिया गठबंधन : योगी

सन्त कबीरनगर (हिंस)। लोकसभा चुनाव को लेकर चल रहे चुनाव प्रचार में और तेजी लाने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज बस्ती मण्डल के तीनों जनपदों में 20 जनसभा कर रहे हैं। सिद्धार्थ नगर भाजपा उम्मीदवार जगदम्बिका पाल के समर्थन में चुनावी जन सभा करने के बाद संतकबीरनगर के मेहदावल में चुनावी जन सभा कर प्रवीण निषाद के पक्ष में मतदान की अपील की। जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने ने कहा कि समाजवादी पार्टी का दिल माफिया के साथ है, आम जनता के साथ नहीं। प्रभु श्री राम का भव्य मंदिर का निर्माण होने से हिंदू जनमानस ने अपना खोया सम्मान वापस पाया। जो लोग भारत में रहकर पाकिस्तान के नारे लगाते हैं, उन्हें पाकिस्तान चले जाना चाहिए वहां जाने पर पता चलेगा कि वहां कितनी महंगाई और भुखमरी है जब एक रोटी के लिए लड़ना पड़ेगा। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चार करोड़ गरीबों को आवास मिला है तो वहीं देश समृद्ध हुआ है। देश हर मोर्चे पर आगे बढ़ रहा है और विश्व पटल पर देश का नाम रोशन हो रहा है। उन्होंने कहा कि महापुरुषों का सम्मान करना का किसी को सीखना है तो वह भारतीय जनता पार्टी की सरकार से सीखे। हम धर्म से लेकर समाज के क्षेत्र में काम करने वाले सभी लोगों का सम्मान करना जानते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी का गठबंधन एक खतरनाक सोच के साथ हुआ है, इससे देश और जनता दोनों का भला नहीं होगा। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के अंदर औरंगजेब की आत्मा घुस गई हुई है, जो देश को तोड़ने और बांटने के लिए काम कर रही है। वह देश का विकास नहीं कर सकती। देश में तीसरी बार नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनेंगे।

योगी के खौफ से माफिया जेल में रहना कर रहे हैं पसंद : दयाशंकर सिंह

सुलतानपुर (हिस)। उत्तर प्रदेश सरकार के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने मंगलवार को भाजपा उम्मीदवार मेनका संजय गांधी के पक्ष में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश का गौरव बढ़ाने के लिए नरेंद्र मोदी की सरकार बनाना है। इसके लिए हमें भाजपा के उम्मीदवार को जिताना भी जरूरी है। उन्होंने केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में बताते हुए कहा कि आज प्रदेश में भी जो माफिया हुआ करते थे या तो वह जेल में हैं या फिर उन्हें अपने कर्मों की सजा मिल गई है। अपराधियों में ऐसा खौफ है कि वह अब जेल से बाहर निकलना भी नहीं चाहते। उन्होंने गरीबों को सताया। उनकी जमीनें हड़पीं। आज सरकार ने उन अपराधियों पर कार्यवाही कर गरीबों को उनकी जमीन लौटाई और रंगदारी वसूली आदि भी बंद कराया। भय मुक्त समाज की स्थापना प्रदेश में योगी सरकार के आने के बाद हुई। आज आधी रात में भी महिलाएं भय

मुक्त होकर अपने कामों को निपटाती हैं। उनके घर वालों को अपने बहू बेटियों के बाहर जाने पर भी कोई आपत्ति इसलिए नहीं होती क्योंकि उन्हें पता है कि प्रदेश में अब योगी की सरकार है। उन्होंने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि 75 वर्ष में कांग्रेस को अपने गढ़ अमेठी में एक नेता भी नहीं मिला, जिसको वह अपने घर से चुनाव लड़ा सके। स्मृति ईरानी के डर से वह रायबरेली भाग गए, जहां उनकी हार सुनिश्चित है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की 80 में से 80 सीट आएंगी और अन्य सभी विपक्षी पार्टियां नेस्तनांबूत हो जाएंगी। उन्होंने उपस्थित लोगों को संकल्प दिलाया कि वह खुद मतदान करने के बाद 10-10 परिवारों को भी मतदान कराएं जिससे मेनका गांधी भारी बहुमत से जीतें। मेनका गांधी जितने अंतर से जीतेंगी, उतना ही उत्साह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अंदर पैदा होगा। उन्होंने जनता की मांग पर यह आस्वासन दिया कि आचार संहिता समाप्त होने के बाद वह इस जिले से लखनऊ के लिए डबल डेकर व अन्य जनपदों के लिए इलेक्ट्रिक बस सेवा की सुविधा देने पर विचार करेंगे। सभा को सांसद मेनका गांधी ने संबोधित करते हुए कहां कि मतदान करना आपका संवैधानिक अधिकार है। अधिकार का प्रयोग करिए और मजबूत सरकार बनाने में अपना योगदान करिए। भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. आरए वर्मा, विधायक राज प्रसाद उपाध्याय एवं विनोद सिंह ने संबोधित किया।

पचास हजार का इनामी अपराधी एक पिस्तौल व तीन कारतूस के साथ गिरफ्तार

सहरसा (हिंस)। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले के टॉप टेन अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर लगातार दबिश बनाई जा रही है। इसी कड़ी में पुलिस के द्वारा पचास हजार का इनामी अपराधी को अवैध हथियार और तीन जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में साइबर डीएसपी अजीत कुमार ने मंगलवार को सदर थाना में प्रेस वार्ता आयोजित कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पस्तपार पुलिस शिविर क्षेत्र अंतर्गत गश्ती के क्रम मे थानाध्यक्ष पंकज कुमार यादव को जिला आसूचना इकाई के द्वारा दूरभाष के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि जिले के फरार पचास हजार का ईनामी अपराधी आशीष कुमार पिता सचेन्द्र यादव सा.-बलैठा, वार्ड नं.-04, थाना-बसंनही जिला सहरसा अपने सहयोगी के साथ जीरवा नहर पुल के पास किसी अपराधिक घटना को अंजाम देने के उधेश्य से खड़ा है। वही सूचना के सत्यापन व आवश्यक कार्यवाई हेतु थानाध्यक्ष, जिला आसूचना इकाई के पदाधिकारी व कर्मी एवं सहस्त्र बल के साथ जीरवा नहर पुल के पास पहुंचे तो देखें कि दो व्यक्ति पुल के पास खड़ा है। जो पुलिस वाहन को देख कर मोटरसाईकिल से भागने का प्रयास करने लगा। जिसे सशस्त्र बल के सहयोग घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पकड़ाये व्यक्ति का नाम पता पूछने पर आशीष कुमार, पे.-सचेन्द्र यादव एवं रामलाल कुमार पे बेचन मुखिया बताया तथा उनके पास से एक देशी कट्टा एवं चार जिंदा बरामद किया गया। इस सबंध में सौरबाजार पस्तपार थाना आर्म्स एक्ट से संबंधित मामला दर्ज कर आग्रिम कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि एक देसी कट्टा, चार जिंदा कारतूस तथा एक मोटरसाईकिल बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अपराधकर्मी आशीष कुमार का पुराना अपराधिक इतिहास रहा है।

मातृशक्ति ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

उदयपुर (हिंस)। पर्यावरण संरक्षण गतिविधि उदयपुर महानगर की ओर से ऋणमुक्तेस्वर महादेव मंदिर में शिव आरती करने के साथ ही परिंडा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पर्यावरण संरक्षण गतिविधि हारित ऋषि नगर इकाई के नगर संयोजक उदित चौबीसा ने बताया कि ऋणमुक्तेस्वर महादेव मंदिर में रामस्वरूप सोनी की ओर से मातृशक्ति को परिंडे वितरित किए गए। परिंडे वितरण के दौरान सभी को संकल्प दिलाया गया कि पर्यावरण को बचाने के लिए हमें भी अधिक से अधिक पौधारोपण करने के साथ ही उसका संरक्षण करना है। गर्मी के इस मौसम में मूक पक्षियों के लिए दाना व पानी की व्यवस्था करना भी हमारा नैतिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण गतिविधि उदयपुर महानगर संयोजक मनीष मेघवाल, ऋणमुक्तेस्वर विकास समिति के पंकज कुमावत, भूपेंद्र सिंह डोडिया, मेवाड़ क्रिकेट क्लब के कौशल नकवाल, माधव सिंह सिसोदिया, अजय सिंह, अजय सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

भाजपा को 400 नहीं 140 सीटों के लिए तरसाएगी जनता : अखिलेश

आजमगढ़ (हिंस)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने केंद्र और प्रदेश सरकर पर हमला बोलते हुए कहा कि देश में बेरोजगारी, महंगाई चरम सीमा पर है। नौजवानों को रोजगार न देना पड़े इसलिए आए दिन पेपर लीक हो रहे हैं। इस लोकसभा चुनाव में जनता भाजपा को 140 सीटों के लिए तरसाएगी। सपा प्रमुख ने मंगलवार को लालगंज लोकसभा के सरायमीर बाजार के खरेवा मोड़ पर आयोजित चुनावी जनसभा में लालगंज लोकसभा में सपा प्रत्याशी दरोगा सरोज के पक्ष में जनता से वोट करने की अपील की है। जनसभा में कार्यकर्ताओं ने हंगामा किया तो पुलिस ने लाठियां भांजकर किसी तरह से उन्हे शांत कराया। इसके बाद जनसभा को संबोधित करते हुए अखिलेश ने कहा कि जो भारतीय जनता

पार्टी के खिलाफ मतदान होना शुरू हुआ है, आखिरी तक जब पूर्वांचल का चुनाव व सातवां चरण खत्म होगा तब भारतीय जनता पार्टी का सफाया हो जाएगा। इन्होंने किसान को संकट में डाल दिया। न किसान की आय दुगुनी हुई न उनकी पैदावार बढ़ाई। न पैदावार की कीमत दे पर रहे हैं। नौजवानों को बड़े पैमाने पर बेरोजगारी के हवाले छोड़ दिया। तीस लाख सरकारी नौकरियां दिल्ली में खाली है। उत्तर प्रदेश में हर परीक्षा रद्द हो गई। जानबूझकर पेपर लीक किया गया, जिससे नौकरी और आरक्षण न देना पड़े। नौकरी तो सबको मिलती लेकिन आरक्षण तो एक सीमित लोगों को मिलता। लेकिन इन्होंने जानबूझकर खिलवाड़ किया है। अखिलेश यादव ने कहा कि इन्होंने नौजवानों की नौकरी नहीं छिनी बल्कि नौजवानों का एक तिहाई जीवन बर्बाद कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लिए बिना सपा प्रमुख ने कहा कि चार सौ पार इसलिए बोल रहे है कि 543 सीटें, चार सौ पार का मतलब 143 सीटें और जनता इन्हें 140 के लिए तरसाएगी। सभी लोग जानते हैं। आजमगढ़ में हवाई पट्टी नेताजी ने बनाई थी। उसके बाद बड़ा पिछली सरकार में मैंने किया था, इसको और आगे लेकर गए।

संविधान का बार-बार अपमान करने वाले आज संविधान बचाने की बात कर रहे : प्रतुल शाहदेव

रांची (हिंस)। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि इंडी गठबंधन के लोग संविधान बचाने की बात कहकर घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं। दरअसल, संविधान का सर्वाधिक बार अपमान इसी इंडी गठबंधन के लोगों ने किया है। प्रतुल शाह देव मंगलवार को मारू टावर स्थित मीडिया सेंटर में पत्रकार वार्ता कर रहे थे। प्रतुल ने कहा कि संविधान का पहला संशोधन 1951 में जवाहरलाल नेहरू ने किया था जब वह अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री थे। अभिव्यक्ति की आजादी पर कई पाबंदियां लगाई थी। प्रतुल ने कहा कि 1975 में जब राजनारायण मामले में इंदिरा गांधी मुकदमा हार गई तो उन्होंने पूरे संविधान को ही सस्पेंड करते हुए देश में आपातकाल लगा दिया। लोगों के मौलिक अधिकार छीन लिए गए। नसबंदी की जाने लगी। वर्ष 1976 में 42वें संशोधन के जरिए इंदिरा गांधी ने संविधान का सबसे बड़ा परिवर्तन किया था, जिसमें 20 प्रतिशत संविधान को बदल दिया गया। राज्य सरकार, सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट की शक्तियों को कम करके पीएमओ को दे दिया। सर्वोच्च न्यायालय ने मिनर्वा वर्सेस यूनियन ऑफ इंडिया मामले में इसके विवादास्पद प्रावधानों को निरस्त किया। प्रतुल ने कहा कि इसके बाद राजीव गांधी ने 1986 में शाहबानो मामले में सिर्फ मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए सुप्रीम कोर्ट के फैसले को बदलते हुए संविधान की मूल भावना के विपरीत जाकर अदालत के निर्णय को पलटवा दिया। इसके अतिरिक्त संविधान में प्रेस की आजादी वर्णित है लेकिन राजीव गांधी ने 1988 में मानहानि विधायक लाकर प्रेस पर अंकुश लगाने का प्रयास किया था। उन्होंने कहा कि संविधान की कोख से जन्मे संसद के कैबिनेट से पास अध्यादेश को शहजादे राहुल गांधी ने 2013 में सार्वजनिक रूप से फाड़कर देश के संविधान का अपमान किया था।

कांग्रेस-झामुमो को राजनाथ की चुनौती

बोकारो (हिंस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस और झामुमो को चुनौती देते हुए कहा कि यदि राजनीति करनी है तो जनता की आंखों में आंखें डालकर करें। उन्होंने कहा कि ये लोग ईमानदारी की बात करते हैं। कहते हैं मोदी आ गए तो आरक्षण खत्म कर देंगे। किसी भी सूरत में भाजपा ऐसा नहीं करेगी। ये लोग धर्म के आधार पर आरक्षण देकर देश की जनता को गुमराह करना चाहते हैं। हम भेदभाव करने वाली पार्टी नहीं हैं। हम जनता की आंखों में धूल नहीं झोंकते। हम आंखों में आंखे डालकर राजनीति करते हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मंगलवार को बोकारो जिले के सेक्टर-2सी के दुर्गा पूजा मैदान में धनबाद लोकसभा क्षेत्र के एनडीए प्रत्याशी ढुल्लू महतो के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि झारखंड में अकूत खनिज संपदा है। यहां बड़ी संख्या में आदिवासी और दलित रहते हैं। यहां बाबूलाल मरांडी, अर्जुन मुंडा और रघुवर दास मुख्यमंत्री रह चुके हैं लेकिन इन तीनों के दामन पर कोई दाग नहीं लगा लेकिन झारखंड में गठबंधन की सरकार बनते हैं भ्रष्टाचार होने लगे। क्या यहां के भ्रष्ट लोग शासन संभालेंगे? राजनाथ ने कहा कि यहां के मुख्यमंत्री तो छोड़िए उनके मंत्रियों के पीएस के पास से नोटों की गड्डियां मिल रही हैं। बिना मुख्यमंत्री के शह के यह किसी भी सूरत में सफल नहीं हो सकता। आज उनको गिरफ्तार कर लिया तो कहते हैं कि भाजपा अपने सारे विरोधियों को प्रताड़ित कर रही है। उन्होंने कहा कि आज आपको एक चीज कहना चाहता हूं, मोदी सरकार में यदि हमारा कोई व्यक्ति भ्रष्टाचार के मामले में पकड़ा जाएगा तो उसका स्थान उसका घर नहीं जेल होगा। ये झामुमो-कांग्रेस वाले भ्रष्टाचार करने के बाद भी हमारी सरकार के ऊपर लगा रहे हैं।

देश में मधुमक्खियों से शहद का कुल उत्पादन सवा लाख मैट्रिक टन से अधिक

बीकानेर (हिंस)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विस्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि महाविद्यालय में विश्व मधुमक्खी दिवस के अवसर पर *खाद्य सुरक्षा एवं जैव विविधता के लिए मधुमक्खियां जरूरी* विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. अरूण कुमार ने कहा कि खाद्य सुरक्षा और जैव विविधता को बनाए रखने में मधुमक्खी एक महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने कहा कि मधुमक्खी एक ऐसा सामाजिक कीट है जो ना सिर्फ शहद उत्पन्न करता है बल्कि इसके द्वारा रॉयल जैली, पराग कण, प्रोपोलिस, मोम आदि भी प्राप्त होता है। विदित है कि मधुमक्खी दिवस सम्पूर्ण विश्व में 20 मई को मधुमक्खी पालन के प्रथम अन्वेषक ऐन्टोन जानसा की जयंती पर वर्ष 2017 से प्रति वर्ष मनाया जा रहा है। कार्यक्रम में कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. पीके यादव ने मधुमक्खियों के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि दुनिया

में मधुमक्खी ना हो तो मानव सभ्यता खतरे में पड़ जाएगी। इसी क्रम में प्रसार निदेशक डॉ. सुभाष चंद्र ने मधुमक्खी पालन को उद्यमिता के रूप में अपनाने को लेकर कहा कि इसे स्वरोजगार के रूप में अपनाना चाहिए। इसमें जमीन की भी आवश्यता नहीं होती। वरिष्ठ कीट वैज्ञानिक एवं छात्र कल्याण निदेशक डॉ. वीर सिंह ने मधुमक्खी से प्राप्त होने वाले विभिन्न उत्पादों व उनकी उपयोगिता पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। कीट विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. एचएल देशवाल ने बताया कि विश्व मधुमक्खी दिवस मनाने का उद्देश्य युवाओं व आमजन में मधुमक्खियों के योगदान के बारे में जागरूक करना है और कृषि के सुस्थिर उत्पादन में मधुमक्खियों के योगदान के बारे में बताना है। उन्होने बताया कि देश में मधुमक्खियों से शहद का कुल उत्पादन 1 लाख 33 हजार मैट्रिक टन होता है। देश में शहद उत्पादन में राजस्थान का स्थान पांचवां है। साथ ही बताया कि मधुमक्खियों द्वारा परागण होने से विभिन्न फसलों मे उत्पादन में वृद्धि होती है। कार्यक्रम में डॉ. विमला डुकवाल, डॉ. दाताराम, डॉ. निर्मल सिंह दहिया, डॉ. राजेश वर्मा समेत विस्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों के अधिष्ठाता, निदेशक, महाविद्यालय के प्राध्यापक गण, कार्मिक व स्टूडेंट्स उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. वीएस आचार्य ने किया।

हाजत में जीजा एवं साली मौत मामले में पप्पू यादव ने की पीड़ित परिवार को आर्थिक मदद

अररिया (हिंस)। अररिया के ताराबाड़ी थाना के हाजत में जीजा साली की मौत के बाद हुए बवाल को लेकर पुलिस की ओर से किए जा रहे कार्रवाई पर पूर्व सांसद पप्पू यादव ने सवाल खड़ा किया। पूर्व सांसद पप्पू यादव मंगलवार को ताराबाड़ी पहुंचे और दोनों पीड़ित परिवार से मिलकर उनकी आर्थिक मदद की। पत्रकारों से बात करते हुए पप्पू यादव ने कहा कि सामाजिक मामलों को सामाजिक स्तर पर ही समाप्त करना चाहिए। उन्होंने सीसीटीवी के फुटेज के हर पहलू की जांच करते हुए ऑन ड्यूटी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि थाना के हाजत में पुलिसिया लापरवाही के कारण जीजा साली की मौत की घटना घटित हुई। उसके बाद हुए हंगामा का उपद्रवी तत्वों ने फायदा उठाते हुए पथराव और आगजनी की घटना को क्रियान्वित किया। उन्होंने कहा कि पुलिस कार्रवाई के नाम पर आमजनों के घरों में देर रात प्रवेश कर लोगों को तंग कर रही है। पुलिसिया जुल्म गलत तरीके से हो रहा है। जिसके कारण ग्रामीणों में भय है। जिन्हें कम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पुलिस को यह ध्यान रखना चाहिए कि उपद्रव करने वाले दोषी बचे नहीं और निर्दोष फंसे नहीं। दोषी के परिवार वालों पर जुल्म को उन्होंने गलत करार दिया और मसले पर एसपी समेत डीआईजी से बात करने की बात कही। इससे पहले पूर्व सांसद पप्पू यादव ने पीड़ित परिवार वालों से मुलाकात की। उन्होंने दोनों पीड़ित परिवार से भेंट कर मामले की जानकारी ली। मौके पर मृतक मिट्ठू की पहली पत्नी मुस्कान ने पुलिस पर आरोप लगाया कि थाना में उसके पति और बहन के साथ दुर्व्यवहार किया गया था। जिसके कारण उसके पति और बहन ने फांसी लगाकर खुदकुशी की। उन्होंने कहा कि पुलिस का रवैया काफी खराब था और घटना में वेलोग शामिल नहीं हैं। बावजूद इसके पुलिस उनलोगों को परेशान कर रही है। पप्पू यादव ने आम ग्रामीणों से भी मुलाकात कर घटना की जानकारी ली। उन्होंने घटना को लेकर गहरा शोक संवेदना व्यक्त की।

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की पुण्यतिथि आयोजित

सहरसा, मई (हि.स.)। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री की पुण्यतिथि पर मंगलवार को जिला कांग्रेस कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता मोहम्मद नईमुद्दीन ने की। इस अवसर पर स्व. राजीव गांधी के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन किया गया। अध्यक्ष मोहम्मद नईमुद्दीन ने कहा कि देश के सबसे युवा प्रधानमंत्री की नृशंस हत्या किए जाने के कारण इसे उग्रवाद निरोध दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि देश के कंप्यूटराइजेशन और टेलीकम्युनिकेशन क्रांति का श्रेय उन्हें जाता है। स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं में महिलाओं को तैतीस प्रतिशत रिजर्वेशन दिलवाने का काम उन्होंने किया। साथ ही मतदाता की उम्र 21 वर्ष से कम करके 18 वर्ष तक के युवाओं को चुनाव में वोट देने का अधिकार स्व राजीव गांधी ने दिलवाया। उन्होंने पूरे देश में ग्राम सरकार की अवधारणा लागू की और पंचायतों को ज्यादा अधिकार दिए। उनका मानना था कि ग्राम पंचायतों को सत्ता में वह दर्जा मिलना चाहिए जो संसद और विधानसभा का है। इंटक जिलाध्यक्ष सत्यनारायण चौपाल ने कहा कि

ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों के लिए नवोदय विद्यालय की स्थापना मिल का पत्थर साबित हुआ है। साथ ही अयोध्या में विवादित स्थल का ताला खुलवाया ऐसा कहा जाता है कि हिन्दू समुदाय की नाराजगी को कम करने के लिए वर्ष 1985 में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने अयोध्या के विवादित स्थल का ताला खुलवा दिया और 1989 में राम मंदिर के निर्माण के लिए शिलान्यास की इजाजत भी दे दी।

बैंकों को पहली बार तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक लाभ इस साल आईटी कंपनियों के तुलना में तिगुना मुनाफा

नई दिल्ली।
बैलेंसशीट में सुधार के दम पर देश के बैंकिंग क्षेत्र ने पहली बार तीन लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का मुनाफा कमाया है। सरकारी और निजी बैंकों का लाभ सालाना आधार पर 40.90 फीसदी बढ़कर 2023-24 में 3.1 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। 2022-23 में यह 2.2 लाख करोड़ रुपये रहा था। खास बात है कि बीते वित्त वर्ष में बैंकों ने आईटी कंपनियों से ज्यादा मुनाफा कमाया है। तीन लाख करोड़ रुपये का यह आंकड़ा मोटे तौर पर बीते वित्त वर्ष की शुरुआती तीन तिमाहियों के दौरान सभी सूचीबद्ध कंपनियों के मुनाफे के बराबर है। 2023-24 में सूचीबद्ध आईटी सेवा कंपनियों का शुद्ध लाभ करीब 1.1 लाख करोड़ रुपये रहा है। आंकड़ों के मुताबिक, कुल मुनाफे में सरकारी बैंकों (पीएसबी) की हिस्सेदारी 45.80 फीसदी यानी 1.42 लाख करोड़ रही। यह 2022-23 की तुलना में 34 फीसदी अधिक है। निजी बैंकों का मुनाफा 42 फीसदी बढ़कर 1.7 लाख करोड़ पहुंच गया, जो कुल मुनाफे का 54.83 फीसदी है। निजी बैंकों के साथ अंतर घटा रहे पीएसबी हाल के वर्षों में पीएसबी अपनी बैलेंसशीट में सुधार कर और कमाई बढ़ाकर निजी बैंकों के साथ लाभ के अंतर को कम कर रहे हैं। तीन वर्षों में सरकारी बैंकों का शुद्ध लाभ चार गुना से ज्यादा बढ़ा है। कई बैंकों ने पेंशन के लिए एकमुश्त प्रावधान नहीं किया होता तो पीएसबी और ज्यादा लाभ कमाते। 45.8 प्रतिशत रही पीएसबी की हिस्सेदारी कुल फायदे में 54.83 प्रतिशत निजी बैंकों की 2018 में घाटे में थे सरकारी बैंक आंकड़ों के मुताबिक, 2017- 18 में सरकारी बैंक 85,390 करोड़ रुपये घाटे में थे। 2023- 24 में कुल 12 सरकारी बैंकों ने रिकॉर्ड मुनाफा कमाया है। जिन बैंकों के मुनाफे में 50 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी देखने को मिली है, उनमें बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ महाराष्ट्र और इंडियन ओवरसीज बैंक शामिल हैं। पहले गरीबों के लिए बंद थे बैंकों के दरवाजे पीएम नरेंद्र मोदी ने इस उपलब्धि और बैंकिंग की लंबी यात्रा पर कहा, बैंकिंग क्षेत्र ने 10 वर्षों में अच्छा प्रदर्शन किया है।

न्यूज ब्रीफ

चौथी तिमाही में 6.2 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ सकती है जीडीपी एनएफआरए ने दो ऑडिटर्स पर लगाया 2.5 करोड़ का जुर्माना

नईदिल्ली। देश की जीडीपी 2023-24 में 6.9 से 7 फीसदी की रफ्तार से आगे बढ़ सकती है। चौथी तिमाही यानी जनवरी-मार्च अवधि में इसकी रफ्तार 6.2 फीसदी रहने का अनुमान है इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च के प्रमुख अर्थशास्त्री सुनील कुमार सिन्हा ने कहा, पहली दो तिमाहियों में वृद्धि दर को कम आधार का फायदा मिला। हालांकि, तीसरी (अक्तूबर-दिसंबर) तिमाही में 8.4 फीसदी की वृद्धि दर आश्चर्यजनक थी। सरकार चौथी तिमाही और 2023-24 के लिए जीडीपी वृद्धि दर के शुरुआती अनुमान 31 मई को जारी कर सकती है। तीसरी तिमाही में मिला था उच्च कर संग्रह का फायदा सिन्हा ने कहा, जब हम आंकड़ों का विश्लेषण करते हैं तो पता चलता है कि जीवीए और जीडीपी के बीच अंतर है। तीसरी तिमाही में जीडीपी को बड़ा प्रोत्साहन उच्च कर संग्रह से मिला है, लेकिन चौथी तिमाही में ऐसा होने की संभावना नहीं है। पारा चढ़ने के साथ बिजली की अधिकतम मांग 235 गीगावाट देश में पारा चढ़ने के साथ बिजली की अधिकतम मांग मई में 235 गीगावाट के आसपास बनी हुई है। गर्मी बढ़ने और लू चलने के साथ बड़े पैमाने पर एयर कंडीशनर व कूलर के उपयोग से बिजली की मांग बढ़ी है। बिजली मंत्रालय के मुताबिक, बिजली की अधिकतम मांग 6 मई को दिन में 233 गीगावाट पहुंच गई। एक साल पहले यह 221.42 गीगावाट थी। 18 मई को अधिकतम मांग 229.57 गीगावाट तक पहुंच गई। मंत्रालय ने इस माह की शुरुआत में अनुमान लगाया था कि मई में दिन में बिजली की मांग 235 गीगावाट और शाम के समय 225 गीगावाट तक पहुंच जाएगी। जून में दिन में इसके 240 गीगावाट और शाम के समय 235 गीगावाट रहने की संभावना है। एनएफआरए ने दो ऑडिटरों पर लगाया 2.5 करोड़ रुपये जुर्माना राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) ने 2018-19 में रिलायंस कमर्शियल में पेशेवर कदाचार और ऑडिटिंग से जुड़ी खामियों के लिए दो ऑडिटरों पर 2.5 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है।

देश में जिंक की मांग दोगुनी होने की उम्मीद

नई दिल्ली । स्टील सहित बुनियादी ढांचा क्षेत्र में भारी निवेश की वजह से अगले पांच से 10 साल में देश में जिंक की मांग दोगुनी हो सकती है। इंटरनेशनल जिंक एसोसिएशन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत में प्राथमिक और परिष्कृत जिंक मार्केट वर्तमान में 800 से 1,000 टन सालाना के करीब है और हम भारत में जो विकास देख रहे हैं उसके आधार पर कहा जा सकता है कि इसमें वृद्धि का एक शानदार अवसर है। हम अतिरिक्त स्टील कैपेसिटी में भारी निवेश देख रहे हैं और इस्पात को अभी भी गैल्वेनाइज्ड कोटिंग्स द्वारा संरक्षित करने की आवश्यकता है। हम देखते हैं कि नई गैल्वनाइजिंग लाइन के लिए बहुत सारी योजनाएं और निवेश चल रहे हैं। इसलिए मुझे भारत में जस्ता की मांग बढ़ने की उम्मीद है। भारत में जिंक की मौजूदा मांग 800 से 1,000 टन प्रति वर्ष है। अधिकारी ने कहा कि भारत में जिंक यूजर्स बहुत कम हैं। देश में इसकी प्रति व्यक्ति खपत लगभग आधा किलोग्राम है और यह वैश्विक औसत से काफी कम है।

भारत में नई मिडसाइज एसयूवी लाएगी जीप

नई दिल्ली । भारत में जीप कंपनी नई मिडसाइज एसयूवी लाने की तैयारी कर रही है। संभवतः ये गाड़ी 2025 में लॉन्च हो सकती है। इसे सीट्रोन के सहयोग के साथ लाया जा सकता है और सीट्रोन सी3 एयरक्रॉस के समान स्टेलेंटिस सीएमपी प्लेटफॉर्म पर उतारा जाएगा। नई जीप एसयूवी में सीट्रोन गाड़ी के समान 1.2-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन मिल सकता है, जो 109बीएचपी की पावर और 205 एनएम का टॉर्क पैदा करता है। इसे 6-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड एएमटी गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है। अपकमिंग एसयूवी की कीमत 15 लाख से 18 लाख रुपये एक्स-शोरूम के बीच रखी जा सकती है, जो कंपनी की भारत में सबसे किफायती एसयूवी हो सकती है।नई एसयूवी भारत में हुंडई क्रेटा, मारुति सुजुकी ग्रैंड विटारा, किआ सेल्टोस, होंडा एलिवेट, स्कोडा कुशाक और फॉक्सवैगन टाइगुन को टक्कर देगी।

इनकी छह टेबल से शुरू हुई दुकान के कारण बंबई में लगता था जाम

नई दिल्ली।
17 मई 2024 की देर रात नैचुरल्स आइसक्रीम के संस्थापक और आइसक्रीम मैन ऑफ इंडिया कहे जाने वाले रघुनंदन श्रीनिवास कामत का निधन हो गया। वे 70 वर्ष के थे। कंपनी ने एक एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर उनकी एक मुस्कुराती हुई तस्वीर के साथ निधन की सूचना देते हुए कहा, एक मुस्कान जिसे कभी नहीं भुलाया जाएगा। एक मुस्कान जो हमें प्रेरणा देती रहेगी कि उनका युग कभी खत्म नहीं होगा। भारत के आइसक्रीम मैन हमेशा हमारे और आपके दिलों में रहेंगे। कामत का जन्म कर्नाटक के मंगलुरु स्थित मुल्की गांव में एक आम के दुकानदार के घर 1954 में हुआ था। कामत ने नैचुरल्स आइसक्रीम नामक प्रसिद्ध ब्रांड की स्थापना की। फिलहाल इस ब्रांड की अनुमानित कीमत 400 करोड़ रुपये है। कामत उद्योग जगत के एक चर्चित चेहरे और कई लोगों के लिए प्रेरणास्त्रोत रहे। आइए जानते हैं नैचुरल्स आइसक्रीम के संस्थापक और आइसक्रीम मैन ऑफ इंडिया रघुनंदन श्रीनिवास कामत के बारे में सबकुछ।

कब और कैसे हुई नेचुरल्स आइसक्रीम की शुरुआत – रघुनंदन कामत ने 1984 में उन्होंने मुंबई के जुहू कोलीवाड़ा में पहली नैचुरल्स आइसक्रीम की दुकान शुरू की। शुरुआत में ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए उन्होंने आइसक्रीम के साथ पाव भाजी बेची। वर्तमान में, कंपनी की भारत में 15 राज्यों में 160 से अधिक दुकानें हैं। कंपनी को इस मुकाम तक पहुंचाने की कामथ की यात्रा बहुत दिलचस्प रही।

पिता आम बेचते थे, बेटे को हुआ फलों की दुनिया से प्यार – नैचुरल्स आइसक्रीम के संस्थापक रघुनंदन कामत मंगलौर के एक छोटे से गांव में अपने पिता, जो आम के विक्रेता थे की सहायता करते हुए बड़े हुए। देखते ही देखते उन्हें फलों की दुनिया से प्यार हो गया। उन्होंने पके फलों को चुनने, उसे तोड़ने, छांटने और संरक्षित करने की कला सीखी। एक दिन उनके दिमाग में विचार आया कि अगर आइसक्रीम में फलों का फ्लेवर इस्तेमाल किया जा सकता है, तो असली फलों का इस्तेमाल क्यों नहीं किया जा सकता धीरे-धीरे यह सवाल उनके दिमाग में बैठ गया। इस इसी सवाल के जवाब को हम नेचुरल्स आइसक्रीम के रूप में जानते हैं।

सेकंड क्लास की टिकट और फर्स्ट क्लास के आइडिया ने कैसे किया कमाल – किशोर से युवा हो रहे 15 साल के रघुनंदन कामत ने एक दिन अपने पिता का व्यवसाय छोड़ दिया। उन्होंने सेकंड क्लास का टिकट लिया और मंगलुरु (तब मंगलोर) से मुबंई (तब बंबई) की ट्रेन में बैठ गए। भले ही उनके पास टिकट सेकंड क्लास की थी, पर उनके दिमाग में बिजनेस आइडिया फर्स्ट क्लास का था। जिसे आगे चलकर दुनिया नेचुरल्स आइसक्रीम के रूप में जानने जानने और उसके स्वाद की दीवानी होने वाली थी। हालांकि कामत की यात्रा शुरू हो गई थी पर चुनौतियां अभी खत्म नहीं हुई थी।

चुनौतियों से कैसे निपटे आइसक्रीम मैन ऑप इंडिया – कामत इस बात को लेकर अनिश्चित थे कि लोग उनकी फलों के स्वाद वाली आइसक्रीम का स्वाद चखने आएंगे या नहीं। हालांकि उन्हें यकीन था कि अगर लोग एक बार भी आएंगे, तो वे वापस आते रहेंगे। बंबई पहुंचकर कामत ने अपने भाई के दक्षिण भारतीय भोजनालय में काम करना शुरू कर दिया। वहां उन्होंने खुद से आइसक्रीम बनाकर बेचनी शुरू की। वह चॉकलेट और वनिला से परे जाकर आइसक्रीम के जायके में विविधता लाना चाहते थे, हालांकि ऐसा करने के लिए उनके पास संसाधन बहुत कम थे, क्योंकि उनके भाई कामत के इस विचार से बहुत सहमत नहीं थे।

महज छह टेबल के साथ शुरू हुआ कारोबार 400 करोड़ रुपये का बना – साल 1982 में उन्होंने अपने दम पर कारोबार शुरू किया। उसके बाद नैचुरल्स आइसक्रीम का जन्म 1984 में जुहू के कोलीवाड़ा में छह टेबल के साथ 200 वर्ग फुट की जगह में हुआ। जिसके प्रारंभिक मेनू में लगभग 12 फ्लेवर थे। शुरुआती दौर में ग्राहकों को लुभाने के लिए वे मुख्य व्यंजन के रूप में पाव भाजी बेचते थे। उसके साथ आइसक्रीम परोसी जाती थी। धीरे-धीरे कामत के छोटे से भोजनालय ने लोगों का ध्यान खींचना शुरू। जल्द ही यह एक पूर्ण आइसक्रीम पार्लर में बदल गया। लोगों ने इसे जुहू स्कीम की आइसक्रीम नाम दिया।

आइसक्रीम खाने के लिए बंबई की सड़कों पर लग जाता था जाम – शुरू होने के बाद नैचुरल्स आइसक्रीम की मांग ऐसी बढ़ी कि जुहू की छोटी-छोटी गलियों में बार-बार ट्रैफिक जाम लग जाता था। लेकिन वह ट्रैफिक जाम कंपनी के लिए सकारात्मक साबित हुआ और 1994 तक नैचुरल्स आइसक्रीम के पांच और आउटलेट खुल गए। नैचुरल्स के लिए लोगों का प्यार अन्य शहरों में भी फैल गया। बढ़ती लोकप्रियता को ध्यान में रखते हुए, एक अद्वितीय थर्मोकोल पैकेजिंग पेश की गई थी। ये नैचुरल्स थर्मोकोल बॉक्स जल्द ही पूरे देश में देखे जाने लगे। 2020 तक इस ब्रांड के देश भर में 135 आउटलेट्स हो गए। आगे चलकर इनकी संख्या 160 तक हो गई। ब्रांड की अनुमानित कीमत 400 करोड़ रुपये से अधिक की हो गई। आइसक्रीम मैन ऑफ इंडिया कामत का अंतिम संस्कार मुंबई के अंधेरी पश्चिम में किया गया। उनके परिवार में पत्नी और दो बेटे हैं, जिनमें नैचुरल्स के निदेशक सिद्धांत कामथ भी शामिल हैं। कामथ के निधन की खबर फैलते ही कई लोगों ने सोशल मीडिया पर श्रद्धांजलि भी दी। एक यूजर ने एक्स पर पोस्ट किया, धन्यवाद सर, हमें सबसे अच्छी आइसक्रीम देने के लिए।

मुझे दुख है कि मैंने एआई पर काम क्यों किया, इससे लोगों की नौकरियां जा रहीं हैं: ज्यॉफ्रे हिंटन

न्यूयॉर्क।
आर्टिफिशियल इंटेलजेंस के जनक कहे जाने वाले ज्यॉफ्रे हिंटन ने खुद अपनी ही बनाई तकनीक पर चिंता जताई और कहा कि उन्हें इस बात का दुख है कि एआई की वजह से लोगों की नौकरियां जा रही हैं। उन्होंने कहा कि जीवनभर उन्हें इस बात का अफसोस रहेगा कि उन्होंने एआई के लिए इतने समय तक काम किया। उन्होंने कहा कि इसे कोई रोक नहीं सकता था।

अगर मैंने ऐसा ना किया होता तो कोई और कर देता। दुख जताते हुए उन्होंने कहा कि यूनिवर्सल बेसिक इनकमा का रास्ता इस युग में कारगर हो सकता है।

एआई की वजह से जॉब मार्केट में आ रहे बदलाव के दौर में मैं कहना चाहता हूं कि यूनिवर्सल बेसिक इनकम एक अच्छा रास्ता है। एआई से प्रोडक्टिविटी बढ़ेगी और खूब पैसा बढ़ेगा लेकिन इससे समाज में असमानता बढञ जाएगी।

बहुत सारे लोगों की नौकरियां जाएंगी और दूसरी तरफ बहुत सारे लोग बेहद अमीर हो जाएँगे। यह समाज के लिए बहुत बुरा होने वाला है। उन्होंने कहा कि अगले पांच से 20 साल में ही एआई एक बड़ी चुनौती बन सकता है।

बता दें कि ज्यॉफ्रे हिंटन का जन्म लंदन में 6 दिसंबर 1947 कोहुआ था। उन्होंने कैंब्रिट से एक्सपेरिमेंटल साइकॉलजी में ग्रेजुएशन किया और इसके बाद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में पीएचडी की। वह गूगल के साथ काम कर रहे थे लेकिन अब उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। दरअसल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की कोई सीमा नहीं है।

यह ऐसी तकनीक है जो कि खुद विकसित होने की क्षमता रखती है। महान वैज्ञानिक स्टीफन्स हॉकिन्स ने एआई को एक बड़ा खतरा बताया था और कहा था कि इंसान का विकास एक सीमित गति से होता है। वहीं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की कोई सीमा नहीं है। ऐसे में मानव मशीनों से पीछे हो जाएगा और यह पूरी मानवता के लिए खतरा है।

बजट एयरलाइन वियतजेट में भारतीयों के लिए विशेष ऑफर एक हफ्ते तक सभी क्लास के टिकट पर 50 फीसदी डिस्काउंट

नई दिल्ली ।
वियतनाम में घूमने जाने वाले भारतीयों की संख्या में तगड़ी बढ़ोतरी देखी जा रही है। जिसको देखते हुए वियतनाम की बजट एयरलाइन वियतजेट ने भारतीयों के लिए एक विशेष प्रोमोशन प्रोग्राम की घोषणा की है। इसमें भारत और वियतनाम के बीच सभी शहरों की फ्लाइट्स पर सभी क्लासेज में 50 फीसदी का डिस्काउंट मिलेगा।

डिस्काउंट की शुरुआत से हो गई है। इसका लाभ एक सप्ताह तक ले सकते हैं। वियतजेट की तरफ से यहां जारी एक बयान के मुताबिक इन सभी क्लासेस पर 50 फीसदी का डिस्काउंट मिलेगा। इस ऑफर में टैक्स और शुल्क शामिल नहीं है।

यह ऑफर 20 मई से 27 मई, 2024 तक के लिये वैध है। इन तारीखों के बीच ग्राहकों को 20 मई से 30 सितंबर, 2024 तक की तारीखों के लिए टिकट बुक कराना होगा। इसके अलावा, ग्राहक 25 मई, 2024 तक अंतर्राष्ट्रीय लग्जरी ब्राण्ड्स की ऑनलाइन ड्यूटी-फ्री चीजों पर 50 फीसदी डिस्काउंट का लाभ ले सकते हैं। ग्राहक इन दोनों प्रमोशन का फायदा अधिकारिक वेबसाइट या वियतजेट एयर मोबाइल ऐप पर जाकर ले सकते हैं। इतना ही नहीं, एयरलाइन एक रोमांचक लक्की ड्रॉ पेश कर रही है, जिसमें कुल 1,96,90,174 रूपये के इनाम शामिल किए गए हैं। भाग्यशाली विजेताओं को स्काय गोल्ड के मेम्बरशिप पास जीतने का मौका मिलेगा, जिन्हें 12 फ्लाइट टिकट, 32814 रुपये के टिकट वाउचर्स और पसंदीदा ब्राण्ड्स के अनेकों उपहारों के लिये रिडीम किया जा सकता है। लक्की ड्रॉ के खेलों में एक डेली लक्की स्पिन और एक मंथली लॉटरी शामिल है। यह 5 मई से 7 अगस्त के बीच होने वाली टिकटों की खरीदी पर लागू है।

अब आलू बिगाड़ देगा घर की रसोई का बजट नवंबर तक क्यों नहीं कम होगी कीमत

नई दिल्ली ।
साल भर घरों में सबसे ज्यादा बनाई जाने वाली सदाबहार सब्जी आलू के दाम बढ़ने से रसोई का बजट बिगड़ गया है। उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे प्रमुख आलू उत्पादक राज्यों में इस बार खराब मौसम के चलते उत्पादन में गिरावट आई है। इसके चलते आलू की कीमत में पिछले साल के मुकाबले काफी बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। व्यापारियों और कोल्ड स्टोरेज के मालिकों का कहना है कि आने वाले दिनों में आलू और महंगा हो सकता है। नवंबर के अंत तक आलू के दाम ऐसे ही बने रहने की संभावना है। हालांकि, आलू की नई फसल मार्केट में आने की बाद कीमतों में गिरावट शुरू हो जाएगी। लेकिन आम लोगों को अभी 5 से 6 महीने महंगा आलू खरीदना होगा। 15 फरवरी से 31 मार्च के दौरान कटाई के बाद किसानों द्वारा आलू को कोल्ड स्टोरेज में रखा जाता है। इसमें उत्पादन का लगभग 60 फीसदी कोल्ड स्टोरेज में संग्रहीत किया जाता है, जबकि लगभग 15 फीसदी उपज कटाई के बाद सीधे बाजार में आती है। जबकि बाकी का उपयोग बीज के रूप में किया जाता है। आलू उत्पादन में उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, पंजाब और बिहार की हिस्सेदारी 80 फीसदी से अधिक है। एशिया की सबसे बड़ी फल-सब्जी मंडी आजादपुर मंडी दिल्ली के व्यापारियों का कहना है कि देश की प्रमुख सब्जी उत्पादन के मामले में उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल की 53 फीसदी हिस्सेदारी है। लेकिन दोनों ही राज्यों में प्रतिकूल मौसम के कारण आलू के उत्पादन में गिरावट देखी गई हैं।

ये गिरावट करीब 10 से 15 फीसदी तक आई है। इधर, यूपी के सब्जी मंडी के व्यापारियों का कहना है कि जनवरी में अधिक ठंड के कारण उत्तर प्रदेश में इस वर्ष आलू की उपज लगभग 115 क्विंटल प्रति एकड़ हुई, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा 150 क्विंटल थी। कोहरा और कई दिनों तक धूप न निकलने की वजह से आलू के कंदों का निर्माण प्रभावित हुआ। जबकि दूसरे बड़े आलू उत्पादक राज्य पश्चिम बंगाल में आलू की फसल की बुआई और कटाई के दौरान बेमौसम बारिश के कारण उत्पादन प्रभावित हुआ है।

उच्च ब्याज दर का झांसा देकर फाइनेंस कंपनी ने ठगो 200 करोड़, निदेशकों पर मामला दर्ज

हैदराबाद ।
हैदराबाद पुलिस ने एक फाइनेंस कंपनी और उसके निदेशकों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। कंपनी ने उच्च ब्याज दरों का वादा करके करीब 400 जमाकर्ताओं से 200 करोड़ रुपए की ठगी कर ली। एक 70 वर्षीय बुजुर्ग और अन्य की शिकायत के बाद पुलिस ने फर्म और उसके निदेशकों के खिलाफ कार्रवाई की है। वहीं, मामला दर्ज होने से पहले धोखाधड़ी का शिकार हुए लोगों ने सेंट्रल क्राइम स्टेशन (सीसीएस) का घेराव कर प्रदर्शन भी किया।

पुलिस के अनुसार, बुजुर्ग व्यक्ति ने सेंट्रल क्राइम स्टेशन (सीसीएस) पुलिस को दी शिकायत में बताया कि एबिड्स के बीच में स्थित फर्म के दो निदेशकों ने उन्हें अपनी निवेश योजना के बारे में बताय, जिसमें जमा राशि पर 18 से 24 फीसदी रिटर्न का वादा किया। आश्वासन पर विश्वास करते हुए उसने 2012 से 15 के बीच 6 लाख रुपए जमा कर दिए।

निदेशक की बैंक में महाप्रबंधक पत्नी ने की मार्केटिंग

एफआईआर के अनुसार, बुजुर्ग ने आरोप लगाया कि निदेशकों में से एक की पत्नी हैदराबाद के एक सहकारी बैंक में महाप्रबंधक के पद पर हैं, जिन्होंने उसका उपयोग करके सभी ग्राहकों की मार्केटिंग की। जनवरी 2024 तक नियमित मिला मासिक रिटर्न हालांकि, निदेशकों ने जनवरी 2024 तक नियमित मासिक रिटर्न का भुगतान किया, जिसके बाद रिटर्न आना बंद हो गया। तब शिकायतकर्ता फर्म के ऑफिस पहुंचा तो वहां पर ताला लगा मिला। निदेशकों का फोन भी बंद आ रहा था। इस दौरान शिकायतकर्ता को पता चला कि उसके जैसे कई और हैं, जिनसे ठगी हुई है। सभी ने निदेशकों से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन असफल रहे। जब शिकायतकर्ता निदेशकों के आवास पर पहुंचा तो वहां पर भी ताला लगा हुआ था। निदेशकों का कोई अता-पता नहीं था।

निदेशकों पर धारा 406 और 420 के तहत केस दर्ज

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि फाइनेंस कंपनी के निदेशकों ने आपराधिक इरादे से धोखाधड़ी कर 400 से 500 लोगों से निवेश कराया, जिसके बाद जमा राशि करीब 200 करोड़ रुपए को लेकर फरार हो गए। उन्होंने पुलिस से मामले में जांच कर धोखाधड़ी कर ली गई जमा राशि वापस कराने का अनुरोध किया। बुजुर्ग की शिकायत के आधार पर पुलिस ने फाइनेंस कंपनी और उसके निदेशकों के खिलाफ धारा 406 (आपराधिक विश्वासघात), 420 (धोखाधड़ी) और भारतीय दंड संहिता की अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है।

अफ्रीकी देशों के लिए मलेरिया वैक्सीन की पहली खेप रवाना, अमेरिकी राजदूत ने दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली । सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने आर21/मैट्रिक्स-एम मलेरिया वैक्सीन की पहली खुराक अफ्रीकी देशों को भेज दी है, जहां बीमारी का बड़ा प्रकोप है। अफ्रीकी देशों में मलेरिया वैक्सीन का वितरण मलेरिया के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। जानकारी के अनुसार, प्रारंभिक शिपमेंट आने वाले दिनों में मध्य अफ्रीकी गणराज्य (सीएआर) को भेजा जाएगा। इसके बाद अन्य अफ्रीकी देशों जैसे दक्षिण सूडान और कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य को भेजा जाएगा। सीएआर क्षेत्र के लिए विशेष रूप से आवंटित कुल 163,800 खुराक में से 43,200 खुराक सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया की ओर से भेजी जाएंगी। इस नए टीके को बनाने में साझेदार एसआईआई, नोवावैक्स और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय ने इस उपलब्धि का जश्न एक कार्यक्रम का आयोजन कर मनाया। इस कार्यक्रम में भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान तीन देशों- भारत, अमेरिका और यूके के बीच सफल वैश्विक साझेदारी पर प्रकाश डाला गया। अब तक, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने सालाना 100 मिलियन खुराक की क्षमता विकसित करने के साथ 25 मिलियन खुराक का निर्माण किया है। अक्टूबर 2023 की शुरुआत में, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बच्चों में मलेरिया की रोकथाम के लिए आर21/मैट्रिक्स-एम वैक्सीन की सिफारिश की थी। आरटीएस,एस/एएस01 वैक्सीन के बाद आर21 वैक्सीन अनुशंसित दूसरी मलेरिया वैक्सीन है।

टी20 विश्वकप में भारतीय टीम की राह आसान नहीं

नई दिल्ली ।
अगले माह अमेरिका और वेस्टइंडीज में संयुक्त रुप से होने वाले टी20 विश्वकप में 20 टीम भाग लेंगी। इसमें भारतीय टीम भी खिताब की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगी। इस टूर्नामेंट में पहली बार अमेरिका, कनाडा और युगांडा की टीमे भी भाग ले रही हैं। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम पिछले एक दशक आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को समाप्त करना चाहेगी। गत वर्ष एकदिवसीय विश्वकप कप में भारतीय टीम खिताब की दहलीज पर आकर उसे हासिल नहीं कर पायी थी। विश्वकप में भारतीय टीम अपना पहला मैच 5 जून को न्यूयॉर्क में आयरलैंड से खेलेगी। इसके बाद उसे 9, 12 और 15 जून को उसे पाकिस्तान, अमेरिका और कनाडा से खेलना है। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम शीर्ष रैंकिंग वाली पुरुष टी20 टीम के रूप में प्रवेश कर रहा है, जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। भारतीय टीम की मजबूती ये है कि उसे पास अनुभवी और युवा दोनो ही खिलाड़ी हैं।

टीम की बैंच स्ट्रैंथ भी काफी अच्छी है। ऐसे में विराट कोहली, संजू सैमसन, जसप्रीत बुमराह और कुलदीप यादव जैसे खिलाड़ी बेहर प्रदर्शन कर विरोधी टीम पर दबाव बना सकते हैं। वहीं कप्तान रोहित शर्मा और उप-कप्तान हार्दिक पांड्या जिस प्रकार आईपीएल में खराब फार्म में दिखे उससे टीम की कमजोरियां सामने आयी हैं। इसके अलावा फिनिशर के तौर पर उतरने वाले रवींद्र जडेजा भी लय में नहीं हैं। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम में शामिल युवाओं के पास बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करने का अवसर है।

भारतीय टीम को अगर खिताब जीतता है तो उसे मानसिक तौर पर मजबूत होना होगा क्योंकि इंग्लैंड में 2013 चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद से भारतीय टीम नॉकआउट में असफल रही है। अब उसे अपनी इस कमजोरी को दूर करना होगा।

टी20 विश्वकप में भारतीय टीम का कार्यक्रम
- 05-जून-24 : भारत बनाम आयरलैंड, नासाऊ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, न्यूयॉर्क
- 09-जून-24 : भारत बनाम पाकिस्तान, नासाऊ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, न्यूयॉर्क
- 12-जून-24 : यूएसए बनाम भारत, नासाऊ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, न्यूयॉर्क
- 15-जून-24 शनिवार भारत बनाम कनाडा सेंट्रल ब्रोवार्ड पार्क और ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम, लॉडरहिल।

न्यूज ब्रीफ

एक समय निराश होकर खेल छोड़ने जा रहे थे स्वप्निल

बेंगलुरु । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से इस आईपीएल सत्र में अच्छा प्रदर्शन करने वाले बाएं हाथ के स्पिनर स्वप्निल सिंह एक समय खेल छोड़ने जा रहे थे। स्वप्निल पर आईपीएल की पिछली नीलामी के शुरुआती दौर में बोली नहीं लगी थी जिससे वह निराश हो गये थे। इस बार आरसीबी ने उन्हें अपनी टीम में शामिल कर खेलने का अवसर दिया जिसका स्वप्निल ने पूरा लाभ उठाया। वह गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाजी में भी बेहतर प्रदर्शन करते हैं। अपने 18 साल के घरेलू क्रिकेट करियर में उन्होंने बड़ौदा और उत्तराखंड की टीमों की ओर से खेला है। आईपीएल में उन्होंने आरसीबी से पहले किंग्स इलेवन पंजाब और लखनऊ सुपरजायंट्स की ओर से खेला था। स्वप्निल ने कहा, 'आईपीएल नीलामी के दिन मैं एक मैच के लिए धर्मशाला जा रहा था। जब मैं वहां पहुंचा तब शाम के सात-आठ बज रहे थे। तब तक कुछ नहीं हुआ था और नीलामी का अंतिम दौर चल रहा था, मुझे लगा कि मेरे लिए अवसर समाप्त हो गये हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने सोचा था कि मैं घरेलू सत्र में खेलूंगा और अगर जरूरत पड़ी तो अगला सत्र खेलने के बाद खेल को अलविदा कह दूंगा। इसका कारण है कि मैं पूरी जिंदगी नहीं खेलना चाहता था।। स्वप्निल ने कहा, 'जीवन में अच्छा करने के लिए अन्य चीजें भी मैंने देखी थी। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में साल 2006 में पदार्पण करने वाले 33 साल के स्वप्निल को आरसीबी ने 20 लाख रुपए में अपने साथ जोड़ा था।स्वप्निल ने कहा कि आरसीबी के लिए चुना जाना उनके पूरे परिवार के लिए बेहद खुशी का अवसर था।

कार्लसन बने विजेता, आनंद को तीसरा स्थान; विश्वनाथन ने मैग्नस से दूसरी बाजी ड्रॉ खेली

कासाब्लांका (मोरक्को)। पांच बार के विश्व चैंपियन और विश्व नंबर एक नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन ने कासाब्लांका चेस वैरिएंट टूर्नामेंट जीत लिया है। वहीं, पांच बार के विश्व विजेता भारतीय ग्रैंड मास्टर विश्वनाथन आनंद तीसरे स्थान पर रहे। आनंद की टूर्नामेंट में कार्लसन के साथ दूसरी बाजी ड्रॉ समाप्त हुई। आनंद ने मिस्र के अमीन बासेम को हराया। यह उनकी टूर्नामेंट में एकमात्र जीत रही। कार्लसन ने छह दौर में साढ़े चार और आनंद ने तीन अंक हासिल किए। अमेरिका के हिकारु नाकामुरा साढ़े तीन अंक के साथ दूसरे और बासेम एक अंक के साथ चौथे और अंतिम स्थान पर रहे। सफेद मोहरों से कार्लसन से ड्रॉ खेले आनंद यह अनोखा टूर्नामेंट नए प्रयोग पर आधारित था। इसमें शतरंज की दुनिया के ऐतिहासिक मुकाबलों की बराबरी की पोजीशन को चारों खिलाडियों के सामने रखा गया। उन्हें दी गई पोजीशन से खेल शुरू कर मुकाबला आगे बढ़ाना था। पहले दौर में कार्लसन ने आनंद को हराया था, लेकिन दूसरे दौर में अलेक्जेंडर अल्काइन और डॉ. मैक्स यूवे के बीच 1935 में हुई विश्व चैंपियनशिप की तीसरी बाजी की पोजीशन को लिया। आनंद यहां सफेद मोहरों से बेहतर स्थिति में थे, लेकिन कार्लसन ने अपने रुक (हाथी) का बलिदान देते हुए बाजी को ड्रॉ की ओर मोड़ दिया। कार्लसन ने प्रारूप को मनोरंजक बताया पांचवें दौर में नाकामुरा और आनंद की बाजी भी ड्रॉ रही, वहीं कार्लसन ने अमीन को हराया। छठ दौर में कार्लसन-नाकामुरा ने ड्रॉ खेला और आनंद ने अमीन को हराया। कार्लसन ने जीत के बाद कहा कि यह एक मनोरंजक प्रारूप था। वह इसे दोबारा जरूर आजमाना चाहेंगे।

मलयेशिया मास्टर्स में खिताब जीतने उतरेंगी सिंधू, उबेर कप और थाईलैंड ओपन में नहीं लिया था भाग

नई दिल्ली । ब्रेक से लौटी पी वी सिंधू पेरिस ओलंपिक से पहले यहां शुरू हो रहे मलयेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में जीत दर्ज करके अपना मनोबल ऊंचा करने के इरादे से उतरेंगी। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू ने उबेर कप और थाईलैंड ओपन में भाग नहीं लिया। अब वापसी करते हुए उनका लक्ष्य इस बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 500 टूर्नामेंट में महिला एकल में अच्छा प्रदर्शन करने का होगा। वह पिछले साल अक्तूबर में घुटने की चोट से उबरने के बाद से फॉर्म में नहीं है। ओलंपिक में रजत और कांस्य पदक जीत चुकी सिंधू का रिटर्न पहले की तरह नहीं रहा है और कई करीबी मुकाबले वह हार गई हैं। वह छह प्रतिस्पर्धाओं में से दो में ही क्वार्टर फाइनल तक पहुंच सकी हैं। कब जीता था आखिरी बार खिताब पिछली बार वह 2022 सिंगापुर ओपन में खिताब जीती थी। पहले दौर में उनका सामना स्कॉटलैंड की क्रिस्टी गिलमोर से होगा। अष्मिता चालिहा, आकृषि कश्यप और मालविका बंसोड भी अच्छे नतीजे देना चाहेंगी।

पैरा एथलीट दीप्ति ने विश्व रिकॉर्ड के साथ जीता स्वर्ण, 400 मीटर दौड़ में रचा इतिहास

कोबे (जापान)।
भारतीय पैरा एथलीट दीप्ति जीवनजी ने विश्व कीर्तिमान के साथ विश्व पैरा एथलेटिक्स में स्वर्ण पदक जीत लिया। बौद्धिक रूप से दिव्यांग दीप्ति ने टी-20 कैटेगरी की 400 मीटर दौड़ में 55.07 सेकंड का समय निकाल कर नया कीर्तिमान बनाया। उन्होंने अमेरिका की ब्रियाना क्लार्क की ओर से बीते वर्ष इसी चैंपियनशिप में बनाए गए 55.12 सेकंड के कीर्तिमान को पीछे छोड़ा। तुर्किये की आइसल ओंडेर ने 55.19 सेकंड के साथ रजत और इक्वाडोर की लिजांशेला आंगुलो ने 56.68 सेकंड के साथ कांस्य जीता।

दीप्ति की आंखों में है समस्या - दीप्ति ने दो वर्ष पूर्व ही एथलेटिक्स को अपनाया है। उनकी आंखों में समस्या है। उन्होंने हीट में 56.18 सेकंड का समय निकालते हुए नया एशियाई कीर्तिमान स्थापित किया था, जिसे उन्होंने फाइनल में विश्व कीर्तिमान में बदल दिया। भारतीय डिस्कस थ्रोअर योगेश कथूनिया ने डिस्कस थ्रो की एफ-56 कैटेगरी में 41.80 मीटर के साथ रजत पदक जीता। टोक्यो पैरालंपिक में रजत जीतने वाले योगेश का यह विश्व चैंपियनशिप में तीसरा पदक है। बीते वर्ष उन्होंने पेरिस में रजत और 2019 में दुबई में उन्होंने कांस्य पदक जीता था।

ताने दिए जाते थे नहीं होगी शादी - वारंगल (तेलंगाना) जिले की रहने वाली दीप्ति के माता-पिता मजदूर हैं। उनके कोच एन रमेश के मुताबिक उसके गांववासी ताने देते थे दिमागी रूप से कमजोर होने के कारण उसकी शादी नहीं होगी, लेकिन हांगझोऊ एशियाड में स्वर्ण जीतने के बाद उसका जीवन बदला।

यहां तक जिले के कलेक्टर ने दीप्ति के घर का दौरा किया तो उनके माता-पिता की हैरानी की सीमा नहीं रही। एक पीईटी अध्यापक ने पहली बार स्कूल मीट में दीप्ति की प्रतिभा को पहचान था। उन्होंने अध्यापक को बोला दीप्ति को उनके पास हैदराबाद भेजें।

उन्हें बताया गया कि दीप्ति के पास बस का किराया देने के पैसे नहीं है। उन्होंने कंडक्टर से बात कर दीप्ति को हैदराबाद बुलाया और बाद में कंडक्टर को बस का किराया दिया। गोपीचंद की संस्था दीप्ति को प्रायोजित कर रही है।

निषाद को ऊंची कूद में रजत - टोक्यो पैरालंपिक में रजत पदक जीतने वाले हाई जंपर निषाद कुमार ने यहां टी-47 कैटेगरी में ऊंची कूद का रजत पदक जीता। निषाद का भी यह विश्व चैंपियनशिप में तीसरा पदक है। बीते वर्ष पेरिस में उन्होंने रजत और दुबई में कांस्य जीता था। टी-35 कैटेगरी की 200 मीटर दौड़ में प्रीति पॉल ने कांस्य पदक जीता। भारत अब तक इस चैंपियनशिप में एक स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक जीत चुका है।

छठे दौर के बाद अरविंद अकेले बढ़त पर कायम, अमेरिका के सैम शैंकलैंड के साथ ड्रॉ खेला

शारजाह। भारतीय ग्रैंड मास्टर अरविंद चिदंबरम शारजाह मास्टर्स टूर्नामेंट में छठे दौर के बाद अकेले बढ़त पर कायम है। उन्होंने अमेरिका के सैम शैंकलैंड के साथ ड्रॉ खेला। अरविंद के छह दौर में पांच अंक हैं और वह 2700 ईएलओ अंक के ईलीट क्लब से जुड़ने के लिए सिर्फ दो अंक पीछे हैं। छठे दौर का आकर्षण शीर्ष वरीय और भारतीय ग्रैंड मास्टर अर्जुन एरिगेसी रहे। उन्होंने रूस के डेनियल यूफा को काले मोहरों से खेलते हुए 42 चालों में हराया। वह कई खिलाड़ियों के साथ 4.5 अंक लेकर दूसरे स्थान पर हैं। टूर्नामेंट में अभी तीन दौर और खेले जाने हैं। अरविंद ने छठे दौर में अमेरिका के सैम शैंकलैंड के खिलाफ आसान ड्रॉ के साथ अपनी एकल बढ़त को बरकरार रखने में सफल रहे हैं। दुनिया के सबसे मजबूत ओपन टूर्नामेंटों में शामिल इस प्रतियोगिता में शीर्ष वरीयता प्राप्त अर्जुन एरिगैसी ने रूस के दानिल युफा पर शानदार जीत दर्ज की।

रैना को टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद, हालात के अनुसार ढ़लना होगा

रायपुर ।
पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना को उम्मीद है कि भारतीय टीम एक जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करेगी। रैना के अनुसार भारतीय टीम को सफल होने के लिए हालात के अनुसार ढ़लने के साथ ही ड्रॉप-इन पिचों पर खेलने के लिए भी मानसिक तौर पर तैयार रहना होगा। ड्रॉप-इन को पिचे होती हैं जो किसी अन्य स्थान पर तैयार करने के बाद जिस भी मैदान पर मैच हो रहा हो बिछायी जा सकती हैं।

यहां एक कार्यक्रम में पहुंचे रैना ने कहा कि भारतीय टीम संतुलित है। उसके पास रोहित शर्मा जैसा बेहतरीन कप्तान हैं। विराट कोहली पिछले कुछ समय से लगातार अच्छे फार्म में हैं। इसके अलावा आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव भी जमकर रन बना रहे हैं। टीम में दो बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जा रहे हैं, जो पावरप्ले में अच्छी गेंदबाजी कर सकते हैं। वहीं भारतीय टीम के उप-कप्तान हार्दिक पंड्या के आईपीएल में खराब फॉर्म पर रैना ने कहा कि उन्होंने भारत के लिए कई बार अच्छा अच्छा प्रदर्शन किया है। अस्थाई खराब फॉर्म से वह खराब खिलाड़ी नहीं बन जाते हैं। जब वह विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करेंगे तो सभी इस बात को समझ जायेंगे।

पंड्या के आईपीएल में खराब प्रदर्शन से उनके फार्म पर कई पूर्व क्रिकेटरों और प्रशंसकों ने सवाल उठाये हैं। उनकी कप्तानी में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा और वह अंक तालिका में अंतिम स्थान पर रही। 14 मैचों में, पंड्या 18.00 के औसत और 143.04 की स्ट्राइक रेट से केवल 216 रन ही बना पाये। इसके अलावा वह गेंदबाजी के दौरान भी 11 विकेट ही ले पाये थे।

मिश्रित रिले में राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ भारत को स्वर्ण, पेरिस का टिकट पाने से चूके

बैंकॉक।
एशियाई रिले चैंपियनशिप में भारतीय मिश्रित रिले टीम ने राष्ट्रीय कीर्तिमान के साथ स्वर्ण पदक जीत लिया। बावजूद इसके मोहम्मद अजमल, ज्योतिका श्री दांडी, अमोज जैकब और शुभा वेंकटेशन की चौकड़ी पेरिस ओलंपिक का टिकट पाने से रह गई। भारतीय टीम ने तीन मिनट 14.12 सेकंड का समय निकाला और हांगझोऊ एशियाई खेलों में बनाए गए 3.14.34 के अपने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। यहां भारतीय टीम ने रजत जीता था। पेरिस के लिए शीर्ष 16 में आना जरूरी श्रीलंका ने तीन मिनट 17 सेकंड के साथ रजत और वियतनाम ने तीन मिनट 18.45 सेकंड के साथ कांस्य जीता। इस प्रदर्शन के साथ भारतीय टीम रैकिंग में 23वें से 21वें स्थान पर आ गई है। हालांकि, पेरिस के टिकट के लिए भारत को शीर्ष 16 में आना जरूरी है। नासाउ (बहामास) में हुई विश्व रिले एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 14 टीमें पेरिस का टिकट हासिल कर चुकी हैं। 15वां और 16वां स्थान रैंकिंग के आधार पर दिया जाएगा। इस वक्त चेक रिपब्लिक (3.11.98) और इटली (3.13.56) 15वें और 16वें स्थान पर हैं। भारत को यहां इटली के समय के पीछे छोड़ना था।

टी-20 वर्ल्ड कप से पहले पाकिस्तान ने चली चाल विव रिचर्ड्स को बड़ी जिम्मेदारी सौंपने को तैयार

नई दिल्ली ।
टी-20 वर्ल्ड कप 2024 को शुरू होने में अब चंद ही दिन बाकी हैं. ऐसे में सभी टीमें अपनी-अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दे रही हैं. इसी बीच पाकिस्तान क्रिकेट टीम से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है. रिपोर्ट्स के हवाले से पता चला है कि पाकिस्तान ने टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए कैरेबियाई दिग्गज विवियन रिचर्ड्स को अपना मेंटॉर बनाया है. पाकिस्तान को इसका बड़ा फायदा मिल सकता है, क्योंकि अपकमिंग टूर्नामेंट और वेस्टइंडीज की धरती पर खेला जाएगा।

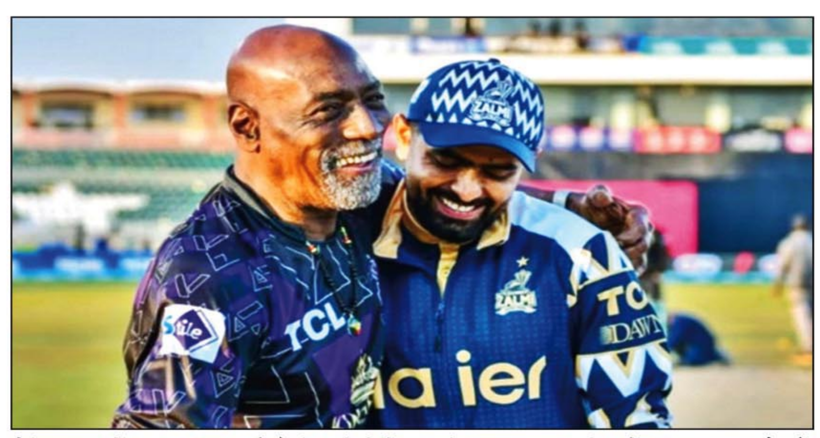

विवियन रिचर्ड्स जुड़ेंगे पाकिस्तान क्रिकेट टीम के साथ

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अब तक टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए अपने स्क्वाड का ऐलान नहीं किया है. लेकिन, इस बीच पाक टीम से जुड़ी एक खबर ने दूसरी टीमों की टेंशन बढ़ा दी है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, टी20 वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज विवियन रिचर्ड्स बाबर आजम की कप्तानी वाली पाकिस्तानी टीम के मेंटर की भूमिका में हो सकते हैं. हालांकि, अब तक इस पर खबर की अधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन खबरों का बाजार गर्म है कि पीसीबी विवियन रिचर्ड्स को अपकमिंग मेगा इवेंट के लिए मेंटर बनाना चाहती है।

पीएसएल का हिस्सा रह चुके हैं रिचर्ड्स

वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज विवियन रिचर्ड्स पाकिस्तान सुपर लीग में क्वेटा ग्लेडिटिएर्स के मेंटर की भूमिका निभा चुके हैं. ऐसे में पीसीबी से जुड़े अधिकारियों का मानना है कि विवियन पाकिस्तान सुपर लीग में काम कर चुके हैं, लिहाजा वह पाकिस्तानी खिलाड़ियों की कंडीशंस और काम करने के तरीके को बेहतर समझते हैं।

इतना ही नहीं इस बार टी-20 वर्ल्ड कप की मेजबानी और वेस्टइंडीज को सौंपी गई है. ऐसे में यदि विव वाकई पाकिस्तान टीम के मेंटॉर बनते हैं, तो टीम को बड़ा फायदा होगा. चूंकि, वह वहां की घरेलू कंडीशंस में अपनी टीम को ढ़ा लने में मदद कर सकते हैं।

टी20 विश्वकप के कुछ मुकाबलों में गेंदबाज भी रहे हैं हावी

पहले सत्र में केन्याई टीम के 6 बल्लेबाज शून्य पर हुए थे आउट

मुम्बई ।
टी20 विश्वकप क्रिकेट अगले माह एक जून से शुरु होने जा रहा है। ऐसे में क्रिकेट प्रशंसकों को रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। टी20 प्रारुप में वैसे तो बल्लेबाज हावी रहते हैं और जमकर चौके, छक्के लगते हैं। इसी कारण आजकल इस प्रारुप में 200 से 250 से अधिक रन बनते हुए भी दिखते हैं।

वहीं कई बार ये भी देखने में आया है कि गेंदबाज भी मुकाबले में हावी रहे हैं। टी20 विश्वकप की बात करें तो अब तक के 8 सत्र में दो बार कोई टीम 50 से कम के स्कोर पर आउट हो हुई है। मजे की बात यह है कि दोनों ही बार नीदरलैंड की टीम के साथ ऐसा हुआ है और दोनों ही बार श्रीलंका के खिलाफ मैच में

वह पचास रन भी नहीं बना पायी। 2014 के टी20 विश्वकप में चिटगांव के मैच में नीदरलैंड की टीम 10.3 ओवर में 39 और 2021 के शारजाह के मैच में 10 ओवर में 44 रनों पर आउट हुई थी। दोनों ही मैचों में श्रीलंका टीम ने 10 ओवर से पहले ही लक्ष्य हासिल कर लिया था। वहीं दक्षिण अफ्रीका में 2007 के पहले टी20 विश्वकप में केन्या और न्यूजीलैंड के मैच में केन्याई टीम के 6 बल्लेबाज खाता तक नहीं खोल पाये थे। इसमें शीर्ष के 4 बल्लेबाज भी शामिल थे। इस मैच में एक समय तीन विकेट गिरने के बाद भी टीम एक भी रन नहीं बना पायी थी। 12 सितंबर 2007 में डरबन में हुए इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए केन्या के विकेट गिरने का सिलसिला शुरू हो गया था। छह बल्लेबाजों के शून्य पर आउट होने के बाद कोलिंस ओबुया, थॉमस ओबुयो , जिमी कामाडे और राजेश बुधिया ही दो अंकों तक पहुंच पाये। इस प्रकार पूरी केन्याई टीम 16.5 ओवर में 73 रनों पर ही सिमट गयी थी। न्यूजीलैंड टीम की ओर से मार्क गिलेस्पी ने सबसे अधिक 4 विकेट लिए थे जबकि शेन बॉन्ड, किस मार्टिन व कप्तान डेनियल वेटोरी ने दो-दो विकेट लिए थे।

इसके बाद न्यूजीलैंड ने 74 रन का लक्ष्य केवल 7.4 ओवर में ही एक विकेट पर हासिल कर लिया था। टी20 विश्वकप 2024 में इस बार 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं जिसमें 12 आईसीसी की फुल मेंबर टीम हैं और 8 एसोसिएट मेंबर टीम। ऐसे में दिग्गज टीमों और नई टीमों के मुकाबले में जमकर रिकॉर्ड्स बन सकते हैं।

टी20 विश्वकप के केन्या-न्यूजीलैंड मैच की एक पारी में छह बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल पाये थे। एक टी20 मैच में एक पारी में 8 बल्लेबाज शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये थे। मैच में दोनों पारियों में मिलाकर 9 बल्लेबाज 0 पर आउट हुए थे। 2019 के कॉन्टिनेंटल कप के मैच में चेक रिपब्लिक के खिलाफ तुर्की के 8 बल्लेबाज शून्य पर ही आउट हो गये थे।

बिजनेस मीटिंग्स को सफल बनाने के टिप्स

जब भी हम किसी ऑफिस में काम करते है तो काम के सिलसिले में अक्सर हमें कई सारी बिजनेस मीटिंग्स में शामिल होना पड़ता है। इन मीटिंग्स में शामिल होने से पहले हमें काफी तैयारी करनी पड़ती है इसलिए काम के अधिक बोझ के चलते कई कर्मचारियों को इनमें शामिल होना या उसमें बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेना पसंद नहीं होता है।

ज्यादातर कर्मचारियों का मानना होता है कि इस तरह की बिजनेस मीटिंग्स का कोई फायदा नहीं होता है, बल्कि इससे उनका समय खराब होता है और काम छूटता है। ऐसे में हर एक मैनेजर के लिए असरदार बिजनेस मीटिंग ऑर्गनाइज करना किसी बड़े टास्क को पूरा करने से कम नहीं होता है। अगर आप बनाना चाहते हैं अपनी बिजनेस मीटिंग को कामयाब, तो भूल के भी न करें ये गलतियां

गोल होना चाहिए क्लियर

लोगों के बिजनेस मीटिंग्स से दूर भागने की सबसे बड़ी वजह एक ये भी है कि वो इसे प्वाइंटलेस और काम न आने वाली चीज मानते हैं। इसलिए बिजनेस मीटिंग प्लान करने से पहले अपना गोल क्लियर रखें। अगर मीटिंग का मकसद साफ नहीं होगा, तो किसी को भी उसमें इंट्रेस्ट नहीं आएगा। इसके लिए आप मीटिंग में शामिल होने वाले लोगों को पहले से अपने गोल के बारे में बता सकते हैं, ताकि उसे विजन समझने में आसानी हो।

बड़ी-बड़ी बातें करने से बचें

मैनेजर्स मीटिंग्स में अक्सर ऐसी बड़ी-बड़ी बातें करते हैं,जिनका जमीनी रूप से पूरा होना न के बराबर होता है। ऐसी बातों से कर्मचारियों का इंट्रेस्ट लेवल खत्म हो जाता है, क्योंकि किसी मैनेजर से ज्यादा जमीनी हालात के बारे में उन्हें पता होता है। इसके चलते मीटिंग में कभी भी कोई ऐसी बात न करें, जिसका पूरा होना असंभव जैसा हो।

टेक्नॉलजी का पूरा इस्तेमाल करें

आज के दौर में टेक्नॉलजी की मदद से प्रेजेन्टेशन को आसानी से बेहतर और असरदार बनाया जा सकता है। अगर आप चाहते हैं कि कर्मचारियों का मीटिंग में इंट्रेस्ट बना रहे, तो इसके लिए आपको टेक्नॉलजी का पूरा इस्तेमाल करना चाहिए। इसके लिए आप सही टूल्स का चयन कर सकते हैं।

कैंसर कोशिकाओं को बढ़ने से रोकता है जिमीकंद...

जिमीकंद एक सब्जी ही नहीं बल्कि एक जड़ी-बूटी भी है। इसे सूरन भी कहते हैं। फायबर-विटामिन-सी, बी6, बी1, फोलिक एसिड के अलावा पोटेशियम, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, और फॉस्फोरस युक्त जिमीकंद कई तरह से सेहत के लिए फायदेमंद है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन-सी और बीटा-कैरोटिन कैंसर का कारण बनने वाले फ्री-रेडिकल्स से लड़ते है। साथ ही यह गठिया और फेफड़ों से जुड़े अस्थमा रोग में भी फायदेमंद है।

बढ़ती मेमोरी : इसे नियमित खाने से कब्ज और कोलेस्ट्रॉल के कारण होने वाली दिक्कतों से राहत मिलती है। इसके अलावा यह याददाश्त बढ़ाता है और अल्जाइमर रोग (भूलने की समस्या) से बचाता है। ओमेगा-3 से भरपूर जिमीकंद रक्तसंचार सुधारने के साथ धमनियों में ब्लॉकेज को दूर करता है।

ये ध्यान रखें-आयुर्वेद के मुताबिक किसी भी प्रकार के चर्म या कुष्ठ रोगों में इससे परहेज करें।

मेकअप कहीं मजाक न बना दे, ध्यान रखें ये छोटी-छोटी मगर जरूरी बातें...

मेकअप, लड़कियों का फेवरेट एक्ट. कुछ लड़कियां ऐसी भी हैं, जो मेकअप करन पसंद नहीं करतीं, लेकिन फिर भी हर लड़की को कभी न कभी किसी न किसी मौके पर मेकअप तो करना ही होता है. ऐसे में जरूरी है कि वह मेकअप की छोटी मोटी बारीकियों को अच्छी तरह समझे. कहीं ऐसा न हो कि मेकअप किया तो तारीफ पाने के लिए गया हो, लेकिन बन जाएं मजाक. इस तरह की स्थिति से बचने के लिए मेकअप की कुछ छोटे-छोट लेकिन बहुत जरूरी टिप्स यहां हैं-

ब्लश जितना सुंदर लगा हुआ लगता है, उतना ही कठिन है उसे सही से लगा पाना. ब्लश लगाते समय सही रंग का चुनाव करें. कोशिश करें कि आप नेचुरल कलर के साथ ही जाएं. अगर आप बहुत हैवी ब्लशर लगा लेंगी, तो यह अजीब लगेगा. ब्लशर हल्का लगाएं.

माना कि पाउडर लगाने से मेकअप को आप टचअप देती हैं और उसमें निखर कर आता है. लेकिन अगर पाउडर सही से न लगया गया हो तो यह मेकअप पर घंटे भर की आपकी मेहनत को पल में बेकार कर सकता है. यह बहुत जरूरी है कि आप पूरे चेहरे पर एकसार पाउडर लगाएं. अगर ऐसा नहीं हुआ तो आपके चेहरे पर पैच बन जाएंगे, जो बहुत बुरे लगेंगे.

यह बात ध्यान रखना बहुत जरूरी है कि कंसीलर और फाउंडेशन में फर्क है. अक्सर लड़किया कंसीलर को भी फाउंडेशन की तरह इस्तेमाल कर लेती हैं. कंसीलर को आंखों के नीचे और नाक के आस-पास ही लगाएं या उन जगहों पर जहां त्वचा का रंग जरा गहरा है. इसे उंगलियों से टैप करके लगाएं. एक बार त्वचा में समा जाने के बाद ही पूरे चेहरे पर ब्रश की मदद से लगाएं.मेकअप करते हुए लड़कियां अक्सर ये गलती करती हैं कि वे लिप लाइनर नहीं लगाती या अगर लगाती हैं तो यह लिपस्टिक से अलग रंग का होता है. ऐसा न करें. लिप लाइनर से एक तो आपकी लिपस्टिक फैलेगी नहीं दूसरा आप शेप भी अच्छी बना पाएंगी. कुछ लोग बिना वजह आईब्रो को फिल कर लेते हैं. अगर आपकी आईब्रो गहरी हैं, तो उन्हें भूलकर भी फिल न करें. इससे आपकी आईब्रो बहुत ज्यादा गहरी और अजीब लगने लगेंगी. अगर आप किसी सामान्य काम से जैसे कॉलेज या ऑफिस के काम से जा रही हैं, तो आंखों पर बहुत हेवी मेकअप न करें. आंखों पर काजल और आईलाइनर ही काफी होता है. हां अगर कहीं शादी या किसी समारोह में शामिल होना है, तो उसके लिहाज से मेकअप अपनाएं.

गोरी और बेदाग त्वचा पाने के लिए इस्तेमाल में लाएं बेसन

बेसन का इस्तेमाल हर घर में किया जाता है। इससे कई तरह की स्वादिष्ट चीजें बनाई जाती हैं लेकिन बेसन का इस्तेमाल करके चेहरे की सुंदरता भी बढ़ाई जा सकती है। चेहरे पर बेसन का लेप बनाकर लगाने से रंग निखरता है और भी कई समस्याएं दूर होती हैं। आइए जानिए बेसन के फायदों के बारे में

1. **दाग-धब्बे :** बेसन में दही मिलाकर चेहरे पर लगाएं और सूखने के बाद अच्छे से साफ कर लें। इससे त्वचा के दाग-धब्बे साफ होंगे और रंग भी निखरेगा।

2. **झाइयां :** यह समस्या ज्यादातर महिलाओं को होती है। इस वजह से चेहरे की खूबसूरती खराब हो जाती है। इसके लिए बेसन में खीरे का रस मिलाकर लेप बनाकर चेहरे पर लगाने से झाइयों की समस्या दूर होती है।

3. **ऑयली स्किन :** गर्मियों में पसीने की वजह से त्वचा तैलीय हो जाती है। इसके लिए बेसन में कच्चा दूध मिलाकर चेहरे पर लगाएं जो एक्सट्रा तेल को सोख लेगा।

4. **झुर्रियां :** बढ़ती उम्र के साथ झुर्रियों की समस्या होना आम बात है। ऐसे में बेसन में शहद और हल्दी पाउडर मिलाकर चेहरे और गर्दन पर लगाएं। जिससे झुर्रियों की समस्या कम हो जाएगी।

5. **टैनिंग :** धूप की वजह से त्वचा पर टैनिंग की समस्या हो जाती है। इसके लिए बेसन में हल्दी और नींबू का रस मिलाकर प्रभावित जगह पर लगाएं।

6. **मुंहासे :** मुंहासों की समस्या को दूर करने के लिए बेसन में शहद और नींबू का रस मिलाकर पिपंल्स पर लगाएं। 2-3 दिन तक लगातार इस लेप का इस्तेमाल करने से मुंहासे जड़ से दूर होंगे और कोई निशान भी नहीं रहेगा।

7. **गोरी रंगत :** बेसन में हल्दी और नारियल तेल मिलाकर पेस्ट तैयार करें। इस पेस्ट को चेहरे, गर्दन और हाथों-पैरों पर लगाने से त्वचा का कालापन दूर होगा।

मैटेलिक आई मेकअप से पाएं इम्प्रैसिव लुक

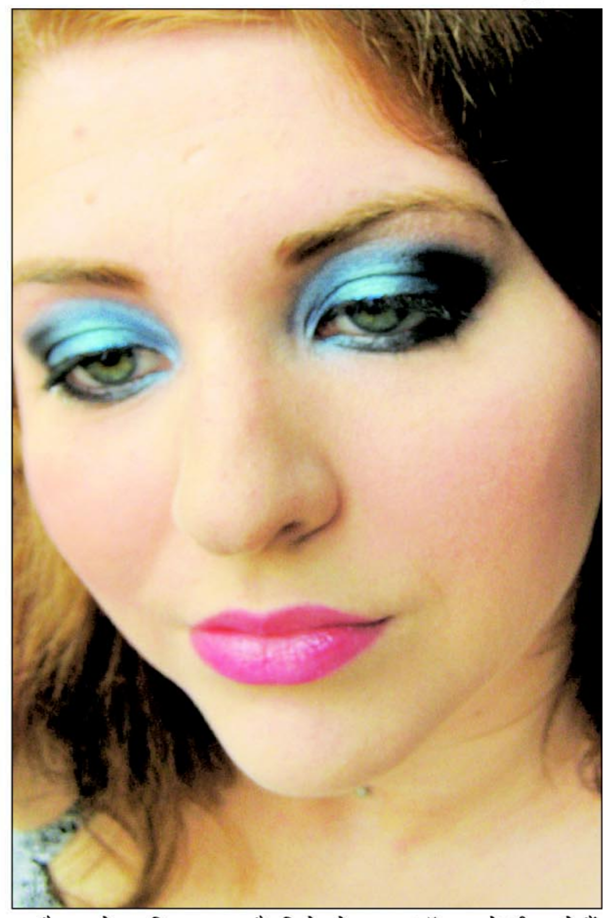

फैशन तो हर दिन बदलता है, जिसे लोग फुल ऑन फालो भी करते हैं, खासकर लड़कियां तो ब्रांडेड कपड़ों के साथ एक्सेसरीज और मेकअप भी चलन के हिसाब से ही चूज करती हैं। फैशनपरस्त औरतें बॉलीवुड हस्तियों के फैशन से खूब प्रभावित होती हैं। दमदार पर्सनैलिटी और इम्प्रैसिव लुक के लिए एक तरह से यह बहुत जरूरी भी है लेकिन इसके साथ चेहरे की पर्सनैलिटी होना भी बहुत जरूरी है। चेहरे की खूबसूरती नैन-नक्श पर निर्भर करती है, जिसमें आंखों को सबसे अट्रैक्टिव माना जाता है। वहीं आई मेकअप इसे और भी ज्यादा इम्प्रैसिव बना देता है। आप पर किस तरह की ड्रेस और एक्सेसरीज सूट करती हैं यह तो धीरे-धीरे आपको पता चल जाता है लेकिन मेकअप के बारे में आपको पूरी जानकारी होना बहुत जरूरी है। मॉडर्न जमाने में ऐसे बहुत सारे मेकअप ट्रिक्स मौजूद हैं जो आपकी आंखों को अट्रैक्टिव दिखाते हैं। ग्लिटर, मैट, स्मोकी मैकअप का खूब ट्रेंड देखने को मिला। नाइट या कॉकटेल पार्टी में स्मोकी मेकअप आपको बोल्ड लुक देता है लेकिन इन दिनों मरमेड स्टाइल मैटेलिक आई मेकअप खूब ट्रेंड में चल रहा है। मरमेड यानि जलपरी की तरह चमकता डार्क आई मेकअप। इस शिमरी और शाइनी शैडो से आंखों की खूबसूरती और भी दोगुनी हो जाती है। खासतौर पर रात के फंक्शन या डीजे पार्टीज में मैटेलिक मेकअप बहुत ही ट्रैंडी और हॉट लुक देता है। मजे की बात तो यह है कि इसे आप हर तरह की ड्रैस के साथ मैच कर सकते हैं। वैसे तो गोल्डन, ब्लैक और सिल्वर कलर आम इस्तेमाल किए जाने वाले आईशैडो हैं लेकिन इन दिनों ड्रार्क ग्रीन, ब्लू, पिंक, रैड, पिकॉक और यैलो कलर के आईशैड काफी पसंद किए जा रहे हैं। इसके अलावा मैटेलिक आईलाइनर भी लड़कियों को खूब भा रहे हैं। आईशैडो की जगह आप कलरफुल मैटेलिक लाइनर भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

कुछ बातों का रखें ख्याल

- आंखें अनमोल हैं, इसके लिए बेस्ट क्वालिटी के ही मेकअप प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें। सस्ती प्रोडक्ट्स आपकी आंखों को नुकसान पहुंचा सकते है।
- आईशैडो अपलाई करने से पहले आईलिड पर एक बूंद प्राइमर जरूर लगा लें क्योंकि क्रीज लाइन पर आईशैडो फैल जाता है लेकिन अगर आप प्राइमर यूज करेंगे तो आईशैडो फैलेगा नहीं और लंबे समय तक टिका रहेगा।
- अगर आप स्मौकी लुक आईमेकअप चाहती हैं तो पहले जैल आईलाइनर लगा लें फिर स्मजर ब्रश से अच्छी तरह स्मज कर लें। उसके बाद अपनी पसंद का आईशैडो चूज करें। आप दो कलर का मिक्स कंट्रास्ट भी कर सकती हैं। आईशैडो गोलाई में अपलाई करें।

इन बातों का रखें ध्यान, करियर में जल्द मिलेगी सफलता

आज कल एक कोई व्यक्ति अपने जीवन और अपने करियर में जल्दी से जल्दी ग्रोथ करना चाहता है। व्यक्ति चाहता है कि उसे अपना करियर शुरु करते है जल्दी से मोटा सैलरी पैकेज मिल जाएं। अगर आप भी तेजी से अपने करियर में आगे बढ़ना चाहते है तो आपको कुछ बातें ध्यान में रखनी होगी। आज हम आपको बता रहें है ऐसी ही कुछ बातों के बारे में जिन्हें ध्यान में रख कर आप अपने करियर में आगे बढ़ सकते है

शार्ट टारगेट बनाएं : बड़े सपने रखें। लेकिन उन्हें छोटे- छोटे टारगेट बनाकर पूरा करें।हर दिन का एक टारगेट होना चाहिए। इससे आप आगे बढ़ते रहेगें।

लोगों को पहचाने : लोगों से सही तरीके से डील करना सीखें।किसी भी प्रॉब्लम को इतना बड़ा ना होने दें कि बात विवाद तक पहुचें। अपनी अलग राय रखें लेकिन बेवजह विवाद करके अपनी इमेज ना बिगड़ने दें।

सुनें ज्यादा बोले कम

दूसरों को ज्यादा से ज्यादा सुनने की आदत डाले।आप सिर्फ काम की बातें ही बोले। इससे एक इटेलीजेंट पर्सन की इमेज बिल्ड कर सकेंगें।

काम से खुद को साबित करें

आप अपनी बातों से नहीं अपने काम से लोगों के सप्राइज करें। काम में अपनी पूरी एनर्जी लगा दें। काम अच्छा होने पर लोग खुद आपकी बातें करेंगे।

हर पर्सन की वैल्यू करें : जहां भी आप जाएं कॉन्टेक्ट बनाएं। कभी भी किसी भी वक्त आपको किसी की जरुरत पड़ सकती है। अपना नेचर ऐसा बनाएं ताकि हर कोई आपके साथ टाइम बिताना पंसद करें।

अवसरों को पहचानें : ऐसा करते रहें जो दसरें नहीं करते। कुछ ऐसा करने की कोशिश करें जो अभी तक ना हुआ हो। अवसरों को दूसरे से पहले भांपने की कोशिश करें।

मेंटर से सलाह लें: करियर के शुरुआती टाइम में मेंटर की हेल्प लें।जिसे अच्छा नॉलेज है उससे फील्ड को लेकर बातें करें। गाइडेंस के साथ आगे बढ़ेगे तो कई प्रॉब्लम से छुटकारा मिलेगा।

खुद पर यकीन दिलाएं : दूसरों को खुद पर यकीन दिलाएं। खासतौर पर उपने बॉस को। उन्हें लगना चाहिए कि जो कवालि टीस वह चाहते है वें सभी आप में हैं। अपने आप को ऐसा बिल्ड करें कि आप पर यकीन किया जा सकें।

आकर्षक दिखने के आसान उपाय

महिलाओं की तरह पुरुषों के लिए भी बालों, त्वचा और पैरों का ख्याल रखना जरूरी है। चेहरे पर मॉइस्चराइजर लगाना भी जरूरी है, ताकि उनकी त्वचा रूखी न लगे। मैग्नीफिक की सह-संस्थापक दीपाली माथुर-दयाल ने इस संबंध में कुछ सुझाव दिए हैं, जो इस प्रकार हैं

- हर प्रकार की त्वचा को देखभाल की जरूरत होती है। यह आपको आपकी वास्तविक उम्र से 20 साल तक कम उम्र का और जवां दिखा सकता है। अच्छे सैलून का सौंदर्य विशेषज्ञ आपको आपकी त्वचा के अनुकूल अच्छे उत्पादों के बारे में बता सकता है।
- अच्छी तरह से सही शेप में कटे हुए बाल आपके व्यक्तित्व को और आकर्षक बनाते हैं। अपने बालों के स्टाइल के अनुसार, हर 2-4 हफ्ते पर सैलून जाएं। हर दो दिन पर बाल धुलें। बालों की सही देखभाल के बारे में आप हेयर एक्सपर्ट से भी सलाह ले सकते हैं।
- भौंहों के बिना दुनिया में कोई भी अच्छा नहीं दिखता है। पुरुषों के भौं मोटे, घने और सही आकार में होने चाहिए।

पुरुष आकर्षक दिखने के लिए अपनाएं यह आसान उपाय

- पुरुषों को चेहरे की त्वचा को रूखा बनाने वाले साधारण साबुन के बजाय अच्छी कंपनी का फेसवाश या फेसक्लींजर इस्तेमाल करना चाहिए, जिससे त्वचा मुलायम रहे। त्वचा में नमी बनाए रखने के लिए मॉइस्चराइजर भी लगाएं।
- शेविंग भी आपको अकर्षक लुक देता है। अपने चेहरे के आकार और व्यक्तित्व के हिसाब से दाढ़ी या क्लीन शेव लुक रखें। आप सैलून जाकर एक्सपर्ट से भी इस संबंध में सलाह ले सकते हैं।
- स्वस्थ रहने के लिए हाथ व पैरों के नाखूनों को काटना और उन्हें साफ रखना भी जरूरी है। हाथ व पैरों की त्वचा को मुलायम रखने के लिए उन पर क्रीम भी लगाएं। कम से कम हर तीन महीने में पैडीक्योर जरूर कराएं।

उत्तर दिशा में होना चाहिए ऑफिस का मुख्य द्वार

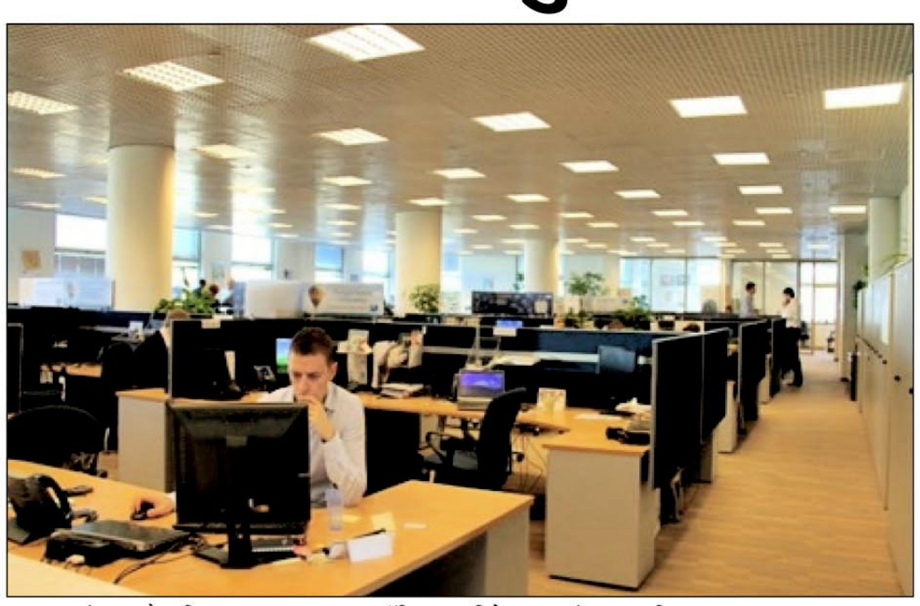

हर इंसान के लिए उसका ऑफिस या दफ्तर बेहद महत्वपूर्ण होता है। यह एक ऐसा स्थान होता है, जहां वह अपनी जिंदगी का एक बड़ा समय व्यतीत करता है। वहीं जिन लोगों का अपना बिजनेस होता है, उनके लिए तो अपना ऑफिस ही सब कुछ होता है।

ऐसे में ऑफिस और दफ्तरों में वास्तु को अहम माना गया है। अगर आप भी अपना नया ऑफिस या कार्यालय बनाने जा रहे हैं, तो उसके वास्तु का खास ख्याल रखें। ऑफिस में इन बातों पर ध्यान जरूर दें-

» वास्तु शास्त्र के अनुसार ऑफिस का प्रवेश द्वार यानि मेन डोर पूर्व या उत्तर दिशा में रखना शुभ माना जाता है।

» ऑफिस का रिसेप्शन काउंटर बाईं तरफ और इंतजार करने का स्थान दाहिनी ओर हो तो वास्तु की दृष्टि में यह बहुत अच्छा माना जाता है।

» ऑफिस में यदि इंतजार करने या वेटिंग रूम की जगह बनाना कठिन हो तो, केबिन के बाहर सोफासेट या कुर्सियों को पूर्व या उत्तर दिशा की दीवार से सटाकर रखा जा सकता है।

» वास्तु शास्त्र के मुताबिक ऑफिस के मालिक और सर्वोच्च व्यक्ति का केबिन दक्षिण या पश्चिम भाग में बनाना उचित माना जाता है। इसके अलावा मालिक की कुर्सी का मुंह पूर्व या उत्तर की ओर और आगंतुकों का मुंह पश्चिम या दक्षिण दिशा की ओर होना चाहिए।

» ऑफिस का भंडारघर (पेन्ट्री) या जहां सारा सामान रखा जाता है, वह दक्षिण-पूर्व दिशा में बनाना वास्तु की दृष्टि से अच्छा है।

» ऑफिस में टायलेट उत्तर-पूर्व और उत्तर-पश्चिम दिशा के अलावा अन्य किसी भी दिशा में बनाया जा सकता है।

» ऑफिस के एकाउंटेंट या कैशियर को उत्तर की ओर तथा बाहर काम करने वाले सेल्समैन, निरीक्षक को उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बैठाना चाहिए।

» वास्तु शास्त्र के मुताबिक ऑफिस का द्वार किसी अन्य ऑफिस के सामने, कैंटीन या टेलीफोन बूथ के पास होना शुभ नहीं होता।

रेसिपी

पम्पकिन सूप

सामग्री

2 कप लाल कद्दू के टुकड़े, 1 टी-स्पून लो-फैट मक्खन, 1/2 टी-स्पून बारीक कटा हुआ लहसुन, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज़, 1/2 कप छिले हुए आलू के टुकड़े, 1 कप लो-फैट दूध (99.7त्न वसा मुक्त), 1/2 टी-स्पून सूखा थाईम या मिक्स्ड हर्बस, नमक और ताज़ी पीसी काली मिर्च,

सजाने के लिए: पुदिना के कुछ पत्ते

विधि

एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में मक्ख़न गरम करें, लहसुन और प्याज़ डालकर मध्यम आंच पर 1 मिनट तक भुनें। कद्दू और आलू डालकर, मध्यम आंच पर 2 से 3 मिनट तक भुनें। दूध और 1 कप गरम पानी डालकर अच्छी तरह मिलाएं, और मध्यम आंच पर बीच-बीच मे हिलाते हुए, 5 से 7 मिनट या आलू और कद्दू के पुरी तरह नरम होने तक पका लें। मिश्रण को पुरी तरह ठंडा होने दें और मिक्सर में पीसकर मुलायम प्यूरी बना लें। प्यूरी को दुबारा पॅन में डालें, थाईम, नमक, काली मिर्च और 11/2 कप गरम पानी डालकर अच्छी तरह मिलाएं और उबाल लें। पुदिना से सजाकर गरमा गरम परोसें।

क्रिस्पी अनियन रिंग्स

साम्रगी

1 बड़ा प्याज
3/4 ब्रेड क्रम
1/2 चम्मच बेकिंग सोडा
1 चम्मच चावल का आटा
1 मिर्च लाल मिर्च पाऊडर
नमक स्वादनुसार
तेल आवश्यकतानुसार

विधि

सबसे पहले एक कटोरे में चावल का आटा, बेकिंग सोडा, नमक, लाल मिर्च पाऊडर और थोड़ा पानी डालें। अब इस मिश्रण को मिलाएं। अब इसमें ब्रेड क्रम डालकर इसे दोबारा मिलाएं। इसके बाद प्याज को गोल स्लाइस में काट लें और उसके एक-एक स्लाइस को अलग कर लें। अब प्याज के स्लाइस को बनाए गए मिश्रण में डालें और तेल में डीप फ्राई करें। जब प्याज कुरकरे हो जाएं तब इसे एक प्लेट में निकाल लें। टौमेटो कैचप के साथ क्रिस्पी अनियन रिंग्स का मजा लें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**